तिथि-बैशाख, शुक्ल, सप्तमी
सोना - 96,175
चांदी- 98,000
शेयर मार्केट- 80,501
निफ्टी- 24,346
अधिकतम -33 °c
न्यूनतम -26 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

ww.charchitrajnit.com | वर्ष - 21 अंक-160 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, रविवार 4 मई, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य : दो रुपये

आतंकियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगा भारत : मोदी

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बोले मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक बार फिर कहा कि भारत आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका यह बयान पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे।

अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ हमारे रुख में हम पूरी तरह एकजुट हैं। मैं पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति सहानुभूति जताने के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उसे धन्यवाद देते हैं। आतंकियों ने बीते 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल - पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर गोलियां चला दी थीं। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। चार भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने पहलगाम में क्रूर हमला किया था। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। हमलावरों में से दो पाकिस्तानी नागरिक होने की पुष्टि हुई है। 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत सरकार ने तुरंत 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक बुलाई। इस नरसंहार के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने की घोषणा की और अटारी सीमा को बंद करने का आदेश दिया। इसके साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द कर दिए, पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों और एक्स हैंडलों पर व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी, उच्चायोग के कर्मचारियों की संख्या में और कटौती का आदेश देकर राजनयिक संबंधों को कमतर कर दिया, कई राजनयिकों को प्रभावी रूप से इस्लामाबाद वापस भेज दिया गया। सीसीएस बैठक के बाद एक सख्त संदेश में, प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ देश (शेष पृष्ठ 7 पर)

अविवादित वरासत के मामलों का 15 दिन में हो निस्तारण : मुख्यमन्त्री योगी

राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये जरूरी निर्देश

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

- राजस्व वादों के समयबद्ध निस्तारण और भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिये कि अविवादित वरासत के मामलों का निस्तारण अधिकतम 15 कार्यदिवस के भीतर किया जाए।

राजस्व विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में शनिवार को मुख्यमंत्री ने दो महत्वपूर्ण बिंदुओं 'राजस्व वादों के समयबद्ध निस्तारण और भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण' को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि इन कार्यों को प्रत्येक स्तर पर तीव्र गति से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी विवादों का शीघ्र समाधान न केवल जनविश्वास, बल्कि राज्य में निवेश और विकास के लिए भी आवश्यक है, वहीं लैंड रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण पारदर्शी, भ्रष्टाचार-मुक्त और उत्तरदायी शासन प्रणाली की नींव है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि शेष भू अभिलेखों का डिजिटलीकरण शीघ्र पूर्ण किया जाए और शहरी क्षेत्रों का लैंड रिकॉर्ड तैयार कर उसे प्राथमिकता से ऑनलाइन पोर्टल पर सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने राजस्व परिषद के पोर्टल की रीडिजाइनिंग की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल और परिणाममूलक होना चाहिए। साथ ही लेखपाल से लेकर आयुक्त स्तर तक एकीकृत डैशबोर्ड विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि विभागीय निगरानी सरल हो सके और आमजन को सीधा लाभ मिले। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्राधिकरणों के लैंडयूज डेटा को खतौनी पर प्रदर्शित किया जाए और धारा 80 के अंतर्गत भू-उपयोग परिवर्तन प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाया जाए।

नामांतरण वादों को पूर्णतः ऑटोमेट किए जाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे नागरिकों को सुगमता और समयबद्ध न्याय प्राप्त होगा। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया में तकनीकी हस्तक्षेप और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, साथ ही सावधान किया कि चकबंदी की जटिलताओं के कारण गंभीर सामाजिक विवाद जन्म ले सकते हैं, अतः इसे अत्यंत संवेदनशीलता से निपटाया जाए। योगी ने यह भी स्पष्ट किया कि रियल टाइम खतौनी, आधार सीडिंग, किसान रजिस्ट्री, पैमाइश और खसरा पड़ताल से जुड़े सभी लंबित प्रकरणों का समाधान तय समय सीमा में अनिवार्य रूप से किया जाए। इसके लिए आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त मानव संसाधन की व्यवस्था की जाए। विभाग द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, विगत वर्ष में ही 36 लाख से अधिक जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र निर्गत किए गए, जिनमें से 85 प्रतिशत आवेदन सात कार्यदिवसों के भीतर ऑनलाइन निस्तारित हुए।

मुख्यमंत्री ने इस प्रगति को सराहनीय बताया और सेवा वितरण को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाए जाने के निर्देश दिए। प्राकृतिक आपदा की स्थिति में त्वरित सहायता के लिए मुख्यमंत्री ने विभाग की सराहना करते हुए बताया कि वर्ष 2023-24 में 3.5 लाख से अधिक प्रभावित परिवारों को डीबीटी के माध्यम से सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। उन्होंने निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के सभी लंबित आवेदन अगले 10 कार्यदिवसों में पूर्ण रूप से निस्तारित किए जाएं।

विकास प्राधिकरणों में भवन मानचित्रों के लंबित प्रकरणों का हो एकमुश्त निस्तारण : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास प्राधिकरणों में लंबित भवन मानचित्रों के प्रकरणों की समीक्षा के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है, प्राधिकरण में मानचित्र से जुड़े मामलों में बार-बार आपत्तियां लगाया जाना अनुचित हैं, इसे सरल रूप देते हुए एक ही बार में निस्तारित किया जाना चाहिये।ऐसे जो प्रकरण लंबित हैं, एक समय सीमा तय करते हुए उनका निस्तारण कर दिया जाए। नगरों में जीआईएस बेस्ड मास्टर प्लान अब तक अप्रूव नहीं हुआ है, उसे वर्तमान माह की समाप्ति से पहले अनुमोदित करा लिया जाए।मुख्यमंत्री ने शनिवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक की।

बैठक में विभागीय कार्ययोजना का आकलन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी नियोजन, आवासीय सुरक्षा, अधोसंरचना विकास एवं डिजिटल प्रबंधन जैसे सभी घटकों को एकीकृत दृष्टिकोण से लागू करना आवश्यक है।मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति (शेष पृष्ठ 7 पर)

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए घातक मुनीर बर्खास्त

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ ने अपने एक जवान मुनीर अहमद को पाकिस्तानी महिला से अपनी शादी की बात छिपाने के आरोप में सेवा से बर्खास्त कर दिया है, क्योंकि जवान का आचरण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक पाई गई। जवान मुनीर अहमद की आखिरी तैनाती देश के प्रमुख आंतरिक सुरक्षा बल सीआरपीएफ की 41वीं बटालियन में थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जवान मुनीर अहमद को उन नियमों के तहत सेवा से बर्खास्त किया गया है, जिसके तहत जांच की जरूरत नहीं होती। मुनीर अहमद को पाकिस्तानी नागरिक से अपनी शादी को छिपाने और जानबूझकर उसके वीजा की वैधता से परे उसे शरण देने के कारण तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। सीआरपीएफ के प्रवक्ता उप महानिरीक्षक (डीआईजी) एम दिनाकरन ने कहा, उनके कार्यों को सेवा आचरण का उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक पाया गया। बता दें कि, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उठाए गए कूटनीतिक उपायों के तहत भारत की तरफ से पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए कहने के बाद सीआरपीएफ जवान मुनीर अहमद की मिनल खान के साथ शादी का पता चला।

भारत ने पाकिस्तान से सभी आयात पर लगाया प्रतिबन्ध

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- मोदी सरकार की इस्लामाबाद के खिलाफ एक और स्ट्राइक

नयी दिल्ली। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पड़ोसी देश के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान से सभी प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यातित सभी वस्तुओं का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन, चाहे वे स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हों या अन्यथा अनुमत हों, तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा।

अधिसूचना में कहा गया, यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लगाया गया है। इस प्रतिबंध में किसी भी अपवाद के लिए भारत सरकार की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी। 2 मई की अधिसूचना में कहा गया कि इस संबंध में विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में एक प्रावधान जोड़ा गया है, ताकि श्पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर रोक लगाई जा सके।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 और फरवरी 2025 के बीच भारत का पाकिस्तान को निर्यात ख्साल-दर-साल, 56.91 प्रतिशत घटकर 491 मिलियन डॉलर रह गया। जबकि कोई आयात नहीं हुआ। वित्त वर्ष 2025 में पाकिस्तान को किए गए शीर्ष निर्यात में ड्रग फॉर्मूलेशन, चीनी, थोक दवाएं, अवशिष्ट रसायन और ऑटो घटक शामिल थे। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच एकमात्र व्यापार मार्ग अटारी वाघा सीमा को पहले ही बंद कर दिया गया था। इस बीच मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित बहुपक्षीय एजेंसियों से पाकिस्तान को दिए गए धन और ऋण पर फिर से विचार करने के लिए कहेगा। साथ ही वैश्विक धन शोधन निरोधक एजेंसी, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) से इस्लामाबाद को ग्रे सूची में डालने की अपील की जाएगी। एक सरकारी सूत्र ने कहा कि भारत, दिवालियापन से बचने में मदद के लिए हाल के महीनों में आईएमएफ की ओर से पाकिस्तान को दी गई सुविधाओं की समीक्षा की मांग करेगा। वह परियोजनाओं को फंड देने वाली विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसी अन्य एजेंसियों के साथ भी संपर्क में है। पाकिस्तान गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। वह पूरी तरह से विदेशी कर्ज पर निर्भर है। अगर पाकिस्तान को मिलने वाली विदेशी आर्थिक मदद को रोक दिया जाए या मुश्किल बना दिया जाए तो उसके लिए अपने वजूद को बचाना ही सबसे बड़ा सवाल बन जाएगा।(शेष पृष्ठ 7 पर)

रूस की विक्टरी डे परेड में शामिल नहीं होंगे राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रूस द्वारा नौ मई को मॉस्को में आयोजित विक्टरी डे परेड में शामिल नहीं होंगे और उनके स्थान पर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ वहां भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मॉस्को में नौ मई को आयोजित होने वाले समारोह में रक्षा राज्य मंत्री सेठ को भेजने का कदम पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर उठाया गया है। रूस ने द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी पर सोवियत विजय की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर होने वाली विक्टरी-डे परेड के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया था, लेकिन यह निर्णय लिया गया कि रक्षा मंत्री राजनाथ इसमें शिरकत करेंगे। सूत्रों ने बताया कि अब रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ परेड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। रूस ने इस वर्ष विक्टरी डे परेड में भाग लेने के लिए कई मित्र देशों के नेताओं को आमंत्रित किया है। प्रधानमंत्री मोदी पिछले वर्ष राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्षिक शिखर सम्मेलन और कजान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो बार रूस गए थे। इस वर्ष रूसी राष्ट्रपति के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शिरकत के लिए भारत आने की उम्मीद है।

बांग्लादेशियों की घुसपैठ का दिल्ली से चेन्नई तक कनेक्शन

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- सरगना सहित 44 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने चेन्नई, बेंगलुरु समेत देश के अन्य शहरों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पहले दिल्ली में सरगना चांद मियां समेत छह बांग्लादेशी घुसपैठियों व पांच भारतीय एजेंटों को गिरफ्तार किया गया, बाद में चांद मियां की निशानदेही पर चेन्नई पुलिस ने भी 33 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। सभी के दस्तावेज दिल्ली में ही तैयार हुए थे।

पुलिस को उम्मीद है कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के बाद 100 से अधिक बांग्लादेशी घुसपैठियों और भारतीय एजेंट पकड़े जा सकते हैं। भारतीय एजेंट बांग्लादेशियों को घुसपैठ कराने से लेकर फर्जी दस्तावेज पर उनके आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज बनवाने, शरण देने, रोजगार मुहैया कराने का काम करते थे। बंगाल व मेघालय के रास्ते एजेंट घुसपैठ कराने के बाद उन्हें भारतीय दस्तावेज मुहैया कराकर शहरों में मजदूरी कराते थे। इसके पहले दिल्ली पुलिस चार अन्य एमिग्रेशन रैकेट का भंडाफोड़ कर 40 से अधिक बांग्लादेशी व भारतीय एजेंटों को गिरफ्तार कर चुकी है। डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि इंस्पेक्टर विष्णु दत्त के नेतृत्व में एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड को सूचना मिली कि असलम उर्फ मासूम नामक व्यक्ति तीन दिन पहले बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत आया है और पहाड़ी नंबर दो, तैमूर नगर में रह रहा है। पता चला कि असलम अन्य एजेंटों के साथ मिलकर जाली दस्तावेज का उपयोग कर बांग्लादेशियों घुसपैठियों को भारत में बसाने में शामिल है। असलम को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि वह नोआखली, बांग्लादेश का रहने वाला है। उसके पास से एक आधार कार्ड और एक बांग्लादेशी पहचान पत्र मिला। उसके खिलाफ न्यू फ्रेंड्स कालोनी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया। जांच के बाद कलटली, असम से छह बांग्लादेशी घुसपैठियों और पांच भारतीय एजेंट को गिरफ्तार किया गया। बांग्लादेशी घुसपैठियों से फर्जी भारतीय पहचान पत्र पर तैयार किए गए 11 आधार कार्ड, पहचान प्रमाण वाले बांग्लादेशी दस्तावेज, एक कंप्यूटर, चार कंप्यूटर हार्ड डिस्क, एक लैपटॉप, कलर प्रिंटर, नेत्र और फिंगर प्रिंट स्कैनर, जाली जन्म और जाति प्रमाण पत्र, सिम कार्ड, नौ (शेष पृष्ठ 7 पर)

संक्षिप्त समाचार

128 वर्षीय योग गुरु शिवानंद बाबा का निधन

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी के पद्मश्री योग गुरु शिवानंद बाबा का शनिवार रात निधन हो गया। वह 128 साल के थे। सांस लेने में दिक्कत के कारण उन्हें बीएचयू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वामी शिवानंद बाबा योग गुरु थे जो काशी के घाटों पर योग का अभ्यास और शिक्षा देते थे। 125 वर्षीय स्वामी शिवानंद को 21 मार्च को भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। आज तक, वे यह पुरस्कार पाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं।

सड़क हादसे में 4 की मौत

मथुरा, एजेंसी। जिले के थाना जैत क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रामताल नगला रोड पर कृष्णा कुटीर के पास तेज रफ्तार थार कार ने सवारी टेम्पो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पो के परखच्चे उड़ गए और कई सवारियां घायल हो गईं। हादसे के बाद जब लोग संभल ही रहे थे, तभी पीछे से आ रहे एक डंपर ने सड़क पर पड़े घायलों को कुचल दिया। इस दोहरे हादसे में मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर अफ्रा-तफ्री मच गई। लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

गोवा के शिरगांव में भगदड़, 7 की मौत

पणजी, एजेंसी। गोवा के शिरगांव में श्री लैराई जात्रा (यात्रा) के दौरान शुक्रवार रात मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई। जानकारी शनिवार सुबह आई है। हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हैं, जिनमें 20 गंभीर हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालु जात्रा में शामिल होने मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। तभी अफरा-तफरी हुई (शेष पृष्ठ 7 पर)

पहलगाम की घटना में भी आतंकियों ने धर्म पूछकर किया कत्ल, गुलाम कश्मीर को आजाद कराने का समय

हां, आतंकवाद का होता है धर्म : विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- देशवासियों को एकजुट होकर लड़ना पड़ेगा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई : आलोक

नई दिल्ली। पहलगाम हमले में जिस तरह से धर्म पूछकर पर्यटकों को निशाना बनाया, उसने हिंदूवादी संगठनों के इस सोच पर एक तरह से मुहर लगा दी है कि आतंकवाद का धर्म होता है। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार इसके पक्ष में दलील पेश करते हुए इसे वैचारिक चुनौती मानते हैं और एकजुट होने की सलाह देते हैं।

पहलगाम घटना से लेकर जातिवार गणना और काशी, मथुरा की लड़ाई के संदर्भों को हिंदूवादी संगठनों की सोच व तैयारियों पर जानेमाने समाचार पत्र के संवाददाता से बात करते हुये विहिप अध्यक्ष ने बताया कि हां, आतंकवाद का धर्म होता है। उप्र के बदायूं जिले के रहने वाले आलोक कुमार 1973-74 में डीयू छात्र संघ के अध्यक्ष रहे। पेशे से वकील होने के नाते आक्रामक बयानबाजी के बजाय तथ्यात्मक तरीके से अपनी बात रखना व जमीनी पकड़ उनकी खूबी है। तभी तो एक ओर कहते हैं कि काशी, मथुरा का मामला जब तक न्यायालय में है, तब तक सड़क पर संघर्ष की आवश्यकता नहीं। वहीं, दावा करते हैं कि यह शताब्दी 'हिंदुओं की शताब्दी कहलाएगी। आलोक कुमार के अनुसार आतंकवाद का धर्म होता है, बिलकुल होता है। यह भ्रम है कि आतंकवाद का धर्म नहीं होता, इस भ्रम को फैलाया गया है और फैलाया जा रहा है। दुनिया की आधी से अधिक लड़ाइयां धर्म के नाम पर लड़ी गईं, लड़ी जा रही हैं। खुद इस्लाम में इतने अंतरविरोध हैं कि उनके आपसी संघर्षों ने दुनिया की शांति के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर रखी है। पहलगाम की घटना में भी आतंकियों ने धर्म पूछकर कत्लेआम किया। जब एक वर्ग यह विश्वास करे कि यह उनके लिए, उनके धर्म की आज्ञा है कि जो लोग उनका धर्म नहीं मानते, उन पर हमला करो, मारो, लूटो, अपहरण करो, दुष्कर्म करो और यह लूट और दुष्कर्म उनको ऊपर से मिली नियामत है। फिर तो यह नहीं कहा जा सका कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। यह एक विचारधारा है, उस पर उस धर्म के कुछ लोग विश्वास करते हैं। उस कारण दुनिया भर की शांति को, प्रेम को और व्यवस्था को चुनौती मिलती रहती है। यह केवल कानून और व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह विकृत धार्मिक मान्यताओं की भी समस्या है, इसलिए इसे वैचारिक चुनौती मानकर भी लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि कश्मीर में ध्रुवीकरण बढ़ेगा या बढ़ा है, ऐसा मुझको अंदाजा अभी नहीं हो रहा है, क्योंकि अब तक पर्यटकों पर हमला नहीं होता था। कश्मीर पर्यटकों पर जीता है। आम कश्मीरी चार महीने की कमाई से साल भर खाना खाते हैं। इस बार पर्यटन उद्योग की भी कमर तोड़ने की कोशिश की गई है। यह हमला तो सब पर है, सबको मिलकर लड़ना पड़ेगा।

पहलगाम हमले के बाद कश्मीर में विरोध प्रदर्शन हुए, मस्जिदों से हमले के विरोध में घोषणाएं की गईं। पहली बार ऐसा देखने को मिला। आप क्या सोचते हैं, इस सवाल पर उन्होंने बताया कि मैं नहीं कह सकता, पर मुझे इतना तो संतोष है कि कह तो रहे हैं, कर तो रहे हैं। मैं नहीं जानता कि हृदय परिवर्तन हुआ है, एक घटना से होता भी नहीं है। संभवतः इस बात का डर होगा कि पर्यटक बंद हो गए तो हमारा क्या है। सरकार बाकी स्थिति तो संभाल लेगी, लेकिन पर्यटकों को कैसे लेकर आएगी, इस बारे में कह पाना थोड़ा मुश्किल है। हमले के कारण लोग अमरनाथ यात्रा पर न आएं, ऐसा मुझे नहीं लगता। प्रयागराज कुंभ में एक दुर्घटना हो जाने के बाद भीड़ कम हो जाएगी, ऐसा कहा गया था, पर हुआ क्या, पहले से अधिक श्रद्धालु आए। कुंभ के दौरान ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से कुछ यात्री मर गए पर, इससे दिल्ली से कुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कहीं कोई कमी नहीं आई। जहां श्रद्धा से जाते हैं, सैर-सपाटे के लिए नहीं जाते हैं, उनकी सोच और विश्वास अलग होता है। उनका अलग माइंडसेट होता है। अमरनाथ यात्रा (शेष पृष्ठ 7 पर)

वेबीनार में उठा किसानों के दस घंटे विद्युत आपूर्ति का मुद्दा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सरकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश के आनेको जनपदों से जुड़े किसानों को यह अस्वाशन दिया कि आपकी मांगों को प्रबंधन के सामने प्रमुखता से उठाया जाएगा

लखनऊ। उपभोक्ता परिषद के साप्ताहिक वेबीनार में अनेकों जनपदों से जुड़े किसानों ने प्रमुखता से यह मुद्दा उठाया कि पूरे प्रदेश में कुछ महीना पहले कृषि फीडर पर किसानों की विद्युत आपूर्ति 10 घंटे से घटाकर 7 घंटे कर दी गई थी वर्तमान में किसानों को फसल के लिए पानी की आवश्यकता है।

ऐसे में उत्तर प्रदेश के सभी लगभग 15 लाख किसानों को जो कृषि फीडर पर 7 घंटे विद्युत आपूर्ति पा रहे हैं उनकी विद्युत आपूर्ति तत्काल 10 घंटे पूर्व की भाँती की जाए। उपभोक्ता परिषद के वेबीनार में यह मुद्दा भी छाया रहा कि उत्तर प्रदेश के लगभग आधा दर्जन से ज्यादा जनपदों जहां के जनप्रतिनिधि सांसद मजबूती से प्रबंधन के सामने अपनी मांग रख रहे हैं वहां पर 10 घंटे आपूर्ति चालू भी कर दी गई। जो यह सिद्ध करता है कि उत्तर प्रदेश में कृषि फीडर पर दोहरा मापदंड अपनाया जा रहा है। जहां के जनप्रतिनिधि और सांसद प्रबंधन के संपर्क में है वहां विद्युत आपूर्ति 10 घंटे कर दी गई है और ज्यादातर जनपदों में आज भी विद्युत आपूर्ति किसने की 7 घंटे है जिसमें ब्रेकडाउन हो जाने पर मात्र 5 से 6 घंटे विद्युत आपूर्ति मिलना भी मुश्किल है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सरकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश के आनेको जनपदों से जुड़े किसानों को यह अस्वाशन दिया कि आपकी मांगों को प्रबंधन के सामने प्रमुखता से उठाया जाएगा। उपभोक्ता परिषद प्रदेश के मुख्यमंत्री से यह मांग करता है कि प्रदेश में सभी किसानों की समान रूप से 10 घंटे विद्युत आपूर्ति अभिलंब चालू कराई जाए जिससे किसानों को कोई दिक्कत न होने पाए। उपभोक्ता परिषद के वेबीनार में यह मुद्दा भी उठा की बड़े पैमाने पर संविदा कार्मिकों की जो छंटनी की जा रही है।

उसमें क्षेत्रीय स्तर पर जो अधिशासी अभियंता व अन्य अधिकारी है वह अपने चाहते संविदा कार्मिकों को तो नहीं छटनी कर रहे हैं और मनमाने तरीके से छटनी में भी भेदभाव किया जा रहा है कहीं कोई मानक नहीं है। जिससे अधिशासी अभियंता खुस व छटनी से बाहर जिससे नहीं खुश वह छटनी की लाइन में लग गया जो बहुत गंभीर मामला है। ऐसे में पूरे उत्तर प्रदेश में जो छटनी की जा रही है वह गलत है उसे पर तत्काल रोक लगाई जाए। प्रदेश के मुख्यमंत्री एक तरफसंविदा कार्मिकों को बेहतर सेवा देने की बात करें दूसरी तरफ पावर कॉरपोरेशन संविदा कार्मिकों को बेरोजगार बना रहा है। उत्तर प्रदेश में रोजगार तो है नहीं जो है वह भी समाप्त किया जा रहा है।

निजीकरण के विरोध में विशाल बाइक रैली निकाली गई : पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में शक्ति भवन मुख्यालय पर आज दूसरे दिन क्रमिक अनशन जारी रहा। संघर्ष समिति ने प्रबंधन के अलोकतांत्रिक दमनकारी रवैया की निंदा करते हुए कहा है कि प्रबंधन के रवैया से बिजली कर्मियों में प्रदेश भर में भारी गुस्सा व्याप्त हो गया है। आज राजधानी लखनऊ में निजीकरण के विरोध में विशाल बाइक रैली भी निकाली गई। क्रमिक अनशन के दूसरे दिन आज लगभग 200 से अधिक बिजली कर्मी अनशन पर बैठे। आज उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मियों के समर्थन में मध्य प्रदेश के विद्युत मंडल अभियंता संघ के महासचिव विकास कुमार शुक्ला, वेस्टर्न इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष मनोज तिवारी और मध्य प्रदेश के कई बिजली अभियन्ता अनशन में सम्मिलित हुए। उत्तर प्रदेश में केस्को और कानपुर क्षेत्र तथा लखनऊ नगर के बिजली कर्मी अनशन में सम्मिलित रहे। आज लखनऊ में बिजली कर्मचारियों ने निजीकरण के विरोध में विशाल बाइक रैली भी निकाली।

रैली शाम 5:00 बजे राणा प्रताप मार्ग स्थित हाइडल फील्ड हॉस्टल से प्रारंभ होकर राणा प्रताप मार्ग, सुभाष चौक, कैसरबाग, लाल बाग, जीपीओ, हजरतगंज होते हुए अशोक मार्ग पर शक्ति भवन आकर एक सभा के रूप में समाप्त हो गई। रैली में संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने पावर कार्पोरेशन प्रबंधन की अमानवीय दमनकारी कार्यवाहियों के लिए कड़ी निंदा की। उल्लेखनीय कि पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने शक्ति भवन मुख्यालय पर चिलचिलाती धूप में क्रमिक अनशन पर बैठे बिजली कर्मियों की बिजली काट दी है, शक्ति भवन के दरवाजे बन्द कर पानी और शौचालय की सुविधा रोक दी है। इसके साथ ही क्रमिक अनशन पर बैठे बिजली कर्मियों की वीडियोग्राफी कराकर उन्हें डराने धमकाने की कोशिश की जा रही है। बड़े पैमाने पर संविदा कर्मियों को निकला जाना और फेशियल अटेंडेंस के नाम पर वेतन रोकने के उत्पीड़न की कार्यवाही पहले से ही जारी है। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि बिजली कर्मियों की एकता से खीझे हुए प्रबंधन की इन निम्न हरकत की गतिविधियों से बिजली कर्मी डरने वाले नहीं है। बाइक रैली में यह संकल्प व्यक्त किया गया कि निजीकरण के विरोध में यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक निजीकरण का फैसला वापस नहीं लिया जाता। आज प्रदेश के अन्य जनपदों और परियोजनाओं पर निजीकरण के विरोध में जोरदार विरोध प्रदर्शन किए गए। विरोध प्रदर्शनों का दौर कल भी जारी रहेगा। कल क्रमिक अनशन में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के अंतर्गत आगरा, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा क्षेत्रों के बिजली कर्मी और अभियन्ता सम्मिलित होंगे। शक्ति भवन पर क्रमिक अनशन के दूसरे दिन आज मुख्यतया पी एस बाजपेई, आर एस मिश्र, कपिल मुनि, भोला नाथ झा, रजत कुशवाहा, सचिन कुमार द्विवेदी, अमित श्रीवास्तव , शुभम शुक्ल, अरविंद कुमार, के के अवस्थी, नीरज कुमार तिवारी, लवकुश कुमार, सम्मिलित हुए।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन से कटकर महिला की हुई दर्दनाक मौत

हरचंदपुर रायबरेली, चसं। थाना क्षेत्र के गंगागंज रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस व जीआरपी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दरअसल पूरा मामला थाना क्षेत्र के गंगागंज मझिगवां क्रॉसिंग के बीच का है जहां पर एक महिला जिसका नाम अंजू पत्नी आदित्य कुमार उम्र लगभग 27 वर्ष है जो की पहरावा , रहवा थाना हरचंदपुर की रहने वाली है मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है फिलहाल अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला की मौत का कारण क्या है पुलिस पूरी मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। सब इंस्पेक्टर मोहम्मद सैफ ने बताया है कि शव को कब्जे में ले लिया गया है जीआरपी द्वारा उसका पोस्टमार्टम कराया जा रहा है मौत के कारण की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है पूरे मामले की जांच की जा रही है।

क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ने हनुमान कुटी में पत्रकारों को किया सम्मानित

रायबरेली, चसं। जिले के हरचंदपुर में अंतरराष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कस्बे की हनुमान कुटी परिसर में क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि और समाजसेवी अनूप अवस्थी ने प्रेस क्लब के पत्रकारों का सम्मान किया। अनूप अवस्थी ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं। वे समाज के लिए जलती मशाल की तरह काम करते हैं। उन्होंने बताया कि जब आम नागरिक अपनी समस्याएं मीडियाकर्मियों के सामने रखते हैं, तो पत्रकार उनके समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। कार्यक्रम में पत्रकारों को पुष्पगुच्छ और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र कौशल, संतोष चौरसिया, अनिल श्रीवास्तव, मनमोहन तिवारी, मनीष अवस्थी और दीपक सिंह सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

खेतों में लगी भीषण आग से फसल अवशेष राख

शिवगढ़,रायबरेली, चसं। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के नटई गांव में शनिवार की दोपहर करीब 12 बजे अज्ञात कारणों से खेतों में भीषण आग लग गई। जिससे गांव में अफरा-तफरी तफरी मच गई। आस-पास के गांवों के ग्रामीणों एवं किसानों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया किन्तु हवा चलने के कारण आग पर काबू नहीं पाया जा सका। बाद में पहुंची फायर ब्रिगेड ने घण्टों की कड़ी में मशक्कत के बाद शाम 4 बजे किसी तरह आग पर काबू पाया। आग की इस घटना में खेतों में पड़ा गेहूं की फसल का फसल अवशेष जलकर राख हो गया है। किसानों ने बताया कि कम्बाइन मशीन से गेहूं की फसल कटाने के बाद खेतों में फसल अवशेष पड़ा था किसानों ने सोचा था फसल अवशेष से भूसा बनवा लेंगे किन्तु आगे की घटना में करीब 50 बीघे का फसल अवशेष जलकर राख हो गया है। थाना प्रभारी विन्ध्य विनय ने बताया कि सूचना मिली थी पुलिस मौके पर गई थी ग्रामीणों तथा फायर ब्रिगेड की मदद से आग बुझाई गई है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव पर महिला सम्मेलन

अमेठी, चसं। जिले में एक राष्ट्र-एक चुनाव बिल के समर्थन में आयोजित महिला सम्मेलन में विधायक मनीषा अनुरागी ने महत्वपूर्ण बातें रखीं। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से समय और धन की बचत होगी। साथ ही देश का विकास तेज होगा। महिला जिलाध्यक्ष आशा वाजपेई की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में अनुरागी ने बताया कि एक साथ चुनाव कोई नई बात नहीं है। 1951 से 1967 तक सभी राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा के आम चुनाव साथ-साथ होते थे। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के पहले आम चुनाव 1951-52 में एक साथ हुए। यह परंपरा 1957, 1962 और 1967 के तीन आम चुनावों तक चली।विधायक ने कहा कि सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए कमेटी बना चुकी है। आम लोगों, महिलाओं, विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों से चर्चा कर माहौल बनाया जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से देश की प्रगति में बाधा आती है।कार्यक्रम की संयोजक प्रज्ञा त्रिपाठी थीं। संचालन जिला महामंत्री महिला मोर्चा गीता सिंह ने किया। कार्यक्रम में उपमा सरोज, प्रतिमा त्रिपाठी, शकुंतला तिवारी, रेखा मिश्रा, नीरज पांडे, शास्त्री सिंह, डॉक्टर मीना सिंह, पूनम चौहान और मीरा सहित प्रमुख महिलाएं मौजूद रहीं।

188 संविदाकर्मियों की छंटनी का विरोध,686 कर्मचारियों ने किया काम का बहिष्कार

अमेठी, चसं। जिले में विद्युत विभाग द्वारा संविदाकर्मियों की छंटनी के विरोध में कर्मचारियों ने काम का बहिष्कार कर दिया है। विभाग ने मुख्यालय से मिले आदेश के बाद जिले के विभिन्न पावर हाउसों में तैनात 188 संविदाकर्मियों को हटाया। इस कार्रवाई के विरोध में जिले के 686 संविदाकर्मी पिछले चार दिनों से अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर धरना दे रहे हैं। कर्मचारियों ने आज काम का बहिष्कार करते हुए ऊर्जामंत्री के खिलाफनारेबाजी की। संविदाकर्मियों की दो प्रमुख मांगें हैं। पहली, दो महीने का बकाया वेतन भुगतान और दूसरी, छंटनी किए गए कर्मचारियों की बहाली। कर्मचारियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है। संविदाकर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। यह कार्रवाई विभाग द्वारा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की छंटनी के आदेश के बाद की गई है।

मैजिक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अमेठी, चसं। शाहगढ़ के श्री निषादराज अखंडानंद महाविद्यालय के पास शनिवार करीब 10 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक मैजिक वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान विजय शर्मा के रूप में हुई है। वह गौरीगंज के पूरे मान सिंह वार्ड नंबर 10 का रहने वाला था। 30 वर्षीय विजय भगवान दीन शर्मा का पुत्र था। वह ब्लॉक शाहगढ़ में संविदा कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मैजिक चालक के खिलाफकार्रवाई की जा रही है। एसएचओ शिवाकांत त्रिपाठी नें बताया की मैजिक को कब्जे में लेकर बिधिक कार्रवाई की जा रही है।

सड़क हादसे में दवा लेकर लौट रहे बुजुर्ग की मौत

अमेठी, चसं। मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र के कोरारी हीर शाह में एक दुखद घटना सामने आई है। 65 वर्षीय अयोध्या प्रसाद गुप्ता की शनिवार को सुबह 11 बजे पेड़ से टकराने से मौत हो गई। अयोध्या प्रसाद अपनी पत्नी के लिए दवा लेने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेटुआ (नौगिरवा) गए थे। उनकी पत्नी हाल ही में आए तूफान में घायल हुई थीं। दवा लेकर जब वे विक्की पर घर लौट रहे थे, तब सेमरा में सड़क पर खड़े आवारा पशु से बचने की कोशिश में विक्की समेत सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गए। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के सात बेटे थे, जिनमें से एक की ढाई साल पहले दिल्ली में मृत्यु हो गई थी। शेष छह बेटे वर्तमान में दिल्ली में कार्यरत हैं। कोतवाली मुंशीगंज के प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

हिस्ट्रीशीटर अंशु गुप्ता ने कोर्ट में किया सरेंडर

उन्नाव, चसं। उन्नाव के चर्चित हिस्ट्रीशीटर अंशु गुप्ता ने शनिवार को अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। उस पर फर्जी पासपोर्ट बनवाने और रंगदारी मांगने जैसे गंभीर आरोपों में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने हाल ही में उस पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। सरेंडर के दौरान कोर्ट परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस जांच में सामने आया था कि अंशु गुप्ता ने गलत पते और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाया था। इस मामले में गैर जमानती धाराओं में केस दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए थे।

बढ़ते दबाव को देखते हुए आखिरकार उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अंशु गुप्ता पर व्यापारियों और आम लोगों से रंगदारी मांगने और धमकाने के आरोपों में भी एफआईआर दर्ज हैं। पुलिस लगातार दबिश दे रही थी, लेकिन उसके राजनीतिक संबंधों के चलते वह लंबे समय तक गिरफ्त से बाहर रहा। अंशु गुप्ता का नाम एक विधायक से करीबी को लेकर अक्सर चर्चा में रहता रहा है। इसी राजनीतिक संरक्षण के चलते वह अब तक पुलिस कार्रवाई से बचता रहा, लेकिन हाल के मामलों ने उस पर शिकंजा कस दिया। अंशु के खिलाफ उन्नाव के विभिन्न थानों में मारपीट, जानलेवा हमला, अवैध वसूली, शस्त्र अधिनियम, धमकी और पासपोर्ट फर्जीवाड़े जैसे मामलों में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड में वह एक घोषित हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि अंशु गुप्ता की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इनाम घोषित करने के बाद उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही थी, लेकिन उसने स्वयं कोर्ट में सरेंडर कर दिया। अब सभी मामलों में कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

तहसील पहुंचीं लखनऊ कमिश्नर, शिकायतों की खुद सुनवाई कर दिए अफसरों को निर्देश

उन्नाव, चसं। शनिवार को उन्नाव सदर तहसील में आयोजित तहसील समाधान दिवस के मौके पर लखनऊ मंडल की कमिश्नर रोशन जैकब ने लोगों की समस्याएं सीधे सुनीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे, जिनमें से अधिकतर की शिकायतें भूमि विवाद, पैमाइश गड़बड़ी, अवैध कब्जा, बंटवारा और नामांतरण से जुड़ी थीं। कमिश्नर रोशन जैकब ने जिलाधिकारी गौरांग राठी, एसपी दीपक भूकर, सीडीओ और अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर शिकायतें सुनीं। उन्होंने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत लंबित न रहे और उसका निस्तारण पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से हो। कमिश्नर ने सख्त लहजे में कहा कि तहसील दिवस का मकसद आमजन को राहत देना है, न कि उन्हें बार-बार चक्कर कटवाना। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि एक ही बार में पूरी सुनवाई कर निष्पक्ष निर्णय लिया जाए ताकि फरियादी बार-बार तहसील न आएं। जन सुनवाई के बाद कमिश्नर रोशन जैकब ने तहसील परिसर का निरीक्षण भी किया। उन्होंने अभिलेख कक्ष, न्यायालय, रजिस्ट्रार कार्यालय समेत अन्य विभागीय कक्षों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दस्तावेजों की स्थिति, सफाई व्यवस्था और कर्मचारी उपस्थिति की जांच की गई। कई स्थानों पर कमियों को देख कमिश्नर ने अधिकारियों को फटकार लगाई और सुधार के निर्देश दिए। तहसील दिवस में कमिश्नर ने डीएम और एसपी को निर्देश दिए कि भूमि विवादों के मामलों में कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए राजस्व व पुलिस विभाग समन्वय से काम करें। उन्होंने कहा कि संयुक्त कार्रवाई से विवादों का त्वरित समाधान संभव है। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों को कमिश्नर ने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और फरियादियों ने उम्मीद जताई कि इस तरह की कार्रवाई से उनकी समस्याओं का हल तेजी से होगा।

50 साल पुराने ओवरहेड टैंक का निरीक्षण

उन्नाव, चसं। नगर के नगर पालिका परिषद गंगाघाट कार्यालय परिसर में स्थित 50 वर्ष पुराने ओवरहेड वाटर टैंक को पुनः उपयोग में लाने की पहल शुरू हुई है। जल निगम की ओर से आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों की सात सदस्यीय टीम ने सोमवार को टैंक की जांच की। टीम ने नॉन-डिस्ट्रक्टिव तकनीक से टैंक के छह पिलर्स से कोर सैंपल लिए हैं। जल निगम के सहायक अभियंता अमित कुमार की अगुवाई में आईआईटी कानपुर से आए डॉ. पंकज गुप्ता और सहायक अमित सिंह चौहान समेत विशेषज्ञों ने निरीक्षण किया। टीम प्रमुख डॉ. पंकज गुप्ता के अनुसार टैंक की सतही स्थिति सामान्य दिख रही है। यह 500 किलोलीटर क्षमता वाला टैंक 1970 के दशक में बना था। पिछले 15-20 वर्षों से यह अनुपयोगी पड़ा है। जल निगम इसे पश्चिमी क्षेत्र की जल आपूर्ति से जोड़ना चाहता है। लैब टेस्ट में टैंक की संरचना सुरक्षित पाई जाती है तो कई मोहल्लों में पानी की आपूर्ति शुरू की जा सकेगी। नगर में अमृत योजना के तहत भूमिगत पाइपलाइन और नए ओवरहेड टैंक बनाए गए हैं। पश्चिमी क्षेत्र में इस पुराने टैंक का दोबारा इस्तेमाल किफायती विकल्प हो सकता है। इससे नई संरचनाओं पर खर्च कम होगा और जल आपूर्ति प्रणाली में सुधार भी जल्द होगा। सहायक अभियंता अमित कुमार ने बताया कि सैंपल की रिपोर्ट आने में लगभग दो से तीन सप्ताह का समय लगेगा। यदि टैंक की संरचना उपयोग योग्य पाई जाती है, तो इसे शीघ्र ही जल आपूर्ति नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। नगर वासियों के लिए यह एक अच्छी खबर हो सकती है, खासकर उन क्षेत्रों के लिए जहां अभी जल आपूर्ति में दिक्कतें आ रही हैं।

सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बने महेंद्र अवस्थी

उन्नाव, चसं। बीघापुर तहसील मुख्यालय स्थित पाटन परिसर में सेंट्रल बार एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय शुक्ला एडवोकेट ने अध्यक्षता की। सराय मनिहार, उन्नाव निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता महेंद्र अवस्थी को सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन लखनऊ का उपाध्यक्ष चुना गया है। अधिवक्ताओं ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि यह चयन जिला उन्नाव के लिए गौरव की बात है। इससे जिले के अन्य अधिवक्ताओं को प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में अधिवक्ता सतीश मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, प्रमोद द्विवेदी, सोनू शुक्ला और काली शंकर सहित बार के कई सदस्य मौजूद रहे। सभी ने महेंद्र अवस्थी के नेतृत्व में एसोसिएशन की प्रगति की उम्मीद जताई। अध्यक्ष विनय शुक्ला ने कहा कि ऐसे आयोजन अधिवक्ताओं में आपसी समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देते हैं।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने तहसील सदर में सुनीं जन समस्यायें

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में लापरवाही पर होगी कठोर कार्रवाई : डीएम

शाहजहांपुर। जन शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सदर में किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में एवं पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी की उपस्थिति में फरियादियों की समस्याएं सुनी गई। कार्यक्रम के दौरान कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 19 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया।

शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का समाधान सिर्फऔपचारिकता न होकर परिणामपरक एवं पारदर्शी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण फील्ड निरीक्षण, दोनों पक्षों की सुनवाई एवं साक्ष्यों के आधार पर किया जाए तथा हर कार्रवाई का फोटोग्राफिक्र साक्ष्य सुरक्षित रखा जाए।।जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता से फीडबैक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। यदि किसी भी प्रकरण में समाधान की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी अथवा कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निस्तारित शिकायतों का स्वयं फॉलो-अप करते हुए फीडबैक भी प्राप्त करें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड) के अंतर्गत चिन्हित 10 लाभार्थी बच्चों को लैपटॉप वितरित किए गए। साथ ही 13 पात्र परिवारों को राशन कार्ड (09 अंत्योदय एवं 04 पात्र गृहस्थी) भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार मिश्रा, परियोजना निदेशक डीआरडीए श्री अवधेश राम, उप जिलाधिकारी सदर संजय कुमार पांडे सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अतिथि व्याख्यान एवं विदाई समारोह का हुआ आयोजन : स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज के विज्ञान संकाय (गणित वर्ग) के जूनियर विद्यार्थियों के द्वारा अपने सीनियर्स के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक अतिथि व्याख्यान भी आयोजित हुआ। विद्यार्थियों को उदबोधन देते हुए सीएसआईआर के सीनियर साइंटिस्ट डॉ मुदित दीक्षित ने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में कैरियर के अनेकों अवसर विद्यमान हैं।

विद्यार्थियों को अधिक से अधिक सीखने का प्रयास करना चाहिए तथा समय-समय पर स्वयं का परीक्षण भी करते रहना चाहिए। विद्यार्थियों के अंदर ष्मैं कर सकता हूंष् जैसी भावना कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। क्या, क्यों एवं कैसे जैसे प्रश्न हमेशा विद्यार्थी के दिमाग में कौंधते रहने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि तकनीकी की प्रगति का मूल आधार विज्ञान ही है। विज्ञान के द्वारा समाज एवं राष्ट्र की सभी समस्याओं का समाधान हो सकता है। विज्ञान के विद्यार्थी को धैर्य, लगन एवं सतर्कता के साथ अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रो आर के आजाद ने कहा कि विद्यार्थी सफलता के लिए समय का इंतजार करें। अनुकूल समय आने पर सफलता अवश्य मिलती है। इसके साथ ही विद्यार्थी समाज के प्रति अपनी भूमिका को समझते हुए उसकी उन्नति में अपना योगदान करते रहें। विद्यार्थियों के द्वारा इस अवसर पर भाषण, गीत, कविता, ग्रुप डांस आदि अनेक प्रस्तुतियां दी गई। जूनियर विद्यार्थियों के द्वारा सीनियर्स के लिए अनेक खेलों का आयोजन भी किया गया। तमाम प्रस्तुतियों के आधार पर अनुभव कश्यप को मिस्टर फेयरवेल एवं इंद्राक्षी को मिस फेयरवेल घोषित किया गया। जूनियर विद्यार्थियों के द्वारा सीनियर्स को उपहार भी भेंट किए गए। कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के सहसंकायाध्यक्ष डॉ आलोक सिंह भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ शिशिर शुक्ला, हर्ष पाराशरी, अमित गंगवार, डॉ प्रांजल शाही, शशांक गुप्ता, सत्येंद्र कुमार सिंह, अमित राज चौहान, डॉ संदीप दीक्षित, चंदन गोस्वामी, प्रशांत शर्मा, देवेंद्र कुमार, रजनीश दीक्षित आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को आयोजित करने में अनुज यादव, मुनेंद्र, कनक, साक्षी आदि का विशेष सहयोग रहा।

रस्क फैक्टरी में लगी भीषण आग मालिक और कर्मी की झुलस कर मौत

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के सरोजनीनगर में शनिवार शाम को अमौसी स्टेशन रोड स्थित रस्क फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस बीच ताबड़तोड़ कई धमाके भी हुई। फैक्टरी में मालिक मवैया निवासी अखिलेश व उनका कर्मचारी अबरार फंस गए। दमकल कर्मियों ने 14 गाड़ियों से पांच घंटे में आग पर काबू पा लिया। हादसे में अखिलेश और अबरार की जलकर मौत हो गई। अमौसी स्टेशन रोड पर गंगाविहार में अखिलेश की स्वीटी फूड नाम से चार मंजिला रस फैक्टरी है। पड़ोसी दुकानदारों के मुताबिक शनिवार को शाम साढ़े चार बजे अखिलेश व दस कर्मचारी फैक्टरी में काम कर रहे थे।

इस बीच फैक्टरी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। ऊंची-ऊंची लपटों को उठता देख मालिक और कर्मी घबरा गए। अखिलेश और अबरार आग बुझाने में जुट गए। जबकि नौ अन्य कर्मी शोर मचाते हुए बाहर भाग निकले। घटना से अफरा-तफरी मच गई। अगल-बगल के दुकानदारों ने घटना की जानकारी दमकल और पुलिस को दी। वे भी निजी संसाधनों से आग बुझाने में लग गए। हादसे की जानकारी पर एडीसीपी दक्षिणी अमित कुमावत, एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय, एसडीएम सरोजनीनगर सचिन वर्मा, तहसीलदार, इंस्पेक्टर राजदेव प्रजापति पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए।

केमिकल और ऑक्सीजन टैंक में धमाके से भड़की आग : देखते ही देखते आग विकराल हो गई और पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। लपटों की तपिश से ताबड़तोड़ फैक्टरी के छत पर रखे केमिकल और ऑक्सीजन टैंक एक बाद एक फटने लगे। इससे लोगों में दहशत मच गई। धमाके इतने तेज थे कि पड़ोसियों के मकान में लगी खिड़कियों के शीशे चिटक गए। फैक्टरी के बाहर खड़ी एक कार को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया।

दो टीमों में बंट कर दमकल ने शुरू किया राहत कार्य : सीएफओ मंगेश कुमार और एफएसओ सरोजनीनगर दो गाड़ियों और टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। दमकल कर्मी दो भागों में बंट गए और आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। मगर आग और विकराल होती चली गई। ऐसे में फायर स्टेशन हजरतगंज, आलमबाग, चौक और पीजीआई से भी 12 गाड़ियां बुलाई गई। एक टीम हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म पर चढ़कर छत तक पहुंची और आग पर काबू पाने लगी। जबकि दूसरी टीम नीचे रेस्क्यू कार्य कर रही थी। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पांच घंटे में आग को पूरी तरह से बुझा लिया। इसके बाद दमकल कर्मियों को मालिक और कर्मचारियों के फैक्टरी में फंसे होने की जानकारी मिली। दमकल ने स्मोक एग्जॉस्ट से धुआं बाहर निकाला। फिर वीआर सेट पहनकर वे फैक्टरी में दाखिल हुए और दोनों का पता लगाने लगे। इस बीच एसडीआरएफ जवान भी मौके पर पहुंच गए। टीम ने दस मिनट में दोनों के शव बाहर निकाल लिए। एडीसीपी दक्षिणी अमित कुमावत ने बताया कि फैक्टरी काफी समय से बंद चल रही थी। तीन दिन पहले ही अखिलेश ने दोबारा फैक्टरी का संचालन शुरू किया था। तभी किसी चीज में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। हादसे में मालिक अखिलेश और कर्मचारी अबरार की मौत हुई है। उधर, दुकानदारों ने फैक्टरी का संचालन काफी समय से होने की बात कही है। वहीं, एफएसओ सरोजनीनगर का दावा है कि फैक्टरी काफी समय से बंद थी। उसमें बेकरी का संचालन होता था।

नेहा राठौर और माद्री काकोटी के समर्थन में प्रदर्शन

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में शनिवार को डॉ. माद्री काकोटी और लोकगायिका नेहा सिंह राठौर पर दर्ज मुकदमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ। राज्यव्यापी प्रतिरोध दिवस के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय गेट नंबर 1 प्रदर्शन हुआ। आईसा, एडवा, राया समेत विभिन्न छात्र संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। आईसा (ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन) के उपाध्यक्ष समर गौतम ने बताया कि विश्वविद्यालय से परिवर्तन चौक तक शांति मार्च का आवाहन था। मगर पुलिस ने लखनऊ विश्वविद्यालय के सामने ही सभी लोगों को रोक लिया और मार्च नहीं निकालने दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई डर को उजागर करती है। पुलिस के बल पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने की कोशिश की जा रही है। जब ट्वीट देशद्रोह और विरोध अराजकता कहलाने लगे तो लोकतंत्र खतरे में है। एडवा की कमला गौतम ने कहा कि गिरफ्तारियां हमें रोक नहीं सकतीं। जब तक नेहा और माद्री के खिलाफ फर्जी मुकदमे वापस नहीं लिए जाते आंदोलन जारी रहेगा। हम लोग जेल के अंदर रहे या बाहर रहे लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ते रहेंगे। संविधान ने हम सभी लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहने की आजादी दिया है। इस संविधान में सहमति और विरोध के द्वार खुले हुए हैं।

राजीव गुप्ता ने कहा कि ये यह लड़ाई हर उस शख्स की है जो सोचता है, बोलता है, सवाल करता है। सरकार को सच से डर लगता है। लेकिन हम लोग सरकार की तानाशाही से डरने वाले नहीं हैं। सरकार का हमला विचारों पर ही नहीं, संस्कृति, शिक्षा और इंसानियत पर भी है। प्रदर्शन करने वाले सभी लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच में नोक झोंक भी हुई।

संक्षिप्त समाचार

उद्यमिता विकास की ओर उत्तर प्रदेश कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा 6 मई 2025 (मंगलवार) को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में उद्यमिता विकास की ओर उत्तर प्रदेश कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन भारत सरकार की दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डी.डी.यू.-जी.के.वाई.) के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य 15 से 35 वर्ष (महिलाओं हेतु 15 से 45 वर्ष) तक के ग्रामीण निर्धन युवाओं को निःशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगारोन्मुख बनाना है। कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि योगी सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण युवाओं को वैश्विक मांग के अनुरूप कौशल प्रदान कर उनकी रोजगार संभावनाओं को सुदृढ़ किया जाए। उद्यमिता विकास की ओर उत्तर प्रदेश÷ कार्यक्रम इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से उद्योगों की अपेक्षाओं और युवाओं की क्षमताओं के बीच समन्वय स्थापित कर रोजगार के नए अवसरों का सृजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'कौशल भारतकुशल भारत' के विज़न और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'रोजगारपरक उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के संबंध में मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रतिष्ठित संस्थानों, प्रशिक्षण साझेदारों (पीआईए) तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को एक साझा मंच पर लाकर राज्य के युवाओं को समसामयिक एवं मांग आधारित कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, जिससे वे सीधे रोजगार से जुड़ सकें।

नशामुक्त निःशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न

बख्शी का तालाब/लखनऊ, चसं। रुक्मणी देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, ग्राम दौलतपुर में नशामुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का के तहत आर.आर. ग्रुप ने नशामुक्त निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इसमें इंदिरा गाँधी नेत्र चिकित्सालय की मेडिकल टीम ने 30 नेत्र रोगियों और आर.आर. ग्रुप की मेडिकल टीम ने 35 सामान्य मरीजों का परीक्षण किया।

नशामुक्त निःशुल्क चिकित्सा शिविर के बारे में बात करते हुए नशामुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का के प्रांतीय संयोजक एवं आर.आर. ग्रुप के मुखिया अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि आज 11 नेत्र रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चुना गया है। वहीं, 6 मरीजों का चयन नजर का चश्मा देने के लिए किया गया है। इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय के नेत्र सर्जन डॉ गौरव पांडेय की टीम ने कुल 30 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया। जबकि आर.आर. ग्रुप की मेडिकल टीम के डॉ अनिल वर्मा ने 35 सामान्य मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। सभी को मुफ्त में परामर्श एवं दवाएं दी गई। वहीं, नशामुक्त समाज आंदोलन के प्रांतीय सह संयोजक नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान ने बताया कि प्रत्येक शिविर में सैकड़ों ऐसे निर्धन लोगो को स्वास्थ्य लाभ होता है, जो अपना इलाज करवाने में असमर्थ हैं। आर.आर. ग्रुप की चिकित्सा टीम के द्वारा प्रतिदिन सामान्य मरीजों को निःशुल्क दवाई व चिकित्सा परामर्श दिया जाता है।

आतंकवाद को कुचलने के लिए कांग्रेस, भारत सरकार के साथ : प्रमोद तिवारी

लखनऊ, चसं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में प्रस्ताव पारित होने पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि हम पहले भी कह चुके हैं और आज भी कहते हैं कि हम आतंकवाद को कुचलने के लिए भारत सरकार के साथ है और उन्हें पूरा समर्थन है।शनिवार को न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हुई आतंकी घटना को बारह दिन हो चुके हैं। मैंने कानपुर में उस पीड़िता से मुलाकात की, जिसके सामने आतंकियों ने उसके पति को मार दिया। आज मेरे साथ पूरा देश न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। हम इस कायरतापूर्ण कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की मांग करते हैं। हम दोहराते हैं कि हम आतंकवाद को खत्म करने और ऐसी घटनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए किसी भी कदम का पूरा समर्थन करते हैं। जाति जनगणना पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की ओर से पीएम मोदी को लिखे पत्र पर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता है कि उन्होंने क्या लिखा है। लेकिन, राहुल गांधी ने इस पर साफतौर पर कहा है कि इसे निश्चित समयसीमा पर लागू कर देना चाहिए। हम सभी चाहते हैं कि जल्द से जल्द जाति-जनगणना होनी चाहिए। विकास की मुख्यधारा से जो वर्ग पीछे छूट गया है, उसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं। नींद उड़ जाएगी, कांग्रेस पर पीएम मोदी की ओर से दिए गए बयान पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि मुझे बहुत दुख हुआ है। मेरे दिल को चोट पहुंची है। मेरी नजर में पूर्व पीएम की जो छवि बनी हुई है, पीएम मोदी उसमें दूर-दूर तक नहीं हैं। केरल में उन्होंने वैसा व्यवहार नहीं किया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी घटना हुई। देश आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा था। ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई गई। पूरा विपक्ष केंद्र सरकार को अपना समर्थन दे रहा था, तब पीएम मोदी बिहार के दौरे पर जाते हैं।

नगर आयुक्त का फोन नहीं उठता, पार्षदों ने की शिकायत

मुलाकात के दौरान पार्षदों ने अपने वार्ड की समस्या बताते हुए समाधान कराने की मांग की

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ नगर आयुक्त गौरव कुमार से शनिवार को पार्षदों के एक समूह ने मिलकर अपनी समस्याएं बताई। औपचारिक मुलाकात में पार्षदों ने अपने वार्ड की समस्या बताते हुए समाधान कराने की मांग की। पार्षदों ने उनसे सीयूजी नंबर पर बात नहीं होने की समस्या भी बताई।

नगर आयुक्त ने कहा कि यह दिक्कत दूर हो जाएगी। ज्यादा जरूरी होने पर पर्सनल नंबर दे देंगे। पार्षदों ने कोटा रिलीज करने की मांग की। नालियों की सफाई और पुराने काम के बकाए का भुगतान करने का मुद्दा भी उठाया। पार्षदों ने कहा कि नगर आयुक्त ने उनकी समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया है। शहर की समस्याओं को वह चिह्नित कर रहे हैं। ग्राउंड पर उतरकर निरीक्षण भी कर रहे हैं। नगर आयुक्त के साथ हुई बैठक में पार्षदों ने कहा कि उनके सीयूजी नंबर पर बात नहीं हो पाती है। उनके स्टाफ फोन उठाते हैं। बात कराने का आश्वासन देते हैं, लेकिन बात नहीं हो पाती है। इस दौरान नगर आयुक्त से सीयूजी नंबर के अलावा ऑप्शनल नंबर देने की भी मांग की। नगर आयुक्त ने पार्षदों को सकारात्मक आश्वासन दिया। पार्षदों का कहना है कि उन्होंने कहा कि सभी से सीधा संवाद किया जाएगा। बैठक में नगर आयुक्त ने समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। नगर आयुक्त से मुलाकात में पार्षद मुन्ना मिश्रा, शैलेंद्र वर्मा, गब्बर सिंह, पार्षद प्रमोद राजन, उमेश सानवाल, अनुराग मिश्रा अन्नू, मुकेश सिंह मोंटी, दीपक लोधी, कौशल किशोर पांडेय, पार्षद प्रतिनिधि हरीश अवस्थी और दीपक तिवारी आदि मौजूद रहे। पार्षदों का कहना है कि मुलाकात काफी सकारात्मक रही है। नगर आयुक्त शहर के विकास और समस्याओं का समाधान कराने के लिए तत्पर हैं।

नगर आयुक्त से मिले कर्मचारी संघ, समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन : नगर निगम कर्मचारी संघ के नगर आयुक्त गौरव कुमार से मुलाकात की है। मौके पर

संघ के अध्यक्ष आनंद वर्मा और महामंत्री राम अचल के साथ में अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। नगर निगम के कर्मचारियों ने कहा कि हम अधिक ऊर्जा के साथ में एक साथ का करेंगे।

संघ ने नगर आयुक्त को लंबित मांगो के समाधान के लिए अपना ज्ञापन दिया। नगर निगम एवं जलकल कर्मचारी संघ,उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ,उत्तर प्रदेश नगर निगम चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ, आरआर एवं सेंट्रल वर्कशॉप मजदूर संघ, नगर निगम कर्मचारी संघ, और लखनऊ नगर महा पालिका कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कर्मचारियों ने वेतन भुगतान, पदोन्नति, नियमितीकरण, सेवा शर्तों में सुधार और कार्यस्थल पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसी बातें शामिल थीं। प्रतिनिधियों ने यह भी मांग की कि निगम में कार्यरत स्थायी और संविदा कर्मचारियों के बीच भेदभाव समाप्त किया जाए और उनके मूल्यांकन में पारदर्शिता लाई जाए। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सभी संगठनों की सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि निगम प्रशासन कर्मचारियों के हितों के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। सभी संगठन अपने सुझाव शांतिपूर्ण एवं सकारात्मक संवाद के माध्यम से प्रस्तुत करें। संगठनों से अपील की कि वे निगम की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में सक्रिय सहयोग दें और कर्मचारियों के बीच सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें। उन्होंने कहा कि नगर की बेहतरी और विकास में कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और एकजुट होकर ही हम शहर को अधिक स्वच्छ, सुव्यवस्थित और नागरिकों के लिए बेहतर बना सकते हैं।वहीं, मौके पर नगर निगम कर्मचारी संघ के संरक्षक राम चंदर यादव, अध्यक्ष आनंद वर्मा,महामंत्री रामअचल, उपाध्यक्ष शमील एखलाक, मोहम्मद शोएब, हेमंत कुमार, संगठन मंत्री अर्जुन यादव, निखलेश खरे, मंत्री विजय लक्ष्मी, रेखा यादव, मिर्जा इरशाद बेग, कोषाध्यक्ष यश विजय प्रकाश गुप्ता, सलाहकार अब्दुल तनवीर, प्रचार मंत्री अर्क गौतम, संयुक्त मंत्री अनुज गुप्ता, सहायक मंत्री जाकिर अली,मनीष चंद्र पाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नगर निगम ने चलाया अतिक्रमण के खिलाफ अभियान,अवैध वेंडरों के खिलाफ हुई कार्रवाई : नगर निगम लखनऊ ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफजोन 2 में अभियान चलाया है। राजाजीपुरम वार्ड में बाईपास राजाजीपुरम से शुरू होकर जलालपुर फाटक होते हुए रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल तक कार्रवाई हुई।

इस दौरान नगर निगम की टीम ने सड़क किनारे बनाए गए 28 अस्थाई अतिक्रमणों को हटवाया, जिनमें अवैध ठेले, खोमचे और दुकान के आगे फैली सामग्री शामिल थी। दो काउंटर व तीन ठेले जब्त किए गए और मौके पर ही 11,000 का जुर्माना भी वसूला गया। कार्रवाई के दौरान एक मानवीय पहलू भी सामने आया। अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया में एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला की झोपड़ी भी हटाई गई, जो लंबे समय से उस स्थान पर रह रही थीं।

जातीय जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस बीजेपी पर बरसीं मायावती

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा सुप्रीमो मायावती ने जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस-बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सन् 1931 व आजादी के बाद पहली बार देश में जातीय जनगणना कराने के केन्द्र के निर्णय का श्रेय लेने में कांग्रेस यह भूल गयी कि दलित व ओबीसी समाज के करोड़ों लोगों को आरक्षण सहित उनके संवैधानिक हक से वंचित रखने में उसका इतिहास काला अध्याय है व इस कारण उसे सत्ता भी गंवानी पड़ी है।

मायातवी ने कहा कि किन्तु सत्ता विहीन होने के बाद कांग्रेस नेतृत्व का खासकर दलित व ओबीसी समाज के प्रति नया उभरा प्रेम विश्वास से परे इन वर्गों के वोट के स्वार्थ की खातिर छलावा की अवसरवादी राजनीति। वैसे भी आरक्षण को निष्क्रिय बनाकर

● सत्ता मोह में जन आकांक्षा के आगे झुकना पड़ा

अन्ततः इसको खत्म करने की इनकी नापाक मंशा को कौन भुला सकता है? उन्होंने कहा कि वैसे आरक्षण व संविधान के जनकल्याणकारी उद्देश्यों को फेल करने में भाजपा भी कांग्रेस से कम नहीं, बल्कि दोनों एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। किन्तु अब वोटों के स्वार्थ व सत्ता के मोह के कारण भाजपा को भी जातीय जनगणना की जन अकांक्षा के आगे झुकना पड़ा है, जिसका स्वागत। मायावती ने कहा कि साथ ही, संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारतरत्न से सम्मानित करने से लेकर धारा 340 के तहत ओबीसी को आरक्षण देने जैसे अनेकों मामलों में कांग्रेस व भाजपा का रवैया जातिवादी व द्वेषपूर्ण रहा है, किन्तु इनके वोट की राजनीति के खेल निराले हैं।

फूड कंपनी में लगी आग, मालिक-मजदूर फंसे, लोग घर छोड़कर भागे

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की फूड कंपनी में शनिवार शाम को भीषण आग लग गई। आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। करीब 40 फीट ऊंची लपटें उठीं। 2 किलोमीटर दूर से भयानक धुंए का गुबार दिख रहा था। आग की सूचना फैलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने घरों से बाहर भागे।

आग और धुंए का गुबार देखकर लोग सहम गए। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद दमकल की 10 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। कंपनी के मालिक अखिलेश और एक मजदूर के आग में फंसे थे। उनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। एसडीआरएफ और दमकल कर्मी उन्हें ढूंढ़ रहे हैं। घटना शाम 4.30 बजे की सरोजनी नगर में स्थित स्वीटी फूड्स कंपनी की है। आग में लाखों रुपए का सामान

● 2 किलोमीटर दूर से दिखा भयानक धुंए का गुबार

और एक कार जलकर राख हो गई। कंपनी के मालिक अखिलेश आलमबाग के मवैया के रहने वाले हैं। उनके बेटे का कहना है कि वह घर पर नहीं हैं। आग में फंस गए थे। सरोजनी नगर, आलमबाग, पीजीआई, हजरतगंज, चौक फायर स्टेशनों की 10 गाड़ियां आई। आग की सूचना मिलते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। तमाम लोग अपने-अपने घरों से कीमती सामान निकालने लगे। कुछ ने अपने पानी के मोटर चला दिए। पानी की पाइप छत पर बिछा दी। खिड़की दरवाजों पर पानी डाले, ताकि उनके घर तक आग न फैले। सूचना पर एडीसीपी दक्षिणी अमित कुमावत और एसीपी कृष्णा नगर विकास पांडेय भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने भीड़ को हटाया। लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। ताकि रेस्क्यू में कोई दिक्कत न हो। कंपनी तीन मंजिल बिल्डिंग में चल रही थी। आग तीनों मंजिल तक पहुंची थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के दौरान 10 मजदूर काम कर रहे थे। वह बाहर भाग गए। कंपनी की तीसरी मंजिल पर केमिकल से भरा टैंक रखा था। आग की चपेट में आने से वह धमाके के साथ फटा। इससे आसपास के लोग दहशत में आ गए।

आग लगने के बाद क्षेत्र की बिजली की आपूर्ति बंद कर दी गई। देर शाम वह चालू हुई। एसडीआरएफ और दमकल कर्मी टार्च की रोशनी से कंपनी मालिक व मजदूर को सर्च कर रहे हैं। सरोजनी नगर इंस्पेक्टर राजदेव ने बताया कि आग बुझ गई है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि कंपनी मालिक के बेटे ले बताया कि कंपनी करीब डेढ़ साल से बंद थी। आग बुझाने के बाद सर्च आपरेशन चलाया जा रहा है। आग किसी वजह से लगी, इसकी जानकारी नहीं हो पाई है।

लखनऊ पब्लिक कॉलेज, बी ब्लॉक राजाजीपुरम में प्रतिभा सम्मान समारोह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, बी ब्लॉक, राजाजीपुरम में आज प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक, लखनऊ, राकेश कुमार रहे, जिन्होंने हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 में जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को बैग, भौतिक एवं रसायन विज्ञान की पुस्तकों का सेट तथा स्मृति चिन्ह प्रदान किए और उन्हें आगामी चुनौतियों के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से दूर रहने और पढ़ाई पर केंद्रित रहने की सलाह दी। इस अवसर पर महाप्रबंधक हर्षित सिंह ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य ज्ञानेंद्र कुमार , समस्त शिक्षक गण तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। समारोह का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित करना रहा।

एआईटी इंस्टीट्यूट की नई शाखा खुली

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के द्वारा एआईटी इंस्टीट्यूट की नई शाखा का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. नीरज बोरा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।

समाजसेवा और व्यापारी हितों में योगदान देने वाले कई प्रमुख व्यक्तियों को विशेष सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी, अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन की प्रदेश मंत्री अल्पना गुप्ता मेहरोत्रा तथा इंदिरा नगर अध्यक्ष आकाश अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। राजेश सोनी ने कहा कि व्यापारी भाइयों के द्वारा समाज के होनहार युवाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से इस इंस्टीट्यूट की शुरुआत की गई है। यह छात्रों के अंदर की प्रतिभा को निखारेगा। डॉ. बोरा ने एआईटी के डिजिटल

● टैक्स संबंधित विषयों की मिलेगी ट्रेनिंग

एजुकेशन सिस्टम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को इनकम टैक्स, सेल टैक्स और टैक्सेशन जैसे विषयों में ट्रेनिंग मिलनी चाहिए, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ सकें। व्यवसायिक क्षेत्र में उनका विकास हो सके। मौजूदा समय में युवाओं में मल्टी टैलेंट की आवश्यकता है। कंपटीशन के इस दौर में वह छात्र अक्सर पीछे रह जाते हैं, जिनके अंदर प्रतिभा की कुछ कमी रहती है। इस इंस्टीट्यूट के माध्यम से होनहार छात्रों के अंदर की प्रतिभा को निखारने के कार्य किया जाएगा। एआईटी इंस्टीट्यूट की ओर से सामाजिक सेवा में योगदान के लिए आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों को विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वालों में राजकुमार रावत, सतीश चतुर्वेदी, सुनील रावत, सितंशु सोनकर, प्रतिबिंब गुप्ता, अजीत अग्रवाल, यशपाल सिंह थापा, शुभम गोयल और शरद मेहरोत्रा प्रमुख रूप से शामिल रहे।

वृद्धजनों की सेवा को समर्पित डॉ. राजेश्वर सिंह की रामरथ सम्पन्न हुई 41वीं श्रवण अयोध्या यात्रा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। भारतीय संस्कृति के संरक्षण, आस्था के सम्मान और वृद्धजनों की सेवा को अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी मानने वाले सरोजनीनगर के लोकप्रिय विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की आत्मीय पहल 'रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा' निरंतर जनसेवा और संस्कार के नए प्रतिमान स्थापित कर रही है।

शनिवार को इसकी 41वीं निःशुल्क बस सेवा ग्राम अंदपुर देव से अयोध्या के लिए रवाना हुई, जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं को रामलला के दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह यात्रा मात्र एक तीर्थ नहीं, बल्कि संस्कार और सेवा का यज्ञ है, जिसे डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने संकल्प से संभव बनाया है। बुजुर्गों को धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने हेतु निःशुल्क तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत अब तक हजारों वरिष्ठ नागरिकों, माताओं और बहनों को अयोध्या धाम लाया ले जाया जा चुका है।

41वीं यात्रा के शुभारंभ पर विधायक की टीम के सदस्यों ने श्रद्धालुओं को विधिपूर्वक पटका पहनाकर स्वागत किया। हनुमान चालीसा के पाठ और भजन-कीर्तन के बीच जब रामरथ ने अंदपुर देव से अयोध्या की ओर प्रस्थान किया, तब श्रद्धा का भाव पूरे वातावरण में व्याप्त हो गया। यात्रा के दौरान सेवा में तैनात वालंटियर्स ने हर वृद्धजन की व्यक्तिगत ज़रूरतों का पूरा ध्यान रखा, चाहे वह भोजन की व्यवस्था हो या स्वास्थ्य की देखभाल। अयोध्या पहुंचकर श्रद्धालुओं ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी, सरयू तट सहित अनेक धार्मिक स्थलों के दर्शन किए। मंदिर तक पहुंचने के लिए बैटरी रिक्शा की विशेष व्यवस्था की गई, जिससे बुजुर्गों को कोई कष्ट न हो। वापसी में श्रीमद्भगवद्गीता की प्रति देकर इस यात्रा को एक आध्यात्मिक पूर्णता प्रदान की गई। भावुक श्रद्धालुओं ने इस पुनीत अवसर को जीवन का अविस्मरणीय क्षण बताते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

उन्होंने कहा कि उनके लिए यह यात्रा एक सपने के सच होने जैसा था, एक ऐसा अनुभव जो शायद उनके जीवन में पहली बार मिला। इस विषय में डॉ. राजेश्वर सिंह का मानना है कि वृद्धजनों की सेवा करना हमारे संस्कारों की आत्मा है। उनकी तीर्थयात्रा के सपनों को साकार करना मेरा सौभाग्य है। उनका आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है।

लखनऊ में 10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में इस बार 10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। जिसमें न्यायालयों और विभागों में चल रहे लंबित मामलों को रखा जायेगा। जिसका निस्तारण आपसी सुलह समझौते के आधार पर एक दिन में हो सकता है, लेकिन इसके लिए लोगों (वादकारीगण) को आवेदन करना होगा। जनपद न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निर्देशन में सुबह दस बजे से लोक अदालत शुरू होगी। लोक अदालत में वादकारी गण जिनके वाद किसी न्यायालय में विचाराधीन हों, राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने वाद निस्तारित कराकर लाभान्वित हो सकते हैं।

बैंक दसुली वाद, किरायेदारी वाद, मोबाईल फोन व केबल नेटवर्क संबंधी प्रकरण, आयकर बैंक व अन्य वित्तीय संस्थाओं से सम्बन्धित प्रकरण,दीवानी वाद, उत्तराधिकार वाद, पारिवारिक वाद, दाम्पत्य सम्बन्धी वाद, प्रीलिटिगेशन स्तर पर, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, चेक बाउंस के मामले, जनोपयोगी सेवाओं और वाणिज्य कर से सम्बन्धित प्रकरण, आरबीट्रेशन सम्बन्धी वाद शामिल हैं। वहीं लोक अदालत के लिए विशेष न्यायाधीश सीबीआई (नोडल अधिकारी) लोक अदालत रवीन्द्र कुमार द्विवेदी और लखनऊ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मीनाक्षी सोनकर द्वारा प्रेसवार्ता की गई। जिसमें बताया लोक अदालत में जिस वादी के पास पैरवी के लिए अधिवक्ता नहीं होगा। उसको निरूशुल्क अधिवक्ता मिलेगा। नोडल अधिकारी ने राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में बताते हुए कहा कि लोक अदालत के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विवादों को सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण कराये जाने के लिये वैकल्पिक मंच प्रदान करना है। लोक अदालत द्वारा पारित निर्णय के विरुद्ध कोई अपील नहीं होती है। कानूनी प्रक्रियाओं से परे लोक अदालत की प्रक्रिया सहज और आपसी समझौते पर आधारित होती है। लखनऊ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मीनाक्षी सोनकर ने बताया लोक अदालत में हेल्थ कैंप भी लगाया जा रहा है। साथ ही लोक अदालत के लिए लोगों को प्रचार प्रसार के माध्यम से लगातार जागरूक भी किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
[illegible] NER-GKP-GS-2025-02 [illegible] 7,74,72,400.00 [illegible] 5,37,400.00 [illegible] NER-GKP-GS-2025-03 [illegible] 3,68,50,678.50 [illegible] 3,34,300.00 [illegible] NER-GKP-GS-2025-02-03 [illegible] 27.05.2025 [illegible] 15.00 [illegible] www.ireps.gov.in [illegible]
उप मुख्य इंजीनियर/गतिशक्ति गोरखपुर
"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

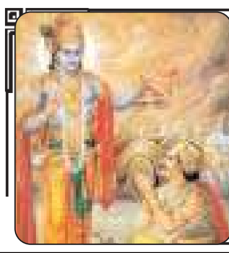

जन्म लेने वाले के लिए मृत्यु उसी प्रकार निश्चित है, जितना कि मरने वाले के लिए जन्म लेना। इसलिए इस विषय पर शोक मनाना व्यर्थ है, जो इंसान किसी की कमी को पूरी करता है वो सही अर्थों में महान होता है : गीता

संपादकीय

वक्त की आवाज

ऐसे वक्त में जब पहलगाम हत्याकांड के बाद देश में गुस्से और आक्रोश का माहौल है, तब एक विवेक की आवाज का बुलंद होना सुखद ही है। पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले में नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की आतंकवादियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। उनकी पत्नी हिमांशी नरवाल ने अपने जीवनभर सालने वाले दुख के बावजूद अपील की है कि इस आतंकी हमले के लिये जिम्मेदार अपराधियों के अलावा किसी को कोई सजा न मिले। विनय नरवाल के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि लोग अल्पसंख्यकों व कश्मीरियों को अपने आक्रोश का शिकार बनाएं। बाकायदा, उन्होंने इस मौके पर देश में शांति बनाये रखने और सांप्रदायिक सद्भाव कायम रखने की जोरदार अपील की। जो उस सोच के विपरीत है जो पहलगाम के बैसरन में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद देश में उभारी जा रही है। दरअसल, हिमांशी ने उन उग्र सोच के लोगों को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया, जो इस राष्ट्रीय त्रासदी का लाभ उठाकर सांप्रदायिक प्रतिशोध की सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आगरा में एक परेशान करने वाला मामला प्रकाश में आया, जहां एक बिरयानी विक्रेता की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर प्रचारित किया गया कि यह पहलगाम त्रासदी का प्रतिशोध है। निस्संदेह, ऐसी संकीर्ण मानसिकता का राजनीतिक और धार्मिक नेताओं द्वारा विरोध न किया जाना, अक्षम्य ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से ऐसी अप्रिय व परेशान करने वाली घटनाएं हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को ही नुकसान पहुंचाती हैं। खासकर उस ताने-बाने को, जो पहले से ही कमजोर पड़ रहा है। निर्विवाद रूप से कश्मीर के पहलगाम में हुई सांप्रदायिक हत्याओं के जरिये आतंकवादियों का मुख्य मकसद देश में हिंदू-मुस्लिमों के बीच तनाव पैदा करके देश की एकता को कमजोर करना था। ऐसे में यदि हम भी उसी सोच के साथ प्रतिक्रिया देने लगे तो कहीं न कहीं हम परोक्ष रूप से आतंकवादियों के मंसूबों को ही पूरा कर रहे होंगे।यह निर्विवाद तथ्य है कि हमें इसी समाज में रहना है और बेहतर होगा कि हम तमाम संकीर्णताओं को त्यागकर और मिलजुलकर ही रहें। यदि हम आतंकवादियों की सोच का प्रतिकार उनके एजेंडे के अनुरूप करेंगे तो निश्चिय ही गंगा-जमुनी संस्कृति को नुकसान पहुंचेगा। आतंकवादियों का मंसूबा जम्मू-कश्मीर ही नहीं पूरे देश में शांति को भंग करना था। ऐसी किसी भी संकीर्ण सोच को सामूहिक संकल्प से ही नाकाम किया जा सकता है। इसी तरह की सार्थक व प्रेरक प्रतिक्रिया गुरमेहर कौर की तरफसे आई, जिनके पिता वर्ष 1999 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए थे। उन्होंने देशकाल-परिस्थितियों के अनुरूप प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आतंकवाद की असली हार तब ही होती है जब हम हिंसा की प्रतिक्रिया में खुद को विभाजित करने से मना कर देते हैं। निस्संदेह, राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में, नागरिकों को उन लोगों को दृढ़ता से दूर करना चाहिए, जो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को उन तत्वों पर नकेल कसनी चाहिए, जो आतंकवादियों के जघन्य कृत्यों की कीमत निर्दोष लोगों से वसूलने पर तुले हुए हैं। निर्विवाद रूप से हमारी विवेकशील प्रतिक्रिया और एक अखंड भारत की सोच ही आतंकवाद पर करारी चोट कर सकती है। वक्त की मांग है कि हम सीमा पार से चलाए जा रहे विभाजनकारी अभियानों को एकजुटता से विफल कर दें। हमारी किसी भी प्रतिक्रिया से ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि हम भारत के विरोधियों के मंसूबों को ही सींच रहे हैं।

सरसंघचालक की पहल व जातिवादी तस्वीर

भाजपा ने केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बना कर यह साबित किया भी किया है वोट बैंक की मौजूदा जातिवाद की राजनीति के बावजूद विकास की बुनियाद पर सत्ता प्राप्त की जा सकती है। इसका बड़ा उदाहरण राज्यों में मुख्यमंत्रियों के चयन में भी देखने को मिला। इससे पहले भाजपा भी अन्य राजनीतिक दलों की तरह राज्यों में बड़े नेताओं की बंधक बनी हुई थी। इन नेताओं की उपेक्षा करके चुनाव जीतना और किसी और को मुख्यमंत्री बनाना संभव नहीं था, किंतु भाजपा ने यह भ्रम तोड़ दिया। इसके साथ जाति आधारित नेताओं के पार्टी को ब्लैकमेल किए जाने की परंपरा को भी पछाड़ दिया।

राजनीतिक उद्देश्य के निहितार्थ ही सही, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अगड़े, पिछड़े और अंतरजातीय विवाह की शुरुआत करा कर देश में जातिवाद के दुष्चक्र को तोड़ने की दिशा में एक सकारात्मक पहल की है। देश की तरक्की और एकता-अखंडता को अक्षुण्ण रखने में समाज का जाति और उपजातियों में बंटा होना प्रमुख बाधा है। सदियों से चली आ रही जातिवाद की जड़ें इतनी गहरी हैं कि इसको समूल उखाड़ कर देश का नवनिर्माण करना किसी दुष्कर चुनौती से कम नहीं है। सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने वाराणसी में पिता बनकर 125 लड़कियों का कन्यादान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विवाह समाज निर्माण का आधार है।

इस भव्य समारोह में सवर्ण, दलित और पिछड़े समाज के 125 जोड़ों का सामूहिक विवाह वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। इससे पहले भावगत और संघ परिवार कई बार हिंदुओं की एकता की दुहाई दे चुके हैं। इस एकता में सबसे बड़ी बाधा जातिवाद है। आरएसएस की समझाइश के बावजूद जातिवाद का असर कम नहीं हुआ। इसके लिए सामूहिक विवाह की शुरुआत करा कर पहल की गई। जातिवाद तोड़ने की दिशा में यह महज एक कदम है, जबकि फासला सैकड़ों मील का है। यह संभव है कि आरएसएस आगे भी इसी तरह की पहल को जारी रखे। एक-एक कदम बढ़ा कर ही शायद एक दिन बगैर जाति के राष्ट्रवाद का सपना साकार हो सके। इसमें अभी भी बाधाओं की कमी नहीं है। ऐसा नहीं है कि आरएसएस और भाजपा का इसमें कोई छिपा हुआ राजनीतिक एजेंडा नहीं है। राजनीतिक सिद्धि के बावजूद यह प्रयास सकारात्मक ही माना जाएगा। भाजपा ने केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बना कर यह साबित किया भी किया है वोट बैंक की मौजूदा जातिवाद की राजनीति के बावजूद विकास की बुनियाद पर सत्ता प्राप्त की जा सकती है। इसका बड़ा उदाहरण राज्यों में मुख्यमंत्रियों के चयन में भी देखने को मिला। इससे पहले भाजपा भी अन्य राजनीतिक दलों की तरह राज्यों में बड़े नेताओं की बंधक बनी हुई थी। इन नेताओं की उपेक्षा करके चुनाव जीतना और किसी और को मुख्यमंत्री बनाना संभव नहीं था, किंतु भाजपा ने यह भ्रम तोड़ दिया। इसके साथ जाति आधारित नेताओं के पार्टी को ब्लैकमेल किए जाने की परंपरा को भी पछाड़ दिया। हालांकि दूसरे राजनीतिक दलों में ऐसा करने का साहस अभी तक नहीं है, विपक्षी दलों में इसकी छटपटाहट जरूर नजर आती है। अंतरजातीय विवाह करने पर अक्सर जातिवाद का कहर न सिर्फ नवविवाहितों को, बल्कि उनके पूरे परिवार तक को झेलना पड़ता है। भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऑनर किलिंग आम हैं। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है। करनाल की एक सत्र अदालत ने खाप पंचायत के आदेश के

विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पांच लोगों को पहली बार मृत्युदंड की सजा सुनाई। इसने खाप पंचायत के एक सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई, जिसने विवाह को अवैध घोषित कर दिया था और हत्या के समय वह मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी मांगी। सरकार ने सतर्कतापूर्ण रुख अपनाते हुए भारतीय दंड संहिता में संशोधन करने और खाप पंचायतों (जाति आधारित संविधानेतर निकाय) पर लगाम लगाने के पूर्व कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। हालांकि, इसने राज्यों से परामर्श करने और एक विशेष कानून बनाने की गुंजाइश पर विचार करने के लिए मंत्रियों के एक समूह का गठन करने का फैसला किया, जो ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई के रूप में मानेगा।

प्रस्तावित ऑनर किलिंग कानून को लेकर विशेषज्ञों में मतभेद हैं। कुछ विशेषज्ञों का तर्क है कि अगर सही तरीके से लागू किया जाए तो मौजूदा कानून ऑनर किलिंग को रोकने के लिए पर्याप्त हैं, जबकि अन्य का मानना है कि ऑनर किलिंग की समस्या से निपटने के लिए अधिक सख्त और विशिष्ट प्रावधानों की आवश्यकता है। भारत में 2019 और 2020 में ऑनर किलिंग की संख्या 25-25 थी और 2021 में 33 थी। दलित ह्यूमन राइट्स डिफेंडर्स नेटवर्क (डीएचआरडीनेट) द्वारा नेशनल काउंसिल फॉर विमेन लीडर्स (एनसीडब्ल्यू) के सहयोग से प्रकाशित एक रिपोर्ट में सात राज्यों- हरियाणा, गुजरात, बिहार, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में जाति आधारित ऑनर किलिंग की तस्वीर सामने रखी थी। रिपोर्ट में 2012 से 2021 के बीच के 24 मामलों पर नजर डाली गई है और लगभग सभी मामलों में पीड़ितों, सर्वाइवर्स को रिश्ते या शादी का विरोध करने वाले परिजनों के हाथों अत्यधिक हिंसा का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट में पाया गया कि कई मामलों में केवल एक व्यक्ति पर ही नहीं, बल्कि उसके परिवार के सदस्यों पर भी हमला किया गया। हरियाणा के एक मामले में अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाले एक पूरे परिवार की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इसमें तमिलनाडु में एक अन्य मामले में एक जोड़ा ऐसा था, जो अंतरजातीय संबंध में था और साथ घर छोड़कर कहीं जाकर छिप गया था। चूंकि वे मिले नहीं, इसलिए लड़की के परिवार वालों ने बदला लेने के लिए लड़के की बहन का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी। इस मामले में पुरुष अनुसूचित जाति से और महिला थेवर जाति की थी। भारत में सम्मान आधारित अपराधों के लिए कोई विशेष कानून नहीं है। इन मामलों की आईपीसी के मौजूदा प्रावधानों के तहत जांच की जाती है और जब पीड़ित अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति समुदाय से ताल्लुक रखता है तो एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम लागू होता है। वर्ष 2012 में भारत के विधि आयोग ने सिफारिश की थी कि विशेष रूप से 'ऑनर क्राइम' के लिए एक अलग कानून बनाया जाए। रिपोर्ट के हिस्से के तौर पर एक विधेयक ड्राफ्ट भी किया गया और उसमें किसी जोड़े को डराने-धमकाने के अपराधीकरण समेत विशिष्ट कानूनी कार्रवाई प्रस्तावित की गई थी। हालांकि, 'किसी भी सांसद ने इस बिल को संसद में पेश नहीं किया।' रिपोर्ट बताती है कि विधि आयोग के किए कार्य को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। वर्ष 2018 में, शक्ति वाहिनी बनाम भारत सरकार के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने ऑनर किलिंग को एक गंभीर मुद्दे के रूप में मान्यता दी और ऑनर क्राइम की रोकथाम के लिए राज्य एवं पुलिस प्रशासन की जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की। **:: एजेंसी**

खुफिया सूचना पूरी तरह पुख्ता क्यों नहीं हो पाती

बैसारन (पहलगाम, कश्मीर) में नरसंहार के सिलसिले में कुछ रिपोर्टों ने दावा किया कि यह एक खुफिया या सुरक्षा विफलता थी। अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि अमरनाथ मंदिर से 50 किलोमीटर दूर पर्यटकों के लोकप्रिय पिकनिक स्थल बैसारन घास के मैदानों को एकीकृत कमान के तहत काम करने राज्य के किसी भी सुरक्षा समूह द्वारा असुरक्षित क्यों छोड़ दिया गया था? एक अपुष्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि पिकनिक स्थल को आधिकारिक तौर पर खोला नहीं गया था और इसलिए सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तार से तैयारी नहीं की गई थी। यह प्रयास इस चूक के लिए किसी को दोषी ठहराना नहीं बल्कि यह समझाना है कि सामान्य रूप से सरकारों द्वारा सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरों को कैसे प्रोसेस किया जाता है और इनमें फासला कैसे रखा जाता है। चूंकि जम्मू-कश्मीर एक संवेदनशील क्षेत्र है इसलिए राज्य पुलिस खुफिया विभाग के अलावा यहां देश भर के असैनिक नागरिक, सैन्य और अर्द्ध सैनिक विभागों से संबंधित खुफिया एजेंसियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी है। यद्यपि राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियां अपने मुख्यालय को रिपोर्ट करती हैं, इसके अलावा वे उप राज्यपाल और उनके अधीन एकीकृत कमान को सुरक्षा परिदृश्य में किसी भी बदलाव से अवगत कराते हैं ताकि स्थानीय खतरे की अवधारणा के आधार पर निवारक तंत्र में उपयुक्त रूप से बदलाव किया जा सके। हालांकि इस तरह की खुफिया जानकारी जब उप राज्यपाल (जम्मू-कश्मीर में कानून और व्यवस्था अभी भी उनके अधीन है) जैसे उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट की जाती है तो उसे सावधानीपूर्वक सत्यापित किया जाना चाहिए क्योंकि इस तरह के अलर्ट के बाद की कार्रवाई के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव होते हैं।

कच्ची और अपुष्ट सूचनाओं का संग्रहण, मिलान, विश्लेषण, प्रसार, मध्यस्थता, नीति अधिनिर्णय और निर्णय लेने की प्रक्रिया के बाद ही कार्रवाई के लिए नीति बनायी जाती है। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का गैप रहना पूरी सूचना उपलब्ध न हो पाने की स्थिति पैदा करेगा जिसमें सरकार के किसी भी विंग के पास पहले से ही किसी न किसी रूप में उपलब्ध तकनीकी बिंदुओं सहित खुफिया जानकारी नीति या कार्रवाई में बदलाव संभव नहीं होता है। इसकी वजह से खुफिया या सुरक्षा विफलता का अभाव महसूस होता है। खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों को अक्सर बेतरतीब तरीके से, टुकड़ों-टुकड़ों में आधी-अधूरी जानकारी मिलती है जो पूरी तस्वीर का खुलासा नहीं करती हैं, खासकर जब रुझान अल्पकालिक होते हैं। कई मौकों पर एजेंसियों के पास सुरक्षा संबंधी विषयों पर विविध, अपूर्ण या यहां तक कि परस्पर विरोधी खुफिया जानकारी होती है जिसके कारण नीति संबंधी निर्णय लेने वालों को एक परिपूर्ण तस्वीर प्राप्त करने के लिए सूचना के आंतरिक मतभेदों को सुलझाने के लिए एक सक्षम मध्यस्थ की आवश्यकता होती है। यह इंटेलिजेंस आर्बिट्रेशन की प्रक्रिया है। यदि यह विफल रहता है तो सूचनाओं में अनेक रिक्त स्थान रह जाते हैं। ऐसा कई बार हुआ है। एक खुफिया मध्यस्थ भी खुफिया में लापता रिक्त स्थानों को भरने

रिपोर्ट में कहा गया है कि लश्कर-ए-तैयबा के आठ संदिग्ध आतंकवादियों ने मुंबई के पास समुद्री मार्ग से घुसपैठ की थी और उनमें से दो-अब्दुल मजीद और मोहम्मद जमील को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मार्च में राजौरी में गिरफ्तार किया था। समुद्री रास्ते से आतंकवादियों के घुसने की यह पहली ज्ञात घटना है। टीवी चौनल ने फिर से खबर दी थी जिससे संकेत मिलता है कि आठ आतंकवादियों ने 23 फरवरी को पाकिस्तान छोड़ दिया था व कथित लश्कर ऑपरेटिव आसिफतथा अब्बास द्वारा संचालित एक भारतीय नाव में बैठ गए।

के लिए अपने स्वयं के दृष्टिकोण का उपयोग करता है। इसके लिए वह मीडिया जानकारी तक का उपयोग करता है जिसे ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस (ओएसआई) कहा जाता है। कानून और व्यवस्था अधिकारियों तथा राष्ट्रीय सूचना एजेंसियों द्वारा तैयार की गई सूचना के प्रसंस्करण में बहुत अंतर है। जहां राष्ट्रीय एजेंसियां रणनीतिक खुफिया जानकारी देती हैं वहीं राज्य इकाइयां सामरिक जानकारी का मंथन करती हैं। रणनीतिक जानकारी आम तौर पर पूरे देश को प्रभावित करने वाला दीर्घकालिक संकेत या लंबे समय सीमा का होता है जबकि सामरिक सूचना अल्पकालिक रुझान है जो पुलिस कार्रवाई जैसे छोटे क्षेत्रों को प्रभावित करता है। हालांकि, विशेष रूप से विदेशी हस्तक्षेप के साथ आतंकवाद विरोधी कार्रवाई रणनीतिक और सामरिक आयाम ग्रहण कर सकती है जिसके लिए यह अध्ययन करने और अनुमान लगाने की क्षमता की आवश्यकता होती है कि विदेशी सरकारों या विदेश आधारित संगठन जैसे लश्कर हमारे खिलाफकैसे काम करेंगे जिसे संभालने में केवल राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां ही सक्षम हैं। फिर भी, ऐसे मामले हैं जब यह प्रक्रिया पश्चिमी देशों में भी विफल रही थी। यूएस 9।11 आयोग ने अपनी रिपोर्ट फोरसाइट एंड हाइन्ड्साइट (पूर्वानुमान और घटना के बाद उसकी कारण मीमांसा करना) के अध्याय 11 में इन रुझानों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में ओसामा बिन लादेन की बड़े पैमाने पर अमेरिका विरोधी गतिविधियां जारी रहने के बावजूद किसी भी एजेंसी ने 9/11 जैसे परिदृश्य का अंदाजा नहीं लगाया था। इस हमले में अमेरिकी यात्री विमानों को अमेरिका के खिलाफहथियार बनाया गया था। सीआईए ने संभावित अपहरण परिदृश्यों का कोई विश्लेषणात्मक आकलन नहीं लिखा थाश् जबकि उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने सामूहिक विनाश के हथियार ले जाने में विदेशी विमान के उपयोग का अनुमान लगाया था। किसी ने नहीं सोचा था कि अल-कायदा अमेरिकी विमानों का इस्तेमाल करेगा। आयोग ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका में खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी संख्या के कारण भ्रम की स्थिति पैदा हो गयी एवं जिम्मेदारी कम हो गई थी। ऐसी चेतावनी जारी करने की जिम्मेदारी के लिए सीआईए में खाड़ी युद्ध के बाद 1992 में बनाए गए श्नेशनल इंटेलिजेंस ऑफिसर फॉर वार्निंग का पद खत्म कर दिया गया और काउंटर-टेररिज्म सेंटर (सीटीसी) को यह जिम्मेदारी दी गई। हालांकि सीटीसी ने यात्री विमानों में हथियार रखने की संभावना पर एक भी चेतावनी जारी नहीं की। दूसरे शब्दों में, एक शीर्ष-भारी भरकम खुफिया संरचना होने के कारण बेहतर अलर्ट जारी नहीं हुए। इसी तरह मुंबई में 26/11 हमले पर पुलिस प्रतिक्रिया की जांच करने के लिए गठित समिति के सदस्य के रूप में महाराष्ट्र सरकार की विफलता पर ध्यान दिया जो उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर कुछ घटनाओं को देखने में विफल रही जिनका यदि अध्ययन किया जाता तो भयावह मुंबई हमले को रोका जा सकता था। 30 जुलाई, 2006 को सीएनएन-आईबीएन टीवी चैनल ने तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की चेतावनी के मद्देनजर हमारे पश्चिमी तटीय सुरक्षा उपायों का एक सर्वेक्षण प्रसारित किया कि हमारे परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठानों को पाकिस्तानी आतंकवादी समुद्र से निशाना बना सकते हैं। इसके बाद यह उम्मीद की गई कि महाराष्ट्र पुलिस तटीय गश्त को सतर्क व सशक्त करेगी। चौनल की टीम ने पाया कि तटीय गश्त कहीं नहीं देखी गई थी- श्यद्यपि बीएआरसी अब सीआईएसएफकी भारी सुरक्षा में है लेकिन यहां समुद्र के माध्यम से पहुंचे जाने की आशंका चिंता का कारण है। **:: एजेंसी**

'बाल' पुराण की महिमा

मैं बालों की समस्या से परेशान हो गया हूं। इधर बीस वर्ष पूर्व मेरे बाल काले हुआ करते थे। इधर अब हाल यह हो गया है कि सिर के बाल काले और सफेद मिलकर अजीब तरह की खिचड़ी बन गए हैं। दाढ़ी की सफेदी को तो मैंने रोज शेव बनाकर सलटा दिया है। परंतु ये सिर के बाल मेरी पोल खोलने पर तुले हुए हैं। पत्नी और बच्चे सदैव यह कहते रहते हैं कि मैं समय रहते इनका कोई स्थायी समाधान निकालूं,

परंतु मेरा दिमाग बिल्कुल काम नहीं कर रहा। इन बालों की वजह से मेरा चेहरा भी बदल गया है। उम्र ने तो खैर चेहरे का भूगोल बदला ही है, रही-सही कसर बालों ने पूरी कर दी है। बाल भी सख्त होकर खड़े हो गए हैं तथा उनका रेशमीपन जाता रहा है। इस पचपन वर्ष की उम्र ने मुझे लगभग जोकर सा बना दिया है। मेरे बालों को लेकर डॉक्टरों ने तो अपने हाथ खड़े कर दिए हैं, परंतु टी.वी.पर आने वाले साबुनों, शैंपुओं तथा डाइयों के विज्ञापनों ने मुझमें एक उम्मीद अवश्य जगा रखी है। बाल तो बदरंग हुए।

मुझे जबरदस्त डैंड्रब का रोग अलग से है। हमेशा बालों के ऊपर एक गर्द सी छाई रहती है। पत्नी ने अवश्य पचास की होने के बावजूद अपने बालों को मेनटेन कर रखा है। पता नहीं दिनभर क्या-क्या उपाय करती है, जिससे उसके बाल रेशमी, मुलायम, काले और आकर्षक हैं। हालांकि यह कार्य काफी व्ययसाध्य हो रहा है, परंतु स्टेटस के लिए पत्नी को आकर्षक बनाए रखना आज की महती आवश्यकता भी है। मेरे खिचड़ी और भद्दे बालों के कारण वह बाजार, पार्टी अथवा किसी समारोह में न तो मेरे साथ जा पाती है और न अपने साथ मुझे ले जा पाती है। अजीब सी ऊहापोह बन गए हैं मेरे सिर के बाल। विज्ञापनों में आने वाले साबुन, शैंपू, तेल और डाई रोगन इतने प्रकार के हैं कि तय करना मुश्किल है कि कौनसा साधन सस्ता, टिकाऊ और आकर्षक रहेगा। किसी में क्या विशेषता है तो किसी में क्या कमी है, इस चक्कर में कोई सर्वमान्य निर्णय नहीं कर पा रहा हूं। बच्चों का तो सुझाव यह है कि मैं बालों में कलर करवाकर इस समस्या को ढक सकता हूं। लेकिन पत्नी कहती है कि पहले बालों को ऐसा पोषण दो ताकि ये शूल की तरह खड़ा रहना बंद करें। जब पोषण से ये सतह पर आ जाएं तो इन्हें खूबसूरती से काला करो। मैंने पत्नी को समझाया भी कि जब ये काले थे, तब चेहरे का काला रंग और इनका काला रंग मिलकर क्या गुल खिला रहे थे, इससे तुम अनभिज्ञ नहीं हो। इसलिए बच्चों का कलरिंग वाला आइडिया अचित रहेगा। लेकिन पता नहीं वह क्यों बालों को काला करवाने पर तुली है। मेरे ये बाल अनचाहे बाल बन गए हैं, इस तरह मैं अनचाहे बालों की समस्या से ग्रस्त हूं। एक दिन मैंने विशुद्ध मेहंदी का प्रयोग कर उन्हें नए रूप में देखना चाहा तो वे और अधिक भयावह बन गए। पत्नी ने उसी दिन कहा, काली मेहंदी लगाकर और देख लो, यदि ये लुभावने हो जाते हैं तो ठीक है, वरना अपन कोई और आयुर्वेदिक उपाय खोजेंगे। मैंने काली मेहंदी लगाई तो जिसका डर था, वही हुआ, मैं लगभग लंगूर जैसा बन गया। बच्चे हंसने लगे। पत्नी ने उन्हें इस बदतमीजी के लिए डांटा और मुझे आंवला, अरीठा तथा दही से बाल धोने का नुस्खा दिया। मैंने कहा, खाने को दही मिलता नहीं और बालों को दही से सींचो, कितनी असंगत बात है। लेकिन पत्नी के कथन की अनदेखी भी नहीं की जा सकती थी। वहीं दूसरी ओर मेरठ पुलिस ने बाल उगाने का दावा कर तेल बेचकर धोखाधड़ी करने के आरोप में एक गंजे शख्स और उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उनके उत्पाद से एलर्जी संबंधी शिकायतें सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। नगर पुलिस अधीक्षक आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि लिसाड़ी गेट पुलिस थाने में शादाब नाम के शख्स ने एक शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें कहा गया कि कुछ लोग प्रह्लाद नगर इलाके में तेल से बाल उगाने का दावा कर उत्पाद बेच रहे हैं।

जातिगत जनगणना : आगे की राह?

केन्द्र सरकार ने आखिरकार जातिगत जनगणना कराना स्वीकार कर लिया है। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नरेन्द्र मोदी सरकार ने ऐलान किया कि जनगणना के जरिये सरकार लोगों की जातिवार संख्या भी जुटायेगी। हालांकि इसकी घोषणा करते हुए कैबिनेट ने यह नहीं बताया कि यह काम कब शुरू होगा। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने यह मांग पिछले लगभग दो वर्षों से जोर-शोर से उठाई हुई थी जिसमें उसके नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन ने भी अपना स्वर मिलाया है। इस मांग के कारण लगभग हाशिये पर जा चुकी कांग्रेस को भारतीय राजनीति में बड़े पैमाने पर लौटने का मौका मिला था।

संविधान की रक्षा का जो नारा कांग्रेस समेत उसके सहयोगी प्रतिपक्षी दलों ने दिया था, उसने 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के संख्या बल को 2019 के मुकाबले काफी घटाया था। 2024 के प्रारम्भ में हुई राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की थीम भी जातिगत जनगणना की मांग को तर्कसंगत व जरूरी बताती थी। इस मांग को राहुल ने सड़कों पर बड़े पैमाने पर उठाया था। उन्होंने बार-बार यह बात कही थी कि देश में दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, आदिवासियों आदि की संख्या सर्वाधिक है परन्तु संसाधनों एवं अवसरों में उनकी हिस्सेदारी बहुत कम है। यह एक तरह से कांशीराम की उठाई वह मांग है जिसमें वे कहते थे कि श्जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी।श् कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते राहुल

इस मुद्दे को लेकर विपक्ष, विशेषतः कांग्रेस की आगे की राह क्या हो? कांग्रेस को इस बात से खुश होकर नहीं रह जाना चाहिये कि सरकार को यह निर्णय लेने हेतु मजबूर करने से उसकी नैतिक जीत हुई है। उससे बात नहीं बनेगी। इसके बल पर उसे चुनाव भी जीतने होंगे। बिहार का चुनाव उसकी पहली परीक्षा होगी।

को इस मांग को उठाते हुए कोई उजर नहीं था कि यह बहुजन नेता की बात की ही प्रतिध्वनि है जिसकी वारिस मायावती इस मामले पर चुप्पी साधे हुई हैं। वे लोगों को अपने भाषणों में बतलाते रहे हैं कि केन्द्रीय सचिवालय में केवल 5 ही सचिव स्तर के ऐसे अधिकारी हैं जो ओबीसी हैं। राहुल यह भी बतलाते रहे कि बजट के पांच प्रतिशत पर ही इनका नियंत्रण है। इसलिये ओबीसी, दलितों आदि के साथ न्याय नहीं होता। उनके द्वारा संसद में भी यह मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया गया जिसे इंडिया के सहयोगियों, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल का जबर्दस्त साथ मिला। राहुल ने वर्तमान लोकसभा के प्रारम्भिक सत्रों में चेताया था कि विपक्ष सरकार से जाति आधारित जनगणना करा कर रहेगा। राहुल का कहना था कि श्भाजपा सरकार इस मांग को पूरा नहीं करेगी तो इंडिया सरकार करेगी। भाजपा की पूरी राजनीति ही इसके विपरीत है- सवर्णों को बल देने वाली। इसे लेकर राहुल का न केवल मजाक उड़ाया गया वरन उन्हें अपमानित भी किया गया था।

पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन पर तंज कसा था कि, जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं वे जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं।श् भाजपा तथा उसके सहयोगी एनडीए के सांसदों ने इसका भरपूर लुत्फ उठाया थाय परन्तु अब सरकार के इस एकतरफा निर्णय से वे हैरान हैं क्योंकि वे नहीं जानते कि जनता को इस बात का क्या जवाब दें कि आखिर उनकी पार्टी की सरकार ने यह फैसला क्योंकर लिया जो अब तक इसकी विरोधी थी। फैसले की हां में हां मिलाने के अलावा जिन पार्टी सदस्यों, समर्थकों, नेताओं, विधायकों व सांसदों के पास और कोई चारा नहीं है वे यह कहकर इसे मोदी का मास्टरस्ट्रोक साबित करने पर तुले हैं कि इस फैसले ने राहुल, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के हाथ से बड़ा मुद्दा छीन लिया है। इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कुछ सवाल सामने आ रहे हैं। पहला यह कि नीतिगत विरोध के बावजूद भाजपा की क्या मजबूरी रही कि उसे यह फैसला लेना पड़ा? कुछ का कहना है कि पहलगाम के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिये भाजपा ने यह कदम उठाया है ताकि कश्मीर के मुद्दे पर उसकी विफलता ढंक जाये। यह भी कहा जाता है कि सरकार दुनिया को संदेश देना चाहती है कि आतंकी हमले के बावजूद सरकार देश के अंदरूनी मसलों पर ध्यान बनाये हुए है। यानी देश का एक निर्भीक व अविचलित चेहरा वह दुनिया को दिखाना चाहती है। इस बड़े फैसले से दुनिया महसूस करे कि पहलगाम की घटना के बावजूद न घबराहट है, न बदहवासी- चाहे युद्ध की आशंका बन चुकी हो। यह भी माना जाता है कि बिहार में भाजपा इस मुद्दे को आगे बढ़ायेगी। वह केवल कांग्रेस तथा उसके साथी राजद व सीपीएम (माले) से ही नहीं, अपने सहयोगी नीतीश कुमार (जनता दल यूनाइटेड) से भी यह मुद्दा छीनना चाहती है। **:: चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेषः- मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा।

वृषभः- किसी अचल सम्पत्ति को लेने की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र के किसी सहकर्मी से मतभेद संभव। धनागम की नयी युक्तियों पर मन केंद्रित होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

मिथुनः- मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्कः- पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। गलतियों को स्वीकारते हुए सगे-संबंधों में क्षमायाचक बने और शांत भाव से अच्छे कार्यों के द्वारा उसकी प्राश्चित भी करें।

सिंहः- पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। परिवार को सुव्यवस्थित चलाने में आपका विशेष योगदान होगा। किसी संबंध को लेकर पूरे परिवार के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

कन्याः- मन ढ़ेर सारे पूर्वाग्रहों से प्रभावित होगा। पुरानी बातों को भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें। मन पर नियंत्रण रख कर्त्तव्यनिष्ठ बने। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव।

तुलाः- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिकः- संघर्ष के इन दिनों में धैर्य और हिम्मत से काम लें। मन को सकारात्मक दिशा प्रदान करें। परिजनों के सुख-दुख से प्रभावित मन परिवार को एकजुट रखने में केंद्रित होगा।

धनुः- आकस्मिक ढेर सारे तनाव मन पर प्रभावी होंगे। निराशावादी विचारों को त्याग आशावादी बनें। नाजुक संबंधों के बीच भावनात्मक कष्टों को भूल वर्तमान को बेहतर बनायें। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

मकरः- भविष्य संबंधी कुछ योजनायें मन को प्रभावित करेंगी। मन सुंदर विचारों से सिंचित होगा। धार्मिक व पारंपरिक कार्यों की ओर मन केंद्रित होगा। नये कार्यों में संलग्नता से लाभ संभव। आलस्य का त्याग करें।

कुम्भः- अपने सुख-दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीनः- आर्थिक क्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। प्रणय संबंधों को लेकर मन में चिंता होगी।

अमेजॉन व फ्लिपकार्ट का बहिष्कार कर स्वदेशी को बढ़ावा दें : कश्मीरी लाल

पूर्ण बायकॉट ही पक्का इलाज, स्वदेशी अपनाओ, देश को समृद्ध बनाओ : हर्षवर्धन सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। अमेरिका की अमेजॉन एवं फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियां घटिया उत्पाद देकर भी हम अपने स्वदेशी अभियान को पीछे कर रहे हैं ऐसी कंपनियो से ऑनलाइन खरीदारी से बिल्कुल बचें और स्वदेशी को अपनाने में जन जागरूकता और जन सहयोग बहुत जरूरी है÷ उक्त वक्तव्य शहर के जेके पब्लिक स्कूल में आयोजित स्वदेशी जन जागरण मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मंच के राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल ने व्यक्त किया।

इस मौके पर पूर्व विधायक गंगा सिंह चौहान जिला कार्यवाह संजीव खरे, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री कृष्ण शास्त्री, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के संयोजक अविनाश मिश्रा,भाजपा नेत्री अनुराधा मिश्रा सुहाना जैन, अमित सिंह प्रांत संयोजक,व्यापारी नेता पवन जैन, उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष विमलेश दीक्षित ने भी विचार रखे। राष्ट्रीय संगठन कश्मीरी लाल ने बताया कि भारत में ई-कॉमर्स में B2C यानी बिजनेस तू कंज्यूमर में विदेशी निवेश को अनुमति है ही नहीं, केवल B2B में अनुमति है, याने बिज़नेस टु बिज़नेस में, किंतु यह दोनों कंपनियां चोरी छिपे और (सरे आम भी) B2C यानी सीधे कॉमर्स करके भी भारत में अरबों का व्यापार कर रही हैं,जो कि गैर कानूनी है। ये कंपनियां केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म हेतु अनुमति पाई हैं यानी दूसरी कंपनियां इस प्लेटफार्म पर अपने को दिखा सकती हैं किंतु यह अपनी शैल कंपनियां(नकली कंपनियां) बनाकर अपना ही सामान अप्रत्यक्ष रूप से बिकवाती रहती हैं। कंपनियां कैश बर्निंग मॉडल की है याने घाटा खाकर भी यह भारत के खुदरा (आम व्यापारियों का काम छीनकर) व्यापार में

- **स्वदेशी जागरण मंच अभियान चलाकर लोगों को करेगी जागरूक : अवनीश द्विवेदी**

वर्चस्व बनाना चाहती हैं। दूसरे तरीके से रेवेन्यू कमाती हैं टैक्स बचाती हैं। इन्हें अपनी इन्वेंटरी (गोदाम) रखने की अनुमति नहीं है किंतु छद्म नाम से (शैल कंपनियां बनाकर) अपने गोदाम रखती हैं। ये भारतीय कंपनियों के स्थानीय मालिकों के नाम आदि दिखाकर कानूनी रूप से बच जाती हैं। करोड़ों रुपए कानूनी कंपनियों को देती हैं(बिजनेस हेल्प चार्ज, कागजों में दिखाती हैं। प्रांत संयोजक हर्ष वर्धन सिंह ने कहा कि ई-कॉमर्स में 10000 से अधिक कंपनियां है किंतु अकेले अमेजॉन 32 प्रतिशत व फ्लिपकार्ट 36 फीसदी का व्यापार खींच रही हैं। यह सरे आम भारत के खुदरा व्यापार पर डाका है।इन कंपनियों का स्वयं अमेरिका में भी घोर विरोध हो रहा है इनके बाय कार्ड की अपील सरेआम छपती हैं तीन से लेकर 10 फीसदी तक इनके शेयर में गिरावट आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सारे विश्व पर लगाए, भारत पर भी 26 प्रतिशत के टैरिफ लगाए हैं। यदि वे हमारे सामान पर टैरिफ लगाते हैं तो हम उनकी कंपनियों से माल क्यों खरीदते हैं? मंच के जिला संयोजक अवनीश द्विवेदी ने अपील की कि स्वदेशी जागरण मंच, को उम्मीद है कि अमेजन, फ्लिपकार्ट-वॉलमार्ट का बहिष्कार भारत छोड़ो अभियान उपभोक्ताओं और सरकार को एफडीआई ई-कॉमर्स कंपनियों के उत्पादों को पूरी तरह से अस्वीकार करने के लिए प्रेरित करेगा और भारतीय विक्रेताओं के चेहरों पर मुस्कान वापस लाएगा। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर्स, रेहड़ी खोमचे वालों के कारण ग्राहक हितों की रक्षा होती है, सामाजिक तानेबाने को मजबूती मिलती है और रोजगार प्राप्ति की आश्वस्ति होती है। यह अभियान अमेरिका के इस नए टैरिफ वार से भारत के लिए रक्षा कवच भी तैयार करेगा। हम केंद्र सरकार से भी अपेक्षा करते हैं कि सामान्य उपभोक्ताओं के साथ-साथ ऑफलाइन व्यापारियों और छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए एक सर्वव्यापी नीति लानी चाहिए। हम समाज से भी अपेक्षा करते हैं कि इस अभियान में अपने दूर के हित को देखते हुए और राष्ट्रहित में अपना योगदान विदेशी कंपनियों से खरीददारी करके देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए तथा अमेरिका के टैरिफ वार का मुंहतोड़ उत्तर दें।

पैसे मांगने पर फल विक्रेता से अभद्रता करने वाले आरक्षी निलम्बित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। पिहानी कोतवाली में तैनात सिपाहियों द्वारा खरबूजा बेचने वाले से खरबूजा लेकर विक्रेता द्वारा पैसे मांगने पर उसके साथ अभद्रता करने वाले सिपाहियों को पुलिस अधीक्षक ने निलंबित कर दिया है।

एसपी नीरज कुमार जादौन ने देर रात कोतवाली पिहानी जाकर फल विक्रेता से तहरीर लेकर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करवाई है। प्राप्त विवरण में पिहानी कस्बे के मोहल्ला अंबेडकर नगर निवासी लखपत पुत्र देशराज खरबूजे का ठेला लगाता है। पिहानी कोतवाली के दो पुलिस कर्मियों अंकित कुमार और अनुज कुमार ने ठेले वाले से 1 और दो मई को खरबूजा खरीदा।विक्रेता के पैसे मांगने पर दोनों पुलिस कर्मियों ने ठेले वाले के साथ अभद्रता की।जिसका वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर एसपी हरदोई ने दोनों पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। एसपी ने देर रात पिहानी कोतवाली पहुंचकर उक्त ठेले वाले से मुलाकात कर घटना की सच्चाई की जानकारी ली और ठेले वाले की लिखित तहरीर के आधार पर दोनों पुलिस कर्मियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करवाई है।एसपी ने जनपद के पुलिस कर्मियों को आमजन के प्रति किसी प्रकार के दुर्व्यवहार में लिप्त पाए जाने पर सख्त कार्यवाही किए जाने के लिए निर्देशित किया है।

इनर व्हील क्लब हरदोई द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय ककराली खेड़ा में वाटर कूलर का किया शुभारम्भ

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। इनर व्हील क्लब हरदोई द्वारा हैप्पी स्कूल प्रोजेक्ट के अंतर्गत गोद लिए गए उच्च प्राथमिक विद्यालय ककराली खेड़ा हरदोई में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति हेतु स्थापित आर ओ वाटर कूलर का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत प्रेमावती पीके वर्मा ने विद्यालय परिसर में स्थित आर ओ वाटर कूलर व शौचालय का शुभारम्भ कर, विद्यार्थियों को समर्पित किया। इसी क्रम मे जिला पंचायत अध्यक्ष ने सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता,बुनियादी ढांचे व शैक्षणिक संसाधनों को विकसित करने हेतु आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराये जाने का आश्वासन प्रदान करते हुए, विद्यालय को हैप्पी स्कूल बनाये जाने के सम्बन्ध में शिक्षकों व अभिभावकों विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा नेत्री अनुराधा मिश्रा,विद्यालय प्राचार्या नीलम सिंह सहित इनर व्हील क्लब पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं व होनहार विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गाली गलौज से मना करने पर दबंगों ने लाठी, डंडों से किया हमला छः लोग गंभीर रूप से घायल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरपालपुर/हरदोई।अरवल थाना क्षेत्र के मनोहरपुरवा मजरा चौसार गांव में शराब पीकर दबंगो ने गाली गलौज करने से मना करने पर लाठी डंडों से हमला बोल दिया। जिसमें छः लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी ले जाया गया।वहां से चार को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां से दो को चिंताजनक हालत मे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है।

मामले में 11 नाम जब व 5-6 अज्ञात लोगों का विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तनाव किया गया है। अरवल थाना क्षेत्र के मनोहरपुरवा मजरा चौसार गांव निवासी शिशुपाल35 पुत्र राधेश्याम ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि रात 8 बजे पुरानी रंजिश व नीला गमछा पहनने को लेकर गांव के ही पुर्व प्रधान का पुत्र रवि एवं अनुराग, अंबुज, पवन, उपदेश, गोविंद, चंद्रम, छोटू, प्रबल, अक्कू, दिव्यांशु समेत 11 नामजद व 5-6 अज्ञात लोग शराब पीकर गाली गलौज करने लगे। मना करने पर लाठी डंडों व ईटा पत्थर से हमला बोल दिया। जिसमें योगेंद्र 32, अखिलेश 36,नीलेश 32 इंद्रपाल 28 राजबहादुर 25 पर घायल हो गए है। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां से योगेंद्र

- **दो पूर्व प्रधान पुत्र समेत 11 नामजद छह अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज**

अखिलेश नोलेश व इंद्रपाल की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जिसमें योगेंद्र और अखिलेश को हालत नाजुक होने पर ट्रामा सेंटर लखनऊ भेजा गया है।घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्राधिकारी शिल्पा कुमारी ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के कर्म की छानबीन की है।गांव में तनाव को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस टीम तैनात कर दी गई है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

बालक की तालाब में डूबने से हुई मौत

हरदोई, चसं। कछौना थाना क्षेत्र के ग्राम हथौड़ा के मजरा पूरब खेड़ा में शनिवार को दोपहर में दोस्तों के साथ गांव के बाहर तालाब पर शौच के लिए गए 11 वर्षीय बालक की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई। घटना की सूचना से पूरे गांव में कोहराम मचा है। प्राप्त विवरण में संतराम का 11 वर्षीय पुत्र राम प्रकाश शनिवार को दोपहर में अपने दोस्त सचिन,सुजीत और कृष्णा के साथ गांव के बाहर तालाब पर शौच करने गया था।तालाब में पैर फिसलने से राम प्रकाश की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई।उसके साथियों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन पानी अधिक होने के कारण उसे बचा नहीं सके।उन्होंने भागकर गांव में घटना की सूचना दी सूचना पर ग्रामीणों ने तालाब पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद उसे तालाब से निकाला।तालाब से निकाले गए बालक को ग्रामीण परिजनों के साथ उसे अस्पताल ले गए जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, हरदोई

पत्रांक संख्या : 137/न0पा0परि0ह0(नि0वि0)/ई-निविदा/2024-25 दिनांक : 2.5.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद हरदोई, द्वारा राज्य वित्त आयोग/ पालिका निधि के अतर्गत कार्य की ई - निविदा निर्धारित शर्तो/नियमों के अधीन आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण निम्नवत है। निविदा की समस्त कार्यवाही http//etender.up.nic.in पर ही की जाएगी :-

टेंडर शेड्यूल

S. No.	नगर पालिका परिषद हरदोई ANM stage	निविदादाता/ठेकेदार Vendor stage	प्रारंभिक तिथि व समय	अंतिम तिथि व समय
1	Tender release	-	03.05.2025-04 PM	
2		Tender download	03.05.2025-04 PM	24.05.2025-05 PM
3		Bid submission	03.05.2025-04 PM	24.05.2025-05 PM
4	Close for Bid			24.05.2025-05 PM
5	Technical Bid opening			26.05.2025-12 PM
6	Online finance Bid opening	After approval of Technical bid and submit original documents as per following clause 13		

निविदा संबधित समस्त विवरण नगर पालिका परिषद, हरदोई के वेबसाइट www.npphardoi.co.in पर व जिले की www.hardoi.nic.in पर देखी जा सकती है।

(रामेंद्र सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, हरदोई

(सुख सागर मिश्र 'मधुर')
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, हरदोई

महिला सम्मान और सुरक्षा के लिए छात्राओं को किया गया जागरूक

हरदोई, चसं। सरकार द्वारा महिलाओं और छात्राओं के सम्मान सुरक्षा और सशक्तिकरण करण के लिए चलाए जा रहे अभियान महिला शक्ति मिशन फेज 05 की सफलता के लिए जनपद के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को एंटी रोमियो और महिला शक्ति मिशन में लगाई गई पुलिस कर्मियों द्वारा महिलाओं और छात्राओं को जागरूक किया गया। प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर बहुत सी योजनाओं का संचालन कर रही है।जिसका लाभ प्रदेश की महिलाओं और छात्राओं को मिल रहा है।शनिवार को मिशन शक्ति फेज 05 की सफलता के लिए पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन के निर्देश पर शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र में एंटी रोमियो स्क्वायड और महिला शक्ति मिशन में तैनात पुलिस कर्मियों द्वारा स्कूलों और मोहल्लों में गोष्ठी के माध्यम से कन्या सुमंगला योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना,ग्रामीण आजीविका मिशन,बैंकिंग कोरेस्पेंडेंट सखी,महिला हेल्प डेस्क,मिशन शक्ति कक्ष ,महिला हेल्प लाइन1090,वन स्टॉप सेंटर और मिशन शक्ति अभियान के विषय में जागरूक करते हुए विस्तार से बताया गया।छात्राओं और महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए जागरूक रहने और महिला हेल्प लाइन नंबर के प्रयोग और सहायता मांगने पर पुलिस किस तरह से महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षित करते हुए उन्हें न्याय दिलाती है।इसके विषय में विस्तृत रूप से जागरूक किया गया।

संक्षिप्त समाचार

तमंचे सहित युवक गिरफ्तार भेजा गया जेल

हरदोई, चसं। पिहानी पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम बगौछा निवासी युवक को तमंचे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजंडिया है। प्राप्त विवरण में पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा जनपद में अवैध शस्त्र के निर्माण/बिक्री करने वाले अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 2 मई को थाना पिहानी के एसएसआई मुकुट सिंह यादव और पुलिस बल द्वारा मान सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम बगौछा थाना पिहानी को 01 तमंचा 12 बोर सहित गिरफ्तार किया गया । जिसके संबंध में पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

पति ने तीन तलाक देकर पत्नी को घर से भगाया

शाहाबाद /हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गिलजई निवासी विवाहिता ने पति द्वारा परिजनों के कहने पर उसे तीन तलाक देकर घर से भगा देने पर कोतवाली में पति सहित आठ लोगों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। पीड़िता समीना पत्नी इरफान के अनुसार उसका विवाह 14 मार्च 2020 को कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गिलजई निवासी अफसर के पुत्र इरफान के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार हुआ था।उसके मां बाप ने हैसियत के मुताबिक दहेज भी दिया था।लेकिन अतिरिक्त दहेज में चार पहिया गाड़ी की मांग को लेकर उसका पति,जेठ रिजवान उर्फ बब्बू,जेठानी निगहत,देवर इमरान, फुरकान,सलमान,ननद रूबी पत्नी वसीम और सास अकीला उसे आए दिन प्रताड़ित करने लगे।वह सब सहन करती रही।उसने एक पुत्री को जन्म दिया।उसके बाद विपक्षियों ने और ज्यादा परेशान करना शुरू कर दिया।दो वर्ष बाद उसके घर दूसरी पुत्री का जन्म हुआ।दूसरी पुत्री के जन्म के बाद पुत्र न पैदा होने पर आरोपियों ने ताने और मारपीट करते हुए चार पहिया गाड़ी और पांच लाख रुपए की मांग करते हुए एक वर्ष पूर्व उसे पुत्रियों सहित घर से निकाल दिया।वह अपने मायके से दो लाख रुपए लेकर वापस ससुराल आई।लेकिन अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट बंद नहीं हुई।2 फरवरी को विपक्षियों ने उसे मारपीट कर पुत्रियों सहित फिर घर से निकाल दिया।3 फरवरी को उसने कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया।4 फरवरी को मध्यस्थता केंद्र हरदोई में उसके प्रार्थना पत्र पर दोनो पक्षों का सुलह समझौता करवाया गया।वह 25 अप्रैल को बच्चों सहित मायके से ससुराल आई तो विपक्षी पति ने अपने घरवालों के कहने पर उसकी दोनों पुत्रियों को उससे छीन कर उसे तीन तलाक देकर घर से भगा दिया।विवाहिता की लिखित तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला युवक पुलिस हिरासत में

हरदोई, चसं। सवायजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सदुल्लीपुर निवासी युवक द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपत्ति जनक टिप्पणी कर उसे वायरल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है। प्राप्त विवरण में सवायजपुर पुलिस को सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि राजकुमार पुत्र छक्कुलाल निवासी ग्राम सदुल्लीपुर थाना सवायजपुर द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपत्तिजनक पोस्ट की गयी। इस संबंध में थाना सवायजपुर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया।

थाना सवायजपुर के उपनिरीक्षक शिव शरण सिंह व पुलिस बल द्वारा तत्परता दिखाते हुए उपरोक्त अभियोग से संबंधित आरोपी राजकुमार को नियमानुसार हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है।

चार जुआरी ताश की गड्डी के साथ पुलिस ने किए गिरफ्तार

हरदोई, चसं। कोतवाली शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत खेले जा रहे जुए की मुखबिर द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पुलिस ने चार जुआरियों को ताश की गड्डी और 1800 रुपए के साथ गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध जुआ अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की है। प्राप्त विवरण में पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा जनपद में अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत कोतवाली शहर के उपनिरीक्षक रोहित पांडेय व पुलिस बल द्वारा मुन्ना पुत्र स्व. जागेश्वर निवासी मो. ऊंचा थोक,मोनू पुत्र छोटेलाल जोशी निवासी मो. कृष्ण नगरिया, सद्दार उर्फ चमन पुत्र रामपाल निवासी मो0 कृष्ण नगरिया और सुरेन्द्र पुत्र दयाराम निवासी मो कांजीटोला थाना सांडी अवैध रुप से जुआ की खाईबाड़ी करते हुए रुपये व ताश के पत्तो सहित गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में थाना कोतवाली शहर पुलिस ने गिरफ्तार चारों जुआरियों के विरुद्ध 13 जुआ अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है।

पुलिस ने किशोरी को बरामद कर आरोपी बाल अपचारी को लिया अभिरक्षा में

हरदोई, चसं। माधौगंज थाना क्षेत्र के एक गांव से 17 अप्रैल को घर से स्कूल गई 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने के मामले में पुलिस ने एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लेकर किशोरी को बरामद कर लिया है।बाल अपचारी को बाल संप्रेषण ग्रह भेजा गया है। प्राप्त विवरण में 18 अप्रैल को किशोरी के पिता द्वारा थाना माधौगंज पर तहरीर दी गयी कि एक बालअपचारी उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इस संबंध में किशोरी के पिता की तहरीर के आधार पर थाना माधौगंज पर आरोपी बाल अपचारी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई थी।पुलिस ने किशोरी की तलाश शुरू कर दी थी। थाना माधौगंज के उपनिरीक्षक जय प्रकाश व पुलिस बल द्वारा विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित बालअपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।पुलिस ने बाल अपचारी को न्यायालय में प्रस्तुत किया है।जहां से उसे बाल संप्रेषण ग्रह भेजा गया है।

चोरी की बाइक सहित चोर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

शाहाबाद /हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अल्लाहपुर इब्नेजई से एक माह पूर्व दरवाजे पर खड़ी बाइक अज्ञात चोर द्वारा चुराए जाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने चोरी की बाइक सहित चोर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त विवरण में 28 मार्च को रमेश पुत्र रग्धा निवासी मोहल्ला अल्हापुर द्वारा थाना शाहाबाद पर तहरीर दी गयी कि अज्ञात चोर द्वारा उसके घर के बाहर खडी उनकी मोटरसाइकिल को चोरी कर लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

लुलु हाइपरमार्केट ने लुलु बिग चौको डेज शुरू

लखनऊ, चसं। उद्घाटन के लिए आई सपोर्ट फाउंडेशन के ऑटिस्टिक बच्चों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। लुलु बिग चोको डेज 2025 के आयोजन में बच्चों की उपस्थिति ने खुशियों को बढ़ाया और इस कार्यक्रम को चॉकलेट के आयोजन से कहीं अधिक बना दिया। यह हर सामुदायिक पहल में समावेश और करुणा के महत्व का शक्तिशाली सन्देश हैं। उद्घाटन जय कुमार गंगाधरन क्षेत्रीय निदेशक लुलु मॉल, उत्तर प्रदेश और आई सपोर्ट फाउंडेशन के बच्चों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए. जय कुमार गंगाधरन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि लुलु बिग चोको डेज लुलु में सबसे प्रतीक्षित वार्षिक कार्यक्रमों में से एक है और उन्होंने न केवल अभी, बल्कि भविष्य में भी लगातार ऐसी सार्थक और समावेशी गतिविधियों की मेजबानी करने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। नोमान अजीज खान क्षेत्रीय प्रबंधक लुलु हाइपरमार्केट यूपी और दिल्ली ने इस बात पर जोर दिया कि लुलु नेक उद्देश्यों का समर्थन करने और पर्यावरण और सामाजिक समावेशिता को मजबूत करने के साथ-साथ आनंददायक और समावेशी कार्यक्रमों की मेजबानी करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो ग्राहकों और ब्रांड भागीदारों दोनों के लिए यादगार लम्हे बनाते हैं। उन्होंने कहा कि लुलु हाइपरमार्केट उन कुछ खुदरा ब्रांडों में से एक है जो लगातार ऐसे प्रभावशाली समुदाय-केंद्रित कार्यक्रमों के आयोजन के लिए समर्पित है, जो खुदरा बिक्री में एक बेंचमार्क स्थापित करता है। लुलु बिग चोको डेज 2025 को गैलेक्सी और स्निकर्स द्वारा गर्व से प्रस्तुत किया गया है और नेस्ले, फेरेरो रॉशेर और डार्क फैंटेसी द्वारा संचालित किया जाता है। हर्षिश, कैडबरी और बेक्ड क्रिएशंस के सहयोग से। शॉपर्स और चॉकलेट प्रेमी 3 मई से 13 मई, 2025 तक लुलु मॉल, लखनऊ में इस आयोजन का आनंद ले सकते हैं। लुलु हाइपरमार्केट-सभी चॉकलेट प्रेमियों और खाने के शौकीनों को इस रोमांचक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है, जिसमें जादू प्रदर्शन, पसंदीदा कार्टून पात्रों की उपस्थिति और मनोरंजक जोकर प्रदर्शन जैसी मजेदार गतिविधियां शामिल हैं जो सभी उम्र के लोगों को आनंदित करती हैं।

कोल इंडिया का अप्रैल में कोयला उठाव घटकर 6.34 करोड़ टन

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उठाव अप्रैल में सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 6.34 करोड़ टन रह गया। कोल इंडिया का अप्रैल 2024 में कोयले उठाव 6.42 करोड़ टन रहा था। कोयला उठाव से तात्पर्य कोयला खदान से आपूर्ति किए गए कोयले की मात्रा से है। यह कोयला उत्पादन से अलग है क्योंकि इसमें पहले से भंडारित कोयला भी शामिल हो सकता है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, अप्रैल में कोल इंडिया का कोयला उत्पादन 6.21 करोड़ टन पर लगभग स्थिर रहा। अप्रैल 2024 में यह 6.18 करोड़ टन रहा था। कोल इंडिया की घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2024-25 में कोल इंडिया ने 78.11 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया, जो वित्त वर्ष के लिए कंपनी के लक्ष्य से करीब सात प्रतिशत कम है। कोल इंडिया का 2024-25 के लिए कोयला उत्पादन लक्ष्य 83.8 करोड़ टन (एमटी) था। सीआईएल ने वित्त वर्ष 2025-26 में 87.5 करोड़ टन उत्पादन और 90 करोड़ टन उठाव का लक्ष्य रखा है।

प्लेऑफ की दौड़ के लिए पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच अहम मुकाबला

धर्मशाला, एजेंसी। खूबसूरत धर्मशाला आईपीएल 2025 की मेजबानी की पार्टी में शामिल हो जाएगा, जब पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच रविवार शाम को अहम मुकाबला होगा। यह मुकाबला प्लेऑफकी दौड़ में आगे बढ़ने के लिए निर्णायक होगा। पीबीकेएस, एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर जीत के बाद, 10 मैचों में से छह जीत और एक बेनतीजा के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि प्रतियोगिता से एक सप्ताह के ब्रेक के बाद वापस आई एलएसजी 11 मैचों में से पांच जीत के साथ छठे स्थान पर है। श्रेयस अय्यर के मजबूत नेतृत्व और अच्छी बल्लेबाजी फॉर्म ने पीबीकेएस को बढ़ावा दिया है। पीबीकेएस को जीत दिलाने और शॉर्ट बॉल के खिलाफ तकनीकी समायोजन में अय्यर की सामरिक कुशलता का मतलब है कि दाएं हाथ का बल्लेबाज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर रहा है। पीबीकेएस को इससे भी मदद मिलती है कि प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य शीर्ष क्रम में शानदार फॉर्म में हैं। गेंदबाजी में, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन शानदार रहे हैं, जो प्रतियोगिता में पीबीकेएस के अच्छे प्रदर्शन को और भी बेहतर बनाता है। दूसरी ओर, एलएसजी के लिए स्थिति गंभीर होने के कारण, यदि वे प्लेऑफमें प्रवेश करना चाहते हैं तो उन पर अपने शेष गेम जीतने का अधिक दबाव है। एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत बल्ले से संघर्ष कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि टीम को बड़ा स्कोर देने के लिए मिशेल मार्श, एडेन मार्करम और निकोलस पूरन जैसे खतरनाक शीर्ष क्रम पर जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफगेंद से मयंक यादव की वापसी उत्साहजनक थी, हालांकि उस मैच में 54 रन की हार में बाकी गेंदबाजी लाइन-अप उम्मीदों के मुताबिक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। एलएसजी के पास पीबीकेएस पर 3-2 की बढ़त है, लेकिन प्रतियोगिता के अंत के करीब पहुंचने पर उन्हें अय्यर एंड कंपनी के शानदार फॉर्म पर ध्यान देना होगा। लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम में ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), निकोलस पूरन (उप-कप्तान), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, डेविड मिलर, एडेन मार्करम, मयंक यादव, रवि बिश्नोई, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आर्यन जुयाल, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बदौनी, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव शामिल हैं। वहीं पंजाब किंग्स की टीम में श्रेयस अय्यर (कप्तान), शशांक सिंह, नेहाल वढेरा, युजवेंद्र चहल, हरनूर पन्नू, मुशीर खान, पायला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), विष्णु विनोद, जोश इंगलिस, सूर्यांश शेडगे, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसन, आरोन हार्डी, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्कस स्टोइनिस, प्रियांश आर्य, प्रवीण दुबे, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, विजयकुमार विशाक, कुलदीप सेन, जेवियर बार्टलेट को शामिल किया गया है।

ओवरआल टीम प्रयास से गुजरात को मिली है सफलता

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात टाइटन्स के लेग स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि ओवरआल टीम प्रयास ही इस सत्र में गुजरात की सफलता के पीछे का कारण है। गुजरात ने सनराइजर्स हैदराबाद को शुक्रवार को 38 रन से हराकर अपनी सातवीं जीत हासिल की और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। गुजरात प्लेऑफमें जगह बनाने की दहलीज पर पहुंच गया है। आईपीएल 2025 में टीम की सफलता की कुंजी क्या है, यह पूछे जाने पर राशिद खान ने कहा, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर यह एक टीम प्रयास है। आशीष भाई से शुरू करते हैं कि वह टीम का प्रबंधन कैसे करते हैं। फिर कप्तान शुभमन गिल, वह अंदर (मैदान पर) कैसे प्रबंधन करते हैं। और फिर, वह कैसे आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं, यह कुछ ऐसा है जो एक खिलाड़ी के रूप में हमारे लिए एक उदाहरण स्थापित करता है कि कप्तान आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है। और यह कुछ ऐसा है जो इसे बहुत आसान बनाता है। हमारा शीर्ष क्रम और गेंदबाजी इकाई, सिराज और प्रसिद्ध, ईशांत, साई किशोर और हर कोई कैसे गेंदबाजी कर रहा है। मुझे लगता है कि यह सभी टीम प्रयासों का एक संयोजन है। उन्होंने कहा, और ईमानदारी से कहूं तो, हमने बस चीजों को सरल रखा। आप जानते हैं, हम जितना सरल रखेंगे, हम उतना ही बेहतर प्रदर्शन करेंगे। और हम वास्तव में परिणाम के बारे में ज्यादा नहीं सोचते हैं, लेकिन हम वास्तव में प्रक्रिया और मानसिकता और तैयारी के बारे में सोचते हैं। यह सब ठीक से किया जाना चाहिए। और मुझे लगता है कि इसीलिए हम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल का एग्रेशन इस आईपीएल के टूर्नामेंट देखने को मिल रहा है। बीते 2 मई को हुए मुकाबले में गिल दो बार अंपायर से भिड़ गए। गिल और अंपायर के बीच हुई इस कहासुनी के बाद ही ये कयास लगने शुरू हो गए हैं कि शुभमन गिल पर आईपीएल में बैन लग सकता है।

रोमांचक मुकाबले में जीती आरसीबी, चेन्नई को दो रन से हराया

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- प्लेऑफ में पहुंचने की कगार पर रॉयल चैलेंजर्स बेंग्लूरू विराट ने की शानदार बल्लेबाजी

बेंग्लूरू। आईपीएल 2025 के 52वें मैच में आरसीबी ने चेन्नई को 2 रन से हराया। आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स को 214 रन का स्कोर दिया था। चेन्नई 211 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ आरसीबी 16 अंक के साथ प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच गई है। लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई ने सधी शुरुआत की। आयुष महात्रे ने 94 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 77 रन बनाकर नाबाद लौटे। हालांकि, चेन्नई 20 ओवर में 211 रन ही बना सकी। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 213 रन बनाए। जेकब ब्रेथल, विराट कोहली ने अर्धशतकीय पारी खेली। इसके बाद रोमारियो शेफर्ड ने अंत में 14 गेंद पर नाबाद 53 रन बनाकर माहौल सजा दिया।

कोहली-बेथल की फिफ्टी के बाद रोमारियो का सरप्राइज, बेंगलुरु ने प्लेऑफ की ओर बढ़ाया कदम : विराट कोहली (62) और जैकब बेथेल (55) की ओपनिंग जोड़ी की धुआंधार शुरुआत के बाद कैरेबियाई आलराउंडर रोमारियो शेफर्ड (53*) की सरप्राइज पारी के दम पर आरसीबी ने प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के विरुद्ध पांच विकेट पर 213 रन का विराट स्कोर खड़ा किया। जवाब में चेन्नई 20 ओवर में 211 रन ही बना सकी। आरसीबी ने 2 रन से मुकाबले को अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही बेंगलुरु प्वाइंट्स टेबल में भी टॉप पर पहुंच गई है। आरसीबी ने 11 में से 8 मैच जीते हैं और टीम लगभग प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। हालांकि, अभी ऑफिशियली इसकी घोषणा नहीं हुई है। चिन्नास्वामी स्टेडियम में तेज शुरुआत के बाद आरसीबी की पारी धीमी पड़ गई थी। एक समय आरसीबी 12 ओवर में एक

विकेट पर 121 रन बना चुकी थी और बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी, लेकिन सीएसके के गेंदबाजों ने 32 रन के भीतर चार विकेट चटकार वापसी की। 18 ओवर में आरसीबी 159 रन बना पाई थी और उसका 200 के पार पहुंचना भी मुश्किल लग रहा था। हालांकि क्रीज पर टिम डेविड थे, जिन्होंने पहले कई मौकों पर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की है और सीएसके के गेंदबाजों ने उनके लिए तैयारी भी की थी, लेकिन उन्हें सरप्राइज दिया रोमारियो शेफर्ड ने।

19वें ओवर में कूटे 33 रन : टिम डेविड दूसरे छोर पर खड़े ही रह गए और दूसरी ओर रोमारियो ने 19वें ओवर में गेंदबाजी करने आए खलील के एक ओवर में 33 रन कूटे, जो इस आईपीएल में सबसे महंगा ओवर रहा। इस ओवर में उन्होंने चार छक्के जड़े और चिन्नास्वामी में बैठे दर्शकों में रोमांच भर दिया। अंतिम ओवर में डेविड ने एक रन देकर रोमारियो को स्ट्राइक थी और उसके बाद जो हुआ वह इतिहास बन गया। रोमारियो ने पथिराना की अगली पांच गेंदों में दो चौके व दो छक्के जड़ते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया और ऐसा करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। रोमारियो शेफर्ड ने केवल 14 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और आईपीएल

आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स को 214 रन का स्कोर दिया था। चेन्नई 211 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ आरसीबी 16 अंक के साथ प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच गई है। लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई ने सधी शुरुआत की। आयुष महात्रे ने 94 रन बनाए।

इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। वह 14 गेंद में अर्धशतक जड़ने वाले केवल तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले ये रिकॉर्ड केएल राहुल और पैट कमिंस के नाम है। आईपीएल का सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड यशस्वी जायसवाल के नाम है, जिन्होंने 2023 में केवल 13 गेंद में अर्धशतक जड़ा था।

विराट-बेथेल का पावरप्ले : विराट कोहली (62) और जैकब बेथेल (55) की जोड़ी ने अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। बेथेल ने केवल 28 गेंदों में आईपीएल में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले दोनों ने खलील अहमद को निशाने पर रखा और उनके दो ओवर में 32 रन कूटे, जिससे आरसीबी ने पावरप्ले के छह ओवर में ही 71 रन ठोक डाले थे। बेथेल ने खलील के पहले ही ओवर में लगातार तीन चौके जड़े। हालांकि अंशुल कंबोज ने दूसरे छोर से रनों पर गति पर अंकुश लगाने का प्रयास किया, लेकिन खलील दूसरे छोर से रन लुटाते रहे। चौथे ओवर में चेन्नई के पास बेथेल को आउट करने का अवसर था। बेथेल जब 27 रन पर थे तो गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर शार्ट थर्ड की ओर गई और रवींद्र जडेजा ने उनका कैच लपक भी लिया था, लेकिन मथीशा पथिराना उनसे टकरा गए और कैच भी टपक गया।

कोहली ने की रन वर्षा : प्रचंड फार्म में चल रहे विराट कोहली ने इस मुकाबले में अपना लगातार चौथा और इस सत्र का सातवां अर्धशतक जड़ा। विराट ने अपनी 33 गेंदों की पारी में पांच छक्के और इतने ही चौके जड़े। इसके साथ ही सीएसके के विरुद्ध विराट ने 1146 रन भी पूरे किए, जो एक टीम के विरुद्ध किसी बल्लेबाज के सर्वाधिक रन हैं। विराट ने खलील के दूसरे ओवर में दो छक्के जड़े और आरसीबी के लिए 300 छक्के पूरे किए। वह एक टीम के लिए सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर हैं। इसके साथ ही विराट ने चिन्नास्वामी पर भी अपने 150 छक्के पूरे कर लिए। वह एक मैदान पर सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में भी अव्वल हैं। देवदत्त पडिक्कल ने 15 गेंदों पर 17 रन, कप्तान रजत पाटीदार ने 15 गेंदों पर 11 रन और विकेटकीपर जितेश शर्मा ने 8 गेंदों पर 7 रन की पारी खेली। टिम डेविड 2 रन बनाकर नाबाद रहे।

सबसे महंगे रहे खलील : खलील ने इस मैच में केवल तीन ओवर फेंके और 65 रन लुटाए। उन्होंने अंतिम ओवर में 33 रन दिए, जो इस सत्र में सर्वाधिक हैं। इस दौरान उन्हें कोई सफलता भी नहीं मिली। मथीशा पथिराना ने 3 विकेट चटकाए। नूर अहमद और सैम करन के खाते में 1-1 विकेट आया।

सस्ते में आउट हुए सैम करन : चेन्नई ने आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक 206 रन चेज किए थे। ऐसे में 214 रन चेज करने उतरी चेन्नई को तेज-तर्रार शुरुआत की जरूरत थी। आयुष महात्रे और शेख रशीद ने पहले 2 ओवर में 11 रन ही बनाए। हालांकि, इसके बाद दोनों ने रन गति को बढ़ाया और 4 ओवर में स्?कोर 49 पहुंचा दिया। 5वें ओवर में क्रुणाल पांड्या ने रशीद (14) को आउट किया। 3 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सैम करन सस्ते में अपना विकेट गंवा बैठे। रवींद्र जडेजा और आयुष महात्रे ने चेन्नई की पारी में जोश भरा। इस बीच आयुष ने 25 गेंदों पर अपने आईपीएल करियर की पहली फिफ्टी लगाई। अपने करियर का चौथा ही आईपीएल मैच खेल रहे आयुष लीग में फिफ्टी लगाने वाले तीसरे सबसे युवा बैटर बन गए। उन्होंने 17 साल 291 दिन की उम्र में यह कीर्तिमान रचा। इस बीच उनके साथी रवींद्र जडेजा ने भी 29 गेंदों पर फिफ्टी जड़ दी। दोनों ही बल्लेबाज मैच को आरसीबी की पकड़ से दूर ले जा रहे थे। साथ ही आयुष भी अपने आईपीएल करियर के पहले शतक की दहलीज पर पहुंच चुके थे। ऐसे में मैच में एक बार फिर रोमांच आया। 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर इस सीजन का पहला मैच खेल रहे लुंगी एंगिडी ने आयुष को शतक लगाने से रोक दिया। 94 रन बनाकर खेल रहे आयुष छक्के अपना शतक पूरा करना चाहते थे, हालांकि, उन्होंने क्रुणाल पांड्या को कैच थमा दिया।

ब्रेविस ने रिव्यू लिया पर मिला नहीं : आयुष ने 48 गेंदों का सामना किया और 94 रन बनाए। अगली ही गेंद पर लुंगी ने डेवाल्ड ब्रेविस को LBW आउट किया। डेवाल्ड ब्रेविस ने रिव्यू मांग लेकिन स्क्रीन पर कोई टाइमर नहीं दिखा। जब तक ब्रेविस ने रिव्यू लिया, अंपायर नितिन मेनन ने कहा कि टाइम खत्म हो गया है। इस दौरान जडेजा और अंपायर के बीच कुछ बातचीत भी हुई, लेकिन नतीजा निकला कि ब्रेविस को पवेलियन जाना पड़ा।

3 ओवर में चाहिए थे 35 रन : चेन्नई को आखिरी 3 ओवर में जीत के लिए 35 रनों की दरकार थी। 18वां ओवर करने आए सुयश शर्मा ने सिर्फ 6 रन दिए। ऐसे में अब चेन्नई को 12 गेंदों पर 29 रन बनाने थे। मैदान पर सीएसके के 2 सबसे अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी और रवींद्र जडेजा थे। आखिरी ओवर में यश दयाल ने लो फुलटॉस पर धोनी को LBW आउट किया। अब जडेजा का साथ देने के लिए इम्पैक्ट प्लेयर शिवम दुबे आए। चेन्नई को 3 गेंदों पर 13 रन चाहिए थे। शिवम दुबे ने नो बॉल पर सिक्स जरूरी लगाया, लेकिन अगली तीन गेंदों पर यश दयाल ने 3 रन ही दिए।

आयुष महात्रे का बल्ला गरजा, मिस्टर आईपीएल का रिकॉर्ड तोड़ बने पहले बल्लेबाज : चेन्नई सुपर किंग्स के सलामी बल्लेबाज आयुष महात्रे ने आरसीबी के खिलाफ खेलते हुए अपनी पहली आईपीएल फिफ्टी जड़ी। इसकी मदद से वह चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए अर्धशतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के पहले खिलाड़ी बने। साथ ही आईपीएल इतिहास में अर्धशतक लगाने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने आयुष महात्रे को उनके रिप्लेसमेंट के रूप में टीम में शामिल किया था। अपने पहले ही मैच में आयुष ने इपैक्ट पारी खेली थी। दूसरे मैच में भी अपना क्लास दिखाया था। तीसरे में वह जल्दी आउट हो गए थे लेकिन, बड़े मैच में महात्रे ने अपनी पारी से इसे यादगार बना दिया। वह 48 गेंद पर 94 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान 9 चौके और पांच छक्के जड़े। आरसीबी के 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने सधी हुई शुरुआत की। भुवनेश्वर कुमार के ओवर में महात्रे ने 26 रन लेकर चेन्नई की पारी को रफ्तार दी। आयुष महात्रे ने इसके बाद 25 गेंद पर अपना पहला आईपीएल अर्धशतक पूरा किया और इसके साथ ही इतिहास रच दिया।

शेफर्ड हीरो तो खलील बने विलेन : प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को एक बार फिर नाक कटाई। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मैच में सीएसके के कप्तान एमएस धोनी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की ओर से विराट कोहली और जैकब बेथल ने जोरदार प्रहार किए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 97 रन जोड़े। विराट कोहली ने 33 गेंदों पर 62 और जैकब ने इतनी ही गेंदों पर 55 रन की पारी खेली। सलामी जोड़े के आउट होने के बाद आरसीबी की पारी लड़खड़ा गई। देवदत्त पडिक्कल ने 17, रजत पाटीदार ने 11 और जितेश शर्मा ने 2 रन की पारी खेली। इसके बाद 7 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए रोमारियो शेफर्ड ने बल्ले से हाहाकार मचा दिया। उन्होंने 19वें और 20वें ओवर में बाउंड्री में ही डील की। खलील अहमन ने 19वें ओवर में 33 रन लुटा दिए। शेफर्ड ने इस ओवर में 4 छक्के और 2 चौके लगाए। इसके बाद पथिराना ने 20वां ओवर किया। इस ओवर में उन्होंने 21 रन लुटा दिए। शेफर्ड के बल्ले से 2 चौके और 2 छक्के निकले। आखिरी 2 ओवर में चेन्नई ने 54 रन दिए। इसके साथ ही 5 बार की चैंपियन टीम ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। चेन्नई पारी के 19-20 ओवरों में सर्वाधिक रन लुटाने वाली टीम बन गई है। इतना ही नहीं खलील अहमद के नाम भी एक अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया है। वह लीग में चेन्नई की ओर से सबसे महंगे ओवर करने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 4 ओवर में कुल 65 रन दे दिए दूसरी ओर रोमारिया शेफर्ड 14 गेंदों पर 53 रन बनाकर नाबाद रहे। वह दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बैटर बन गए। बता दें इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 52वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने प्लेइंग 11 में बड़ा बदलाव किया। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अहम मैच में आरसीबी अपने प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बिना उतरी। ऐसे में सभी के मन में सवाल उठने लगा कि प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने की दहलीज पर खड़ी बेंगलुरु ने आखिर इतना बड़ा चेंज क?यों किया। आरसीबी की ओर से दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने आईपीएल डेब?यू किया। हेजलवुड इस सीजन में आरसीबी के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने सिर्फ 10 मैचों में 18 विकेट चटकाए हैं।

यूपी एनर्जी एक्सपो 2025 : प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र के नए युग की शुरुआत

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- यूपीईएक्स में जुटेंगे ऊर्जा क्षेत्र के दिग्गज विशेषज्ञ, करेंगे नवीनतम टेक्नोलॉजी पर चर्चा

लखनऊ। यूपी में सोलर और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में व्यापार और नई टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए राजधानी में तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश ऊर्जा एक्सपो 2025 (यूपीईएक्स) का आयोजन किया जा रहा है। एक्सपो का आयोजन यूपी स्टेट चौप्टर,पीएचडीसीसीआई (पीएचडी चौम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रिज)और यूपीनेडा के सहयोग से किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 8 मई से 10 मई,2025 तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के लॉन 2 में प्रातः 10 बजे से शाम छह बजे तक लगेगी। सभी आगन्तुकों का प्रवेश निःशुल्क है।

ऊर्जा क्षेत्र के 150 से अधिक प्रदर्शकों के इस जमावड़े के दौरान सौर ऊर्जा,स्मार्ट ऊर्जा ग्रिड और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में नवीनतम प्रगति और नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही प्रदर्शनी में आयोजित होने वाले सम्मेलन सत्रों में भविष्य के नवीनतम ऊर्जा विकल्पों और नवाचार की भूमिका पर सार्थक चर्चाएं भी होंगी। एक्सपो में देश और दुनिया भर के ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ और नीति निर्माता नवीनतम ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और समाधानों का प्रदर्शन करेंगे। यूपीईएक्स का उद्देश्य यूपी को सौर क्षेत्र में निवेश के अग्रणी गंतव्य के रूप में स्थापित करते हुए एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग करने का है। एक्सपो के मुख्य उद्देश्यों में प्रदेश में सौर ऊर्जा के उत्पादन और भंडारण के क्षेत्र में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना है। साथ ही राज्य में सौर ऊर्जा के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए उद्योग की भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी विकास और विनिर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में बढ़ावा देना है। इसके अलावा चार्जिंग व बैटरी स्वैपिंग बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निवेश को आकर्षित करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। साथ ही ईवी पारिस्थितिकी तंत्र निर्माताओं को राज्य में अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने और वैश्विक बाजार में आपूर्ति करने के लिए आकर्षित करना भी है। पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स के उत्तर प्रदेश चौप्टर के कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में चौप्टर के को-चेयर राजेश निगम ने बताया कि यह एक्सपो यूपी में ऊर्जा क्षेत्र के विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। राजेश निगम ने कहा कि केंद्र सरकार की प्रमुख योजना ष्पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों की छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्र की ओर से सब्सिडी दी जाती है। उत्तर प्रदेश सरकार भी सोलर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दे रही है।

प्रदेश सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन आदि स्थापित करने में भी दिलचस्पी दिखा रही है। को चेयर ने बताया कि नेशनल सोलर मिशन का गठन देश में सौर ऊर्जा के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने के मकसद से किया गया है। पीएम कुसुम योजना के तहत किसानों को सिंचाई के लिए सोलर पंप लगाने के लिए सब्सिडी प्रदान की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022 के तहत राज्य में 2026-27 तक 22 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं के संचालन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पीएचडी चौंबर ऑफकॉमर्स उत्तर प्रदेश चौप्टर के क्षेत्रीय निदेशक अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार दोनों ही सौर ऊर्जा बचत और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन योजनाओं के माध्यम से हमारा देश स्वच्छ ऊर्जा के सुनहरे भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ईवी क्रांति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह एक्सपो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र पर केंद्रित गतिशील प्रदर्शनी होगी। यूपी चौप्टर के क्षेत्रीय निदेशक ने कहा कि प्रदर्शनी में स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में सक्रिय रूप से लगे निर्माताओं,डेवलपर्स,निवेशकों,नवप्रवर्तकों और स्टार्टअप्स को प्रदर्शित किया जाएगा। उद्योग के पेशेवरों और निवेशकों के लिए मूल्यवान नेटवर्किंग होगा। इसमें देश के प्रतिभागी सार्वजनिक और निजी दोनों से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन भविष्य के ऊर्जा विकल्पों पर केंद्रित है। 10 प्रमुख सत्रों और 60 से अधिक वक्ताओं के साथ यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश की नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली के संपूर्ण दायरे को कवर करेगा। एक्सपो में निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत होगी। स्टार्टअप्स और नवाचारी कंपनियों को अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। एक्सपो का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में नवीनतम ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और समाधानों को प्रदर्शित करना है। साथ ही निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत को बढ़ावा देना है। यूपी एनर्जी एक्सपो 2025 ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण आयोजन साबित होगा। एक्सपो ऊर्जा क्षेत्र के विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करेगा ताकि निवेशकों,उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं के बीच बातचीत को बढ़ावा मिल सके।

बेड़ारु ने शिवगढ़ को पराजित कर फाइनल में बनाई जगह

शिवगढ़, रायबरेली, चसं। क्षेत्र के नगर पंचायत शिवगढ़ वार्ड नम्बर 8 ढेकवा में चल रही स्वर्गीय वीरेंद्र प्रसाद त्रिपाठी स्मारक टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को द्वितीय पाली में राजवर्धन इलेवन बेड़ारु तथा शानू इलेवन शिवगढ़ के मध्य दूसरा सेमीफाइनल मैच खेला गया। जिसमें बेड़ारु ने शिवगढ़ को तीन रनों से पराजित कर प्रतियोगिता के फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। गौरतलब हो कि शानू इलेवन ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्र रक्षण करने का निर्णय लिया। वहीं राजवर्धन इलेवन बेड़ारु ने पहले बैटिंग करते निर्धारित 14 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 154 रन बनाए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी शानू इलेवन निर्धारित 14 ओवर में सिर्फ 151 ही बना पाई। इस प्रकार से राजवर्धन इलेवन ने तीन रनों से मैच जीत कर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को प्रातः 11 बजे से राजवर्धन इलेवन बेड़ारु- सैनिक ढाबा के मध्य खेला जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शिवगढ़ सीएचसी अधीक्षक डॉ. प्रेमशरन द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। इस मौके पर पूर्व खेल शिक्षक रामनरेश मेहता,कृष्ण कुमार त्रिवेदी,बहादुर सिंह, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी जयराम यादव, आयोजन कमेटी के संरक्षण के महेश प्रसाद त्रिपाठी, राकेश शुक्ला, अजय शंकर द्विवेदी, रश्मि रावत, अध्यक्ष राज बहादुर सिंह, ध्यानू पाण्डेय, विवेक शुक्ला, योगेश त्रिपाठी, जय सिंह, पिंकू सिंह, श्याम बहादुर सिंह, कमल बहादुर सिंह, धीरज मिश्रा, सोनू पांडेय, शालू त्रिपाठी,भरत बाजपेयी, संगम तिवारी, पंकज मिश्रा, दीपांशु, रिंकू दुबे, राजा त्रिवेदी, मो.नजीर, जसवंत सिंह, सत्य प्रकाश मौर्य, पंकज मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

स्थानीय कलाकारों ने पेश किए आर्टिफिशियल ज्वेलरी, कपड़े और मेटल की मूर्तियां

लखनऊ, चसं। लखनऊ के हयात होटल में दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में स्थानीय दुकानदारों ने उत्साह से भाग लिया। प्रदर्शनी में आर्टिफिशियल ज्वेलरी, कपड़े और मेटल की मूर्तियां प्रमुख आकर्षण रहीं। सबसे ज्यादा भीड़ मेटल प्रोडक्ट्स की स्टॉल पर देखने को मिली। इस स्टॉल को सिद्धार्थ कुमार ने लगाया था। सिद्धार्थ ने बताया कि उनकी दुकान गोमती नगर के मिठाई वाला चौराहे पर राजा ज्वेलर्स बिल्डिंग में स्थित है। वहां ब्रास के डेकोरेटिव प्रोडक्ट्स मिलते हैं। उन्होंने बताया कि हमारे ब्रास प्रोडक्ट्स की खास बात ये है कि ये हमेशा चमकते रहते हैं। कोई कस्टमर प्रोडक्ट वापस करता है तो हम 50 प्रतिशत कैशबैक भी देते हैं। साक्षी के आर्टिफिशियल ज्वेलरी ब्रांड श्क्लिप्सश् ने भी लोगों का ध्यान खींचा। उनकी ज्वेलरी किफायती और टिकाऊ होने के साथ स्टाइलिश भी है। वेदांत ग्रुप की अनीशा सक्सेना एस्ट्रोलॉजी, न्यूमैरोलॉजी, टैरो कार्ड रीडिंग और वास्तु कंसल्टेंसी सेवाएं प्रदान करती हैं।

तीन मई 1913 को प्रदर्शित हुयी थी पहली भारतीय फिल्म राजा हरिश्चंद्र

भारतीय सिनेमा जगत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र तीन मई 1913 को प्रदर्शित हुयी थी। फिल्म राजा हरिश्चंद्र का निर्माण दादा साहब फाल्के मूल नाम धुंडिराज गोविन्द फाल्के ने फाल्के फिल्म कंपनी के बैनर तले किया। फिल्म बनाने में उनकी मदद फोटोग्राफी उपकरण के डीलर यशवंत नाडकर्णी ने की थी। फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' को बनाने में करीब 15 हजार रुपए लगे थे। उस समय के हिसाब से यह बहुत बड़ी धनराशि थी। ऐसे में यदि फिल्म को केवल तीन या चार दिन के लिए प्रदर्शित किया जाएगा तो वे अपना खर्च कैसे निकालेंगे। इस फिल्म को 21 अप्रैल, 1913 को ओलंपिया थिएटर में कुछ प्रमुख लोगों के सामने प्रदर्शित किया गया था। उसके बाद कोरोनेशन थिएटर के मैनेजर नानासाहेब चित्रे ने फिल्म को प्रदर्शित करने की इच्छा जताई। वर्ष 1911 में दादा साहेब अपने बेटे के साथ अमेरिका-इंडिया पिक्चर पैलेस में अमेजिंग एनिमल्स नाम की फिल्म देखने पहुंचे थे। स्क्रीन पर जानवरों को देखकर फाल्के का बेटा अचंभित हो जाता है और घर आकर अपनी मां को सारी बातें बताता है।क्योंकि तब के दौर के लिए ये सब कुछ कल्पना जैसा था इसलिए बच्चे की बात पर कोई यकीन नहीं करता, इसलिए अगले दिन दादा साहेब पूरी फैमिली के साथ वहीं फिल्म देखने पहुंचते हैं, लेकिन यहां पर एक ट्विस्ट आ जाता है और यही ट्विस्ट दादा साहेब फाल्के की पूरी जिंदगी बदल देता है। दरअसल होता ये है कि जिस दिन फाल्के फैमिली फिल्म देखने पहुंचती है, उस दिन ईस्टर था। इसलिए थियेटर में जानवरों वाली फिल्म की जगह ईसामसीह के जीवन पर आधारित फिल्म द लाइफ ऑफ क्राइस्ट दिखाई जाती है। इस फिल्म को एक फ्रेंच डायरेक्टर ने बनाया था।जब थियेटर में बैठकर दादा साहेब फाल्के ने द लाइफऑफक्राइस्ट देखी तो उनके मन में फिल्मों को लेकर कई कौतूहल जागे। फाल्के ने सोचा कि ऐसी फिल्म तो भारतीय परिदृश्य पर भी बनाई जा सकती है,इसलिए वापस आते ही उन्होंने फिल्म बनाने के तरीकों पर रिसर्च शुरू कर दी। फिल्म राजा हरिश्चंद्र स्क्रिप्ट तैयार हो गई और कास्टिंग के लिए अखबारों में विज्ञापन दे दिए गये। इसके बाद अभिनय के लिए पुरुष कलाकार तो मिल गए लेकिन फिल्म के लिए एक भी महिला तैयार नहीं हुई। कहा जाता है कि इसके लिए दादा साहेब फाल्के मुंबई के रेड लाइट एरिया में भी गए लेकिन कोई महिला फिल्म में काम करने को तैयार नहीं थी, बाद में एक तवायफ राजी तो हुई लेकिन ऐन मौके पर उसके मालिक ने धोखा दे दिया। हताश और परेशान फाल्के एक ईरानी रेस्त्रां में चाय पीने पहुंचे तो उनकी नजर एक गोरे और दुबले-पतले रसोइये पर पड़ी। उसका नाम था अण्णा हरी सालुंके। अण्णा को पांच रूपये महीने के मिला करते थे। दादा साहब फाल्के ने उन्हें पांच रूपये रोज देने का वादा किया। दादा साहेब फाल्के ने उससे बात कर फिल्म में काम करने के लिए मना लिया। सालुंके की दाढ़ी-मूंछ कटवा दी गई और इस तरह भारतीय सिनेमा को उसकी पहली अभिनेत्री मिली। फिल्म में राजा हरिश्चंद्र का किरदार दत्तात्रेय दामोदर दबके, पुत्र रोहितश्व का किरदार दादा फाल्के के पुत्र भालचंद्र फाल्के जबकि रानी तारामती का किरदार रेस्ट्रारेंट में बावर्ची के रूप में काम करने वाले व्यक्ति अन्ना सालुंके निभाया था। फिल्म के निर्माण के दौरान दादा फाल्के की पत्नी ने उनकी काफी सहायता की।

इस दौरान वह फिल्म में काम करने वाले लगभग 500 लोगों के लिये खुद खाना बनाती थी और उनके कपड़े धोती थी। यह फिल्म तीन मई 1913 में मुंबई के कोरनेशन सिनेमा में प्रदर्शित की गयी। फिल्म के प्रचार के लिए 'राजा हरिश्चंद्र' का एक विज्ञापन तीन मई, 1913 को ही तत्कालीन 'बांबे क्रानिकल' में प्रकाशित हुआ था। जिसमें शो का समय दिया गया था तथा विज्ञापन के अंत में एक नोट था कि दरें सामान्य दरों से दोगुनी होंगी। फिर भी, रंगमंच का परिसर दर्शकों से भरा हुआ था। इनमें से अधिकांश पारसी और बोहरा जैसे गैर हिंदू थे। मराठी दर्शकों की कमी साफनजर आ रही थी। उमड़ी भीड़ को देखकर फाल्के दंपती बहुत खुश हुए। फिल्म एक सप्ताह तक हाउसफुल रही। इस वजह से उसे दर्शाने की अवधि एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दी गई। 12वें दिन यानी 15 मई को एक और विज्ञापन प्रकाशित हुआ। अंग्रेजी अखबार के संपादक यूरोपियन थे, लेकिन उन्होंने इस पहली भारतीय फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। इसकी वजह से 'राजा हरिश्चंद्र' का खूब प्रचार हुआ और फिर मराठी दर्शकों को लगा कि यह जरूर अच्छी फिल्म होगी। 17 मई को प्रकाशित विज्ञापन में कहा गया कि केवल महिलाओं और बच्चों के लिए आधी दरों पर विशेष शो होगा साथ ही यह भी कहा गया कि रविवार को आखिरी शो होगा। हालांकि दर्शकों की भीड़ थिएटर में उमड़ती रही और इसलिए 'राजा हरिश्चंद्र' एक और सप्ताह चली। लगातार 23 दिन तक चलने के कारण इसने कीर्तिमान स्थापित किया। इससे पहले कोई भी फिल्म चार दिन से ज्यादा नहीं चली थी। इस प्रकार पहली भारतीय फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' की सफलता अभूतपूर्व थी। इसके साथ ही तीन मई का तारीख और दादा साहेब फाल्के का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया।

:: एजेंसी

श्रद्धा कपूर के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट

बॉलीवुड स्टार श्रद्धा कपूर इंडस्ट्री की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। उनकी पिछली फिल्म स्त्री 2 काफी हिट रही और उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई। उनके अलावा, फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले राजकुमार राव को भी हर तरफ से सराहना मिली। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि राजकुमार ने फिल्म की सफलता के बाद अपनी फीस में 5 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की है। अब, एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि श्रद्धा कपूर ने भी अपनी फीस में इजाफा किया है।

श्रद्धा ने एकता कपूर के साथ एक फिल्म पर काम कर रही हैं और इसके लिए वो 17 करोड़ रुपये चार्ज करने वाली हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार श्रद्धा कपूर राही अनिल बर्वे द्वारा निर्देशित आगामी हाई-कॉन्सेप्ट थ्रिलर के लिए एकता कपूर के साथ बातचीत कर रही हैं। फिल्म 2025 की दूसरी छमाही में फ्लोर पर आ जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, यह श्रद्धा कपूर द्वारा प्राप्त की गई सबसे अधिक फीस में से एक है, साथ ही आज के समय में हिंदी में एक फीमेल लीड के लिए यह सबसे अधिक पे चेक में से एक है। एकता कपूर श्रद्धा को साइन करने के लिए 17 करोड़ रुपये खर्च करने से ज्यादा खुश थीं। इस बढ़ोत्तरी के साथ श्रद्धा कपूर आलिया भट्ट, कियारा आडवाणी से ज्यादा भुगतान पाने वाली अभिनेत्रियों की लिस्ट में आ गई हैं। अब वह सिर्फ दीपिका पादुकोण से पीछे हैं। इससे पहले राजकुमार राव ने स्त्री 2 की सफलता के बाद अपनी फीस बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये करने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, मैं हर दिन अलग-अलग आंकड़े पढ़ता हूं। मैं इतना बेवकूफ नहीं हूं कि अपने निर्माताओं पर बोझ डालूं। अभिनेता ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सफलता और इसके साथ मिलने वाला पैसा उनके मूल उद्देश्य को नहीं बदलता है। बता दें कि श्रद्धा कपूर ने हाल ही में हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 से दर्शकों का दिल जीता था। इसके बाद से उन्होंने अपनी अगली फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी।

हालांकि, अब खबर आ रही है कि श्रद्धा जल्द ही तुम्बाड़ के निर्देशक राही अनिल बर्वे के साथ एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण एकता कपूर करेंगी। हालांकि, अभी इसकी कहानी और नाम का खुलासा नहीं हुआ है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक श्रद्धा और एकता कपूर कई फिल्मों को लेकर बातचीत कर रही हैं। इनमें से एक हाई-कॉन्सेप्ट थ्रिलर फिल्म है, जिसे तुम्बाड़ फेम निर्देशक राही अनिल बर्वे ने तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और श्रद्धा इसकी अनोखी कहानी से बेहद प्रभावित हैं। उन्हें लगता है कि यह अनाम थ्रिलर स्त्री 2 के बाद उनके लिए एक शानदार फिल्म हो सकती है। श्रद्धा इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं। इन सबके बीच श्रद्धा कपूर नागिन ट्रिलॉजी की तैयारी में भी जुटी हैं। यह एक मेगा-बजट फिल्म है, जिसका निर्देशन विशाल फुरिया कर रहे हैं। इसमें श्रद्धा मुख्य किरदार नागिन के रूप में दिखेंगी। खास बात यह है कि इस फ्रेंचाइजी में वीएफएक्स का भारी इस्तेमाल होगा, जिससे दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपनी लाइफ से जुड़ी बातें और चीजें अपने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इसीलिए फैंस को श्रद्धा के पोस्ट का काफी इंतजार भी रहता है। लेकिन अब श्रद्धा कपूर ने अपने एक्स अकाउंट से एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसने सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। क्योंकि फैंस श्रद्धा के इस पोस्ट का मतलब नहीं समझ पा रहे हैं। श्रद्धा कपूर ने ये ट्वीट मंगलवार को लगभग रात साढ़े दस बजे के करीब किया है। कुछ फैंस का कहना है कि श्रद्धा का अकाउंट हैक हो गया है, तो वहीं कुछ ये नहीं समझ पा रहे हैं कि ये कोई पीआर स्टंट है या श्रद्धा ने किसी गेम में कोई 28 डॉलर जीते हैं। फिलहाल तो श्रद्धा का ये पोस्ट अभी भी एक रहस्य ही बना हुआ है। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रद्धा कपूर आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'स्त्री 2' में नजर आई थीं। ये फिल्म दिनेश विजन और अमर कौशिक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा थी। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुर्राना भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था और फिल्म ने कमाई में नए रिकॉर्ड स्थापित किए थे।

इसके अलावा श्रद्धा अपनी आगामी फिल्म 'नागिन' को लेकर भी लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस फिल्म को निखिल आडवाणी द्विवेदी कर रहे हैं। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर बीते 3 मार्च को अपना 38वां जन्मदिन मनाया। एक्ट्रेस अपने मासूम, क्यूट लुक्स और सिजलिंग अदाओं का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। इनकी खूबसूरती पर हर कोई फिदा है। यह एक खूंखार विलेन शक्ति कपूर की बेटी हैं। एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ शानदार सिंगर है। मुंबई में 3 मार्च 1987 को श्रद्धा कपूर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम शक्ति कपूर है, जोकि बॉलीवुड के खूंखार विलेन के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। वहीं उनकी मां का नाम शिवांगी कोल्हापुरे है। श्रद्धा कपूर ने अपनी शुरूआती पढ़ाई जमनाबाई नर्सरी स्कूल से और

श्रद्धा ने एकता कपूर के साथ एक फिल्म पर काम कर रही हैं और इसके लिए वो 17 करोड़ रुपये चार्ज करने वाली हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार श्रद्धा कपूर राही अनिल बर्वे द्वारा निर्देशित आगामी हाई-कॉन्सेप्ट थ्रिलर के लिए एकता कपूर के साथ बातचीत कर रही हैं। फिल्म 2025 की दूसरी छमाही में फ्लोर पर आ जाएगी।

अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे से की। फिर आगे की पढ़ाई के लिए श्रद्धा अमेरिका चली गई और वहां पर बोस्टन यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया। श्रद्धा कपूर ने कॉफी शॉप पर भी काम किया। पढ़ाई के दौरान पढ़ाई खत्म होने के बाद एक्ट्रेस ने अपने फिल्मी करियर पर ध्यान देना शुरू किया। साल 2010 में श्रद्धा कपूर ने फिल्म तीन पत्ती से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। फिर बतौर लीड एक्ट्रेस साल 2013 में उन्होंने फिल्म आशिकी 2 में काम किया और वह बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हो गई। इससे पहले श्रद्धा को पहला ऑफर महज 16 साल की उम्र में मिला था। दरअसल, सलमान खान ने श्रद्धा कपूर की एक्टिंग की तारीफ की थी। उन्होंने बोस्टन यूनिवर्सिटी में श्रद्धा कपूर को नाटक में परफॉर्म करते देखा था। जिसके बाद सलमान खान ने श्रद्धा कपूर को काम ऑफर किया था। आशिकी 2 में श्रद्धा कपूर के अपोजिट आदित्य रॉय कपूर थे। इस म्यूजिकली हिट फिल्म से एक्ट्रेस रातों-रात स्टार बन गई। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया। श्रद्धा कपूर ने एक विलेन, हैदर, एबीसीडी 2, बागी, स्त्री, छिछोरे और तू झूठी मैं मक्कार जैसी शानदार फिल्मों में काम कर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने सोशल मीडिया पर लोगों को छोटी और प्यारी सी सलाह दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दिलचस्प तस्वीर और पोस्ट को शेयर किया है। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर अपनी दो तस्वीरें पोस्ट की। इन तस्वीरों में से एक सेल्फी के रूप में है, जबकि दूसरी तस्वीर में वह अपने पालतू डॉग्स के साथ मस्ती करती कैमरे में कैद हुई। तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, एंगल बदलो, रंग नहीं। पिछले महीने श्रद्धा कपूर ने एक पोस्ट शेयर करते हुए प्रशंसकों को वेलेंटाइन डे गिफ्ट के लिए एक बेहतरीन आइडिया सुझाया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए बताया था, हर कोई वेलेंटाइन डे पर कुछ खास करना चाहता है, हम दीपावली, रक्षा बंधन, यहां तक कि बोर्ड के नतीजों के बाद भी तोहफे देते हैं। वेलेंटाइन डे पर हम एक अच्छा सा ब्रेसलेट क्यों नहीं दे सकते? श्रद्धा ने आगे लिखा, आप कोई भी ऐसी चीज तोहफे में दे सकते हैं, जिसका इस्तेमाल रोजाना किया जा सके। बस कुछ भी उपहार दें। मैं आपसे कुछ खरीदने के लिए अपना घर गिरवी रखने के लिए नहीं कह रही हूं। श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टा पोस्ट को कैप्शन दिया था, वेलेंटाइन पर तोहफे दो दिल से। इससे पहले श्रद्धा कपूर ने एक पोस्ट में बताया था कि वह इंस्टाग्राम ज्यादा क्यों नहीं इस्तेमाल करती हैं। वहीं, अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को आईफा में सर्वश्रेष्ठ मुख्य भूमिका (महिला) पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। अभिनेत्री को आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ, यामी गौतम, नितांशी गोयल जैसे नामों के साथ नॉमिनेट किया गया है।

:: नेशनल डेस्क

महिलाओं को समय से पहले बूढ़ा बना रहे हैं ये 4 कारण, जानिए बचाव के टिप्स

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में महिलाएं अपनी सेहत को अक्सर नजरअंदाज कर देती हैं। काम का बोझ, परिवार की जिम्मेदारियां और खुद के लिए समय की कमी ये सभी चीजें उनकी सेहत पर असर डालती हैं।

इन्हीं वजहों से आजकल महिलाओं में समय से पहले उम्र बढ़ने की समस्या बहुत आम होती जा रही है। कुछ महिलाएं कम उम्र में ही बड़ी दिखने लगती हैं और उनके शरीर में ऐसे बदलाव आने लगते हैं जो आमतौर पर उम्र के साथ होते हैं। जैसे कि जोड़ों का दर्द, झुर्रियां, थकान और मांसपेशियों में कमजोरी। ये सभी चीजें न सिर्फ उनके शरीर को कमजोर बनाती हैं, बल्कि उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को भी प्रभावित करती हैं। तो चलिए जानते है कि महिलाओं में समय से पहले एजिंग क्यों होती है और इससे कैसे बचा जा सकता है।

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर की मांसपेशियां धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। इस स्थिति को सरकोपेनिया कहा जाता है। यह आमतौर पर 60 साल की उम्र के बाद होती है, लेकिन आजकल ये समस्या महिलाओं में बहुत पहले ही देखने को मिल रही है। इसका कारण क्या है? शारीरिक गतिविधियों की कमी, प्रोटीन और पोषण की कमी, हार्मोनल बदलाव (खासकर मेनोपॉज के बाद), तनाव

और मानसिक दबाव। मांसपेशियों की कमी से शरीर का संतुलन बिगड़ सकता है और गिरने या चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। इससे शरीर जल्दी थकता है और दैनिक कामकाज में परेशानी होती है। बहुत-सी महिलाएं 40 की उम्र के बाद जोड़ों में दर्द और अकड़न की शिकायत करने लगती हैं। ये समय से पहले बुढ़ापे का संकेत हो सकता है। इसका मुख्य कारण है एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी, जो मेनोपॉज के बाद शरीर में कम हो जाता है। इसके अलावा, गलत जीवनशैली, ज्यादा वजन होना, जेनेटिक फैक्टर्स। जोड़ों में सूजन और दर्द चलने-फिरने में रुकावट डालते हैं, जिससे महिलाओं की दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ता है। यह एक प्रकार का आर्थराइटिस भी हो सकता है। मेनोपॉज यानी जब महिलाओं के पीरियड्स बंद हो जाते हैं, एक बहुत बड़ा शारीरिक बदलाव होता है। इस दौरान हार्मोनल संतुलन बिगड़ जाता है। खासकर एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का स्तर गिर जाता है। इससे क्या होता है? हड्डियों की कमजोरी (ऑस्टियोपोरोसिस), स्किन की चमक और इलास्टिसिटी में कमी, नींद न आना (इनसोम्निया), मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ापन, वजन बढ़ना। ये सभी लक्षण महिलाओं में एजिंग की प्रक्रिया को तेज कर देते हैं।

आज की महिलाएं कई जिम्मेदारियों को संभाल रही हैं दू घर, ऑफिस, बच्चे और सामाजिक जीवन। इस दौड़-भाग में वे अपनी सेहत और दिनचर्या पर ध्यान नहीं दे पातीं।इसका नतीजा होता है गलत खानपान (जंक फूड, बाहर का खाना), नींद की कमी, स्मोकिंग और शराब का सेवन, लगातार मानसिक तनाव। ऐसी लाइफस्टाइल से शरीर में सूजन और हार्मोनल असंतुलन बढ़ता है, जिससे एजिंग की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

योगा, वॉक, स्ट्रेचिंग और हल्की-फुल्की एक्सरसाइज, संतुलित और पौष्टिक आहार लें: प्रोटीन, विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर युक्त भोजन पर्याप्त नींद लें: कम से कम 7-8 घंटे की नींद जरूरी है। तनाव से दूर रहें: मेडिटेशन, म्यूजिक और अपनी पसंद के काम करें। स्वास्थ्य जांच कराएं: हार्मोन, हड्डियों और मेटाबोलिज्म की रेगुलर जांच करवाएं।

:: लोकल डेस्क

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

गोवा के शिरगांव

और भगदड़ मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। श्री लैराई जात्रा नॉर्थ गोवा के बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में आयोजित होने वाला हिंदू धार्मिक उत्सव है। जात्रा हर साल अप्रैल या मई में होती है। इसमें गोवा, महाराष्ट्र, और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु आते हैं। जात्रा 2 मई की शाम से 3 मई की सुबह तक आयोजित की गई थी। इसी दौरान हादसा हुआ। गोवा पुलिस के मुताबिक- महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों के 30 से 40 हजार लोग यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। शुक्रवार शाम भीड़ मंदिर की ओर जा रही थी, तभी एक ढलान पर कुछ लोग गिर पड़े। इसके बाद पीछे से आ रहे लोग भी एक-दूसरे पर गिरते चले गए। 40 से 50 लोग इस दौरान नीचे गिर गए। इसके बाद अफरा-तफरी होने से भगदड़ मच गई। यात्रा के लिए एक हजार पुलिसकर्मियों की ही तैनाती हुई थी। वहीं, भीड़ की एक्टिविटी को ड्रोन की मदद से ट्रैक किया जा रहा था। सीएम प्रमोद सावंत ने एक्स पर लिखा शिरगांव के लैराई जात्रा में हुई भगदड़ से दुखी हूं। मैंने नॉर्थ गोवा डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फोन कर स्थिति की जानकारी ली और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। सावंत ने कहा गोवा में पहली बार ऐसा मामला सामने आया है। मैं मौके पर पहुंचा हूं और घायलों से अलग-अलग अस्पतालों में जाकर मिला हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा के शिरगांव में भगदड़ के कारण हुई मौतों से दुखी हूं। अपने प्रियजन को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गोवा के शिरगांव स्थित लैराई देवी मंदिर में वार्षिक यात्रा के समय भगदड़ में कई श्रद्धालुओं की मौत और घायल होने का समाचार बहुत दुखद है। सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गोवा के शिरगांव में हुई भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में जानकर दुख हुआ, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। मैं परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

आतंकियों के खिलाफ

के आक्रामक रुख को रेखांकित करते हुए कहा, ÷हम हर आतंकवादी और उसके समर्थकों की पहचान करेंगे, उनका पता लगाएंगे और उन्हें दंडित करेंगे। हम उन्हें धरती के अंत तक खदेड़ेंगे।

विकास प्राधिकरणों में

की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि कानपुर मेट्रो के मोतीझील से कानपुर सेंट्रल स्टेशन तक 6.7 किमी. लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन का निर्माण पूर्ण हो गया है। कॉरीडोर 1 और 2 का कार्य इस वर्ष के अंत तक पूर्ण कर लिया जाएगा। आगरा मेट्रो के प्रथम कॉरिडोर को भी दिसम्बर तक पूर्ण करने का लक्ष्य है, जबकि द्वितीय कॉरिडोर का कार्य 2026 तक निर्धारित किया गया है। लखनऊ मेट्रो परियोजना के अंतर्गत चारबाग से बसंतकुंज तक 11.165 किमी प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के सीमा विस्तार की आवश्कता जताई। जेपीएनआईएसी को यथाशीघ्र लखनऊ विकास प्राधिकरण को हस्तांतरित करने के भी निर्देश दिए।बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि भवन निर्माण एवं विकास उपविधि-2025 के प्रारूप पर 16 अप्रैल से 30 मई तक जनसामान्य से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। प्राप्त सुझावों के आधार पर इस उपविधि को अंतिम रूप में दिया जाएगा।लखनऊ में इंटरनेशनल एक्जीबिशन-कम-कन्वेंशन सेंटर परियोजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि 900 करोड़ की लागत से 32.50 एकड़ भूमि पर केंद्र विकसित होने वाले विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर को अधिकतम 02 वर्ष में पूरा करा लिया जाए। यह कन्वेंशन सेंटर नए लखनऊ की पहचान बनेगी। यूपी-एससीआर की अद्यतन स्थिति पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी जिलों को समाहित करती है, जिसका कुल क्षेत्रफल 27,826 वर्ग किमी है। इसके डीपीआर की प्रक्रिया में अब विलंब न हो। बैठक में आगामी तीन माह की कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। इसमें उत्तर प्रदेश टाउन एंड कंट्री प्लानिंग अधिनियम-2025, लैंड पूलिंग पॉलिसी-2025 और भवन निर्माण एवं विकास उपविधि-2025 जैसे महत्वपूर्ण पॉलिसी को लागू करने की प्रक्रिया शामिल है। इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति अंतर्गत क्रियाशील परियोजनाओं को पूर्ण कराए जाने हेतु संशोधित गाइडलाइन भी शीघ्र ही जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री शहरी विस्तार,नए शहर प्रोत्साहन योजना में अनुमोदित परियोजनाओं को जून से दिसंबर तक चरणबद्ध लॉन्च किया जाएगा। झांसी, बरेली, अलीगढ़, सहारनपुर, आगरा ककुआ कानपुर न्यू कानपुर सिटी योजना मथुरा ट्रांसपोर्ट नगर मुरादाबाद डिडौसी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, मेरठ और लखनऊ इसमें शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने परियोजनाओं की समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि जीआईएस आधारित महायोजना संरचना के अंतर्गत प्रदेश के 59 नगरों की महायोजनाएं तैयार की जा रही हैं, जिनमें से 42 को अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। शेष चार महायोजनाएं झांसी, मैनपुरी, फर्रुखाबाद-फतेहगढ़ एवं बहराइचके अनुमोदन की प्रक्रिया इसी माह में पूरी की जाए। मुख्यमंत्री ने निजी निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल आधारित परियोजनाओं को प्राथमिकता देने, प्रवासी श्रमिकों के लिए विशेष आवासीय योजनाएं संचालित करने और ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणीकरण, सोलर रूफटॉप सिस्टम, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग एवं अपशिष्ट प्रबंधन को अनिवार्य शहरी मानक के रूप में लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने यूपी आवास एप और रेरा पोर्टल को और अधिक सुगम एवं पारदर्शी बनाए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

बांग्लादेशियों की घुसपैठ

मोबाइल फोन समेत 19170 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारी के मुताबिक चांद मियां की निशानदेही पर चेन्नई में भी 33 बांग्लादेशी घुसपैठिये पकड़े गए हैं। पुलिस पूछताछ में पता चला कि चांद मियां घुसपैठियों से बार्डर पार करवाने के एवज में 25 हजार रुपये लेता था। वह एक बार में आठ से 10 बांग्लादेशियों को बार्डर पार करवाता था। दिल्ली में फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनके भारतीय होने का ठप्पा लगा दिया जाता था। वह पिछले करीब 12 साल से घुसपैठ करा रहा था। चांद मियां जिन लोगों को बॉर्डर पार कराता था, लुकमान उन्हें गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से दिल्ली या देश के अन्य हिस्सों में भेजने में मदद करता था।

भारत ने पाकिस्तान

बता दें आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल-पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर गोलियां चला दी थीं। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफने इस हमले की जिम्मेदारी ली। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। नयी दिल्ली ने इस्लामबाद के खिलाफकई सख्त कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठाए हैं। इनमें 1960 के सिंधु जल समझौते को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने, अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद करने, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने, शामिल हैं।

हां, आतंकवाद का

सैर-सपाटा नहीं है। उन्होंने बताया कि काशी और मथुरा, यह दोनों मामले न्यायालयों में चल रहे हैं। एक वकील होने के नाते उसकी थोड़ी जानकारी-देखभाल मैं भी करता हूं। पूरी प्रमाणिकता के साथ तथ्यों और तर्कों को रखा जा रहा है। मामला न्यायालय में विचाराधीन है, प्रमाणिक तथ्यों को वहां रखा जा रहा है, इसलिए उनका यहां उल्लेख उचित नहीं। मेरी समझ यह है कि हमारे मुकदमे बहुत अच्छे हैं और मैं आशा करता हूं कि इन मुकदमों में हमें विजय मिलेगी। हिंदू समाज को काशी-मथुरा के मंदिर वापस प्राप्त होंगे। 1984 की धर्मसंसद में संतों ने निर्णय लिया था कि अयोध्या, काशी और मथुरा तीनों प्राप्त करेंगे। मुकदमे ठीक से लड़े जाएं, इसके लिए जो कुछ भी करने की आवश्यकता है। अध्ययन की, रिसर्च की, उन सबमें हम ठीक से जुटेंगे, पर जब तक न्यायालय में विषय चल रहा है, तब तक सड़क पर संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं है। उस समय का संघर्ष इसलिए हुआ था कि उस समय की सरकारों ने विरोध किया। अब ऐसी सरकारें हैं जो विरोध नहीं करेंगी, ऐसी हमको आशा है। उत्तर प्रदेश की भी नहीं करेगी, देश की भी नहीं करेगी। इसलिए इस संबंध में सड़क का आंदोलन इसकी अभी आवश्यकता हमें नहीं लगती। संघ सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के कथन का समर्थन है। जिस दिन भी हमें उसकी (आंदोलन) आवश्यकता पड़ी तो संविधान के अंतर्गत रहते हुए हमारे सामने जो-जो भी मार्ग और विकल्प हैं, उन सबको अपना कर हम मंदिर को पुनः प्राप्त करेंगे। पर, अभी इसकी आवश्यकता नहीं लग रही। न्यायालय में हमारा पक्ष मजबूत है। अभी हमारा सारा ध्यान काशी और मथुरा पर है और यह होने तक रहेगा। जब तक काशी-मथुरा के मंदिर हमको प्राप्त नहीं होते, उससे आगे का हम विचार नहीं करेंगे। ये होने के बाद संतों का क्या आदेश है, ये प्राप्त करेंगे, देखेंगे, अभी नहीं करेंगे। उनके दिशा-निर्देश के आधार पर ही आगे की नीति-कार्य योजना तय होगी। मैंने कभी, कहीं ऐसा नहीं कहा। मेरा यह कहना है कि हमारा ध्यान अन्य किसी ओर, अन्य किसी विषय पर नहीं है, पर काशी-मथुरा के मंदिर प्राप्त करने के बाद विराम नहीं लेंगे, हम और हमारे लोग इस दिशा में काम करते रहेंगे। हिंदू पक्ष की ओर से उतना नहीं है, जितना आरोप लगाया जा रहा है। हो सकता है कि कोई-कोई गैर जिम्मेदारी से बयानबाजी करता होगा। सुप्रीम कोर्ट के एक सीटिंग जज को अमेरिका के ला कालेज ने इन विषयों पर बोलने के बुलाया गया था। वह विदेश में लोगों को बोल रहे थे कि हेट स्पीच के मामले हिंदू समाज ही ज्यादा करता हैं। उसके अगले हिस्से में उन्होंने माना कि उनके पास जो मुकदमे आते हैं, उसके हिसाब से उनको लगा है, इसकी कोई ठोस जानकारी उनके पास नहीं है। बिना किसी ठोस जानकारी के सुप्रीम कोर्ट के सीटिंग जज विदेश के लोगों से बात करते हुए भारत की मेजोरिटी को अपमानित करे, आरोपित करे, मैं समझता हूं कि यह गैर जिम्मेदाराना है। मैं कानून का विद्यार्थी होने के कारण आश्वस्त हूं कि मेरी यह टिप्पणी मर्यादा के अनुकूल है। सब लोगों को इससे बचना चाहिए। और हेट स्पीच जो भी करता है, उसका निर्णय धर्म के आधार पर नहीं होना चाहिए। वह कोई भी, किसी भी धर्म का हो, अगर वह घृणा और नफरत फैलाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

नेपाल सीमा से सटे जिलों के सौ से ज्यादा मदरसे सील

सबसे ज्यादा श्रावस्ती के 68 मदरसे हुए सील, 164 के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई शनिवार को भी जारी रहा। प्रदेश के पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अब तक महाराजगंज में 33 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे मिले हैं, जबकि सिद्धार्थनगर में 21 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे मिले हैं। वहीं सर्वाधिक कार्रवाई श्रावस्ती जनपद में हुई है। यहां अब तक 68 अवैध मदरसे सील किये गये हैं, साथ ही 164 के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई की गई है। वहीं पीलीभीत में भी एक अवैध धार्मिक स्थल मिला है। प्रशासन ने इसमें शामिल 6 लोगों के नाम नोटिस जारी किया है। महारागंज जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि कुल 33 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे चिह्नित किये गये हैं। इनमें से 19 मदरसे हैं, जिनमें से 4 के कब्जे हटाये गये हैं, 14 कब्जों के सापेक्ष 67(1) की कार्रवाई की गई है, जबकि एक का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसी प्रकार 10 अवैध धार्मिक स्थलों पर 67(1) की कार्रवाई की गई है। ऐसे ही सरकारी जमीन पर बनाए गये चार मजारों में से दो को हटा दिया गया है। एक में 67(1) की कार्रवाई की गई है, जबकि एक को वन विभाग की ओर से नोटिस दी गई है। सिद्धार्थनगर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में नेपाल सीमा से 10 किलोमीटर अंदर तक कुल 21 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं, जिनमें चार अवैध धर्मस्थल और 17 अवैध मदरसे शामिल हैं। जिला प्रशासन ने 20 अतिक्रमणों को नोटिस जारी की है, जबकि एक अतिक्रमण को हटा दिया गया है। बलरामपुर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में अबतक 34 अवैध मदरसे, धार्मिक स्थल और मजार चिह्नित किये गये हैं। इनमें से 6 से कब्जा हटाया गया है। 16 मदरसे बंद करा दिये गये हैं और 12 को नोटिस दी गई है। एक स्थान पर ईदगाह बना हुआ है, जिसपर कार्रवाई जारी है। पीलीभीत जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में अबतक केवल एक अवैध धार्मिक स्थल मिला है। जिसमें 6 लोगों को नोटिस दे दी गई है। श्रावस्ती जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में बिना मान्यता के चल रहे 68 मदरसों को सील कर दिया गया है, जबकि 164 मदरसों पर बेदखली की कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त भिनगा तहसील के ग्राम भरथा रोशनगढ़ में एक अवैध धर्मस्थल के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की गई है।

योगी सरकार ने आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए खोला अपना पिटारा : उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए राहत का पिटारा खोल दिया है। इससे इन कर्मचारियों को बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है। दरअसल, यूपी में जल्द ही आउटसोर्स सेवा निगम का गठन किया जाएगा। इसके तहत कर्मचारियों को एजेंसियों के उत्पीड़न से मुक्ति मिलेगी और उनका तमाम समस्याओं का आसानी से समाधान हो सकेगा। बता दें, ये निगम विभिन्न विभागों में आउसोर्स के कर्मचारियों की भर्ती से लेकर उनके वेतन और अवकाश समेत तमाम जिम्मेदारियों को संभालेगा। योगी सरकार ने आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए हित में बड़ा फैसला लिया है। सरकारी कर्मचारियों की तरह अब आउटसोर्स कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा। इसके लिए सरकार आउटसोर्स सेवा निगम का गठन करेगी। पिछले कुछ समय से ईएसआई और ईपीएफ की सुविधाओं का लाभ मिलने में समस्या आ रही थी। ऐसे में निगम का गठन होने से इन तमाम समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। निगम का गठन गैर लाभकारी संस्था के तौर पर किया जाएगा। इसके गठन से आउटसोर्स कर्मचारियों मे पर खर्च हो रहे पैसे पर 22.5 फीसदी की कमी आएगी। साथ ही कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा। अभी तक सरकार को इन कर्मचारियों के लिए कमीशन और जीएसटी का भुगतान करना पड़ता था। आउटसोर्स कर्मचारियों को कई बार ईपीएफ और ईएसआई की सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता था। ऐसे में निगम का गठन होने से इन तमाम समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। आउटसोर्स कर्मचारियों को 180 दिन की मैटरनिटी लीव से लेकर ईएसआई अस्पतालों में मुफ्त इलाज, सेवा अवधि पूरी होने पर पेंशन की सुविधा और आकस्मिक अवकाश जैसी सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी।

● सिद्धार्थनगर में 21 से सभी 21 अवैध कब्जों पर हुई कार्रवाई

यूपी के युवाओं के लिए सरकार लाई विशेष कार्यक्रम : प्रदेश के युवाओं को रोजगार के लायक हुनर सिखाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए छह मई को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके माध्यम से ग्रामीण युवाओं को मुफ्त व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें उद्योगों के अनुकूल तैयार करना है। 15 से 35 वर्ष के ग्रामीण युवक और 15 से 45 वर्ष तक की ग्रामीण महिलाएं इसका लाभ उठा सकेंगी। कार्यक्रम सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा। इसमें उद्योग जगत के विशेषज्ञ, प्रशिक्षण देने वाले संस्थान और सरकारी विभाग एक साथ मौजूद रहेंगे। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल का कहना है कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के कौशल भारत, कुशल भारत और मुख्यमंत्री के रोजगारपरक उत्तर प्रदेश के विजन को जमीन पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि कार्यक्रम से कोशिश है कि युवाओं को बाजार की मांग के अनुसार प्रशिक्षण मिले और वे सीधे रोजगार से जुड़ सकें।

भारतीय भाषाओं और संस्कृति की विरासत को संरक्षित रखने पर दिया जोर

लखनऊ, चसं। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें अमेरिका स्थित अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य प्रवाह की संस्थापक डॉ. मीरा सिंह ने हमारी धरोहर विषय पर अपने विचार रखे। डॉ. सिंह ने बलिया से फिलाडेल्फिया तक के अपने जीवन संघर्ष की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि भारतीय मूल्यों ने उन्हें हर कठिन परिस्थिति में राह दिखाई। अपने उपन्यास श्लक्षिताश् और श्जीवन प्रवाहश् का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्त्री विमर्श और जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सिंह ने नई पीढ़ी की चुनौतियों पर बात की। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को विरासत से लगाव है। लेकिन इसे जिम्मेदारी के साथ संभालना आज की मुख्य चुनौती है। उन्होंने धरोहर को केवल भौतिक वस्तुओं तक सीमित न रखते हुए विचारों, भाषाओं और परंपराओं को भी इसका हिस्सा बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. रीता चौधरी ने की। संचालन प्रो. वाई.पी सिंह ने किया। विभाग के 100 से अधिक शोधार्थी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। प्रो. रश्मि कुमार, प्रो. सूरज बहादुर थापा, प्रो. हेमांशु सेन, प्रो. श्रुति, डॉ. रविकांत, डॉ. ममता, डॉ. अनुपम पटेल और डॉ. सीमा यादव सहित कई विद्वान भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

समाधान दिवस में 3 घंटे लेट पहुंचे डीएम फरियादियों ने जताई नाराजगी

लखनऊ, चसं। मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिला अधिकारी विशाख जी अय्यर तीन घंटे लेट पहुंचे। फरियादी सुबह 10 बजे से उनका इंतजार कर रहे थे। वह दोपहर 1.15 बजे पहुंचे। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। समाधान दिवस में एसडीएम, एसीपी, लेखपाल, नायब तहसीलदार, आपूर्ति अधिकारी समेत विद्युत और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। समाधान दिवस में लोग जमीन विवाद, पेंशन, राशन कार्ड, बिजली और पानी की समस्याओं को लेकर पहुंचे। कई लोगों ने डीएम की देरी से आने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि समाधान दिवस का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब अधिकारी समय पर पहुंचेंगे। डीएम ने पहुंचने के बाद कुछ मामलों को संज्ञान में लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने के निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनता को उनके दरवाजे पर ही न्याय मिले। समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का मौके पर समाधान करना है। हालांकि, समय की पाबंदी और शिकायतों के त्वरित निपटारा में अभी सुधार की आवश्यकता है।

हटाये गये संभल के सीओ अनुज चौधरी

लखनऊ, चसं। संभल में पिछले साल 24 नवंबर को हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद से सुर्खियों में आए पुलिस अधिकारी सीओ अनुज चौधरी का तबादला कर दिया गया है। उन्हें संभल सर्किल से हटाकर अब चंदौसी सर्किल का सीओ बनाया गया है, जो संभल जिले का ही एक क्षेत्र है। अब संभल सर्किल की कमान सहायक पुलिस अधीक्षक एएसपी आलोक भाटी को सौंपी गई है जिन्होंने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। बदलाव कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। सीओ अनुज चौधरी सिर्फसंभल की हिंसा को लेकर ही नहीं बल्कि अपने बयान को लेकर भी काफी चर्चा में रहे थे।

भारतीय खाद्य निगम के नवनियुक्त कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब, लखनऊ में सरकारी, अर्धसरकारी विभाग संस्थाओ के अधिकारियों व कर्मचारियों व विभाग व रचनात्मक कार्यो से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक दक्ष व सक्षम बनाने का कार्य किया जा रहा है।

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्रम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा भारतीय खाद्य निगम के सहयोग से, भारतीय खाद्य निगम में नवनियुक्त तृतीय श्रेणी के कार्मिकों हेतु, दिनांक 21अप्रैल 03 मई की अवधि में, आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस बारह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण, 86कार्मिकों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। संस्थान के महानिदेशक एल वेंकटेश्वर लू के संरक्षण व अपरघ् निदेशक बीडी चौधरी के मार्गनिर्देशन तथा उप निदेशक सरिता गुप्ता एवं सहायक निदेशक डॉ सीमा राठौर के नियन्त्रण में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित हुआ है। इस आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न विषयों स्ट्रक्चर आफ स्टेट एण्ड रिलेशनशिप विथ एफसी आई, रोल आफपार्लियामेंट कामिटीज, फूड पालिसी आफ इंडिया एण्ड नेशनल फूड सिक्योरिटी ऐक्ट एण्ड इट्स ईम्प्लीमेन्टेशन, सस्टेनेबल डेवलपमेंट आफइण्डियन एग्रीकल्चर एंड रोल इन इण्डियन इकोनॉमी, टाइप्स आफ फिजिकल वेरीफिकेशन इन एफ सी आई-ऐनुअल पी वी, क्वार्टरली पी वी एण्ड आई एस आई पी वी, लेबर सिस्टम इन एफसी आई पेमेंट एण्ड बेनिफिट्स टू डिपार्टमेंट एण्ड डी पी एस लेबर, आफिस प्रोसिजर, ओपेनिंग एण्ड मेंटीनेंस आफ फाइल्स, आफिसियल रिकार्डस , वर्कशॉप आन नोटिंग ड्राफ्टिंग इत्यादि अनेक प्रासंगिक एवं उपयोगी विषयों पर भारतीय खाद्य निगम व अन्य संबंधित विभागों के विशेषज्ञ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विषयगत प्रासंगिक व महत्वपूर्ण वार्ताओं के माध्यम से नवनियुक्त कार्मिकों का ज्ञानवर्धन किया गया, जिससे कि अपने-अपने कार्य क्षेत्र में जाकर यथोचित रूप से शासकीय कार्यो का निष्पादन कर सकें। नवनियुक्त कार्मिकों को अभिप्रेरित करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान संस्थान के महानिदेशक एल वेंकटेश्वर लू लोक सेवा आयोग के पूर्व वरिष्ठ सदस्य डा0 कृष्ण वीर सिंह शाक्य तथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी के वरिष्ठ विजिटिंग फैकल्टी प्रोफेसर स्वामी मधुसूदन जी की वार्ताएं अद्वितीय रहीं हैं।

● सरकारी, अर्द्धसरकारी विभाग संस्थाओ के अधिकारियों व कर्मचारियों व विभाग व रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक दक्ष व सक्षम बनाने का कार्य किया जा रहा है

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन संस्थान के आपर निदेशक बी डी चौधरी की अध्यक्षता व मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक प्रशान्त शर्मा आई की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। महाप्रबंधक प्रशान्त शर्मा द्वारा कार्मिकों को शासकीय ढांचे में कार्य करने के अनेक प्रकार के उपयोगी निर्देश देने के साथ मार्ग निर्देशन भी प्रदान किया गया। अध्यक्षीय सम्बोधन के अन्तर्गत संस्थान के अपर निदेशक बी डी चौधरी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आत्मसम्मान के साथ समाज की मुख्य धारा में शामिल हों भीख मांगने वाले

लखनऊ, चसं। बदलाव संस्था द्वारा भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान के अंतर्गत 30 दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम के तीसरे दिन सार्थक पार्ट-2 एक कदम भिक्षावृत्ति उन्मूलन की ओर नुक्कड़ नाटक का मंचन-खाटू श्याम, (पंचमुखी मंदिर) न्यू हैदराबाद, गोमती बंधा, तथा शनिदेव मंदिर क्लार्क अवध के राणाप्रताप मार्ग पर किया गया। नाटक के माध्यम, लखनऊ शहर में भीख मांगने के काम में लगे लोगों की जीवनशैली,समस्याओं का मचंन कर बदलाव संस्था की टीम व वालंटियरों ने वहां उपस्थित भिक्षावृत्ति के काम मे लगे लोगों से एक-एक करके, व्यक्तिगत संवाद कर उनकी समस्याओं और कारणों को समझा. टीम द्वारा उन्हें संस्था द्वारा पुनर्वास के लिए प्रदान किया जा रहे अवसर तथा सुविधाओं से जुड़कर अपनी खोई हुई पहचान को पुनः स्थापित कर अपने परिवार के साथ खुशहाल सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। बदलाव का यह प्रयास सिर्फ मंचन तक सीमित न होकर जमीनी बदलाव की दिशा में एक सशक्त कदम है। संस्था का उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति भीख न मांगे, बल्कि आत्मसम्मान के साथ समाज की मुख्यधारा में शामिल हो।

सियाराम की रसोई अभियान : पुण्य स्मृतियों को मानव सेवा में रूपांतरित करने की पहल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राम राज्य के इस वर्तमान युग में हम सभी का दायित्व बनता है कि समाज के सबसे निर्धन और असहाय वर्ग के सहयोग हेतु आगे आएं। यह समय है जब हम सभी मिलकर उनके जीवन में आशा, सम्मान और बुनियादी सुविधाओं का संचार कर सकते हैं।

इसी उद्देश्य को लेकर हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट ने 'सियाराम की रसोई' अभियान का शुभारंभ किया है, जिसका लक्ष्य है दृ जनसहयोग से प्रतिदिन गरीबों को निःशुल्क भरपेट भोजन उपलब्ध कराकर मानवता की सेवा करना। यह अभियान आमजन को यह अवसर भी प्रदान करता है कि वे अपने जन्मदिवस, विवाह वर्षगाँठ, पुण्यतिथि जैसे कभी खुशी कभी गम के जीवन क्षणों को जरूरतमंदों की सेवा के माध्यम से सार्थक बना सकें। जनहित में योगदान के निम्नलिखित तरीके उपलब्ध हैं- ऑनलाइन दान के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्रदान करना। खाद्य सामग्री (जैसे अनाज, दालें, फल, सब्जियाँ, ताजा दूध आदि) का दान ट्रस्ट के समृद्धि केंद्र में जमा कराना। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक भोजन वितरण कार्यक्रम में, दानदाता की स्मृति तिथि या विशेष अवसर की सार्वजनिक घोषणा की जाती है, जिससे उन्हें उपस्थित साधकों से आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्राप्त होती हैं। इसी क्रम में, श्री गणेश प्रसाद शाह, निवासी मकान संख्या 5, मानस एनक्लेव, इंदिरा नगर, लखनऊ, ने अपनी पत्नी स्वर्गीय माधुरी शाह जी की चतुर्थ माह की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 'सियाराम की रसोई' योजना के अंतर्गत घ्5100ध्- का दान प्रदान किया। इस अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद बाल विद्या मंदिर, महामाया नगर, तकरोही, इंदिरा नगर, लखनऊ में 220 लाभार्थियों को फल एवं फ्रूटी वितरित कर उन्होंने एक प्रेरणादायी सेवा कार्य किया।

हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट, श्री गणेश प्रसाद शाह जी तथा उनके परिवार के इस पुण्य प्रयास हेतु हार्दिक आभार प्रकट करता है तथा स्वर्गीय माधुरी शाह जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है। इस गरिमामयी अवसर पर श्री गणेश प्रसाद शाह, ऋषि शाह, डॉ. सिद्धार्थ शाह, आदिल शाह, विद्यालय के प्रबंधक श्री संतोष वर्मा, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं ट्रस्ट के स्वयंसेवकगण उपस्थित रहे।

पेंशनर्स भेजेंगे पीएम को ज्ञापन

लखनऊ, चसं। केन्द्रीय जेसीएम स्टाफसाइड के सेक्रेटरी शिव गोपाल मिश्र की उपस्थिति तथा कामर्शियल टैक्स रिटायर्ड आफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वी.पी. श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति, उत्तर प्रदेश के घटक संगठनों एवं मण्डलीय, जनपदीय संयोजकों की बैठक में प्रदेश के सभी पेंशनर्स द्वारा प्रधान मंत्री को सम्बोधित ज्ञापन व्यापक स्तर पर प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ द्वारा भविष्य में दिये जाने वाले कार्यक्रमों को प्रदेश के पेंशनरों द्वारा पूर्ण मनोयोग से सफल बनाने का निर्णय लिया गया। संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति के संयोजक एन.पी. त्रिपाठी, सह संयोजकगण क्षमानाथ दुबे व ओंकार नाथ तिवारी तथा कोषाध्यक्ष भगवान सिंह वर्मा ने बताया कि इस बैठक में जेपीडब्ल्यूसी से सम्बद्ध सभी घटक संगठनों द्वारा बढ़-चढ़कर भागीदारी की गयी और भारत सरकार के स्तर से पूर्व एवं वर्तमान पेंशनर्स के मध्य विभेद किये जाने की स्थिति में पूरे प्रदेश भर के पेंशनरों द्वारा वृहद स्तर पर विरोध किये जाने का निर्णय लिया गया और आठवें वेतन आयोग के शीघ्र गठन की पुरजोर मॉग की गयी। उक्त सभी कार्यवाही जनपद,मण्डल स्तर से सम्पन्न किये जाने हेतु मण्डलीय,जनपदीय प्रतिनिधियों द्वारा पूर्ण समर्थन व्यक्त किया गया।

बैठक में उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पी.के. शर्मा, उपाध्यक्ष राधेश्याम ओझा, फेडरेशन आफयूपी पेंशनर्स एसोसिएशन के महासचिव महेन्द्र त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव, पीसीएस रिटायर्ड आफिसर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय बहादुर सिंह, डिप्लोमा इंजीनियर्स कल्याण संघ के अध्यक्ष इं. आर.के. भाटिया एवं कार्यकारी अध्यक्ष दिवाकर राय, विद्युत पेंशनर्स परिषद के महासचिव इं. कप्तान सिंह, जल निगम पेंशनर्स एसोसिएशन के महासचिव एन.सी.पाण्डेय, पी.डी.एस. रिटायर्ड आफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव राम सनेही यादव, सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद के महासचिव गुलाब तिवारी, उ.प्र. परिवहन निगम पेंशनर्स संघ के महासचिव वी.एन.मिश्र तथा मण्डलीय,जनपदीय संयोजकों में जानकी शरण शुक्ला, ए.एन.द्विवेदी, सुनील शर्मा, जयवीर सिंह, अतुल कुमार गुप्ता, जलालुददीन कुरैशी, रशीद अहमद, महेन्द्र अग्रवाल, संतोष कुमार मेहरोत्रा आदि ने विचार व्यक्त किये।

देश-विदेश डायरी

भारत को पाकिस्तान के खिलाफ आत्मरक्षा में कार्रवाई करने का वैध अधिकार : पूर्व अमेरिकी एनएसए

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने कहा कि कोई भी दक्षिण एशिया में व्यापक संघर्ष नहीं देखना चाहता, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत को पाकिस्तान के खिलाफआत्मरक्षा में कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है।एक विशेष इंटरव्यू में बोल्टन ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को एक स्थिर वातावरण में रहने नहीं दिया जा रहा, पर्यटकों को सीमा पार से लगातार आतंकवादी गतिविधि के कारण इस क्षेत्र में आने से रोका जा रहा है। बोल्टन फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के दौरान अमेरिकी एनएसए के रूप में कार्यरत थे। यह हमला पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद ने किया था जिसमें 40 सीआरपीएफजवान शहीद हो गए थे। बोल्टन ने कहा, जब मैं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार था, तो 2019 में हमारा सामना ऐसी ही परिस्थितियों से हुआ, उस वक्त पाकिस्तानी धरती से आतंकवादी हमला हुआ था। हमने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ गहन परामर्श किया था। तब हमारा नजरिया यह था कि यदि भारत सरकार को विश्वास है कि यह हमला पाकिस्तानी धरती से हुआ है और पाकिस्तानी सरकार इसे रोकने में नाकाम रही या उसने इसमें मदद की, तो नयी दिल्ली को आत्मरक्षा में कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत रहे बोल्टन ने कहा, मुझे लगता है कि यही सिद्धांत आज भी लागू होता है। मेरे विचार से भारत के हित में यह है कि अगर सैन्य प्रतिक्रिया का फैसला लिया जाता है तो उसे सही साबित करने वाले कारण भी उसके पास होने चाहिए। कोई भी दक्षिण एशिया में व्यापक संघर्ष नहीं देखना चाहता, लेकिन आतंकवादी हमलों का खतरा ऐसी चीज है जिसके साथ किसी को भी नहीं रहना चाहिए। इसीलिए, प्रतिक्रिया और आत्मरक्षा पूरी तरह से स्वीकार्य है। आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल - पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर गोलियां चला दी थीं। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफने इस हमले की जिम्मेदारी ली। आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल - पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर गोलियां चला दी थीं। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। चार भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने पहलगाम में क्रूर हमला किया था। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। हमलावरों में से दो के पाकिस्तानी नागरिक होने की पुष्टि हुई है।

रूस ने यूक्रेनी हमला किया नाकाम, एक ही रात में 170 ड्रोन और 11 मिसाइलें मार गिराईं

मास्को, एजेंसी। रूस ने शनिवार को दावा किया कि उसने क्रीमिया और यूक्रेन की सीमा से लगते उसके इलाकों को निशाना बनाकर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात किए गए हमले पर जवाबी कार्रवाई की और 170 ड्रोन तथा 10 से अधिक मिसाइलों को मार गिराया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने टेलीग्राम चौनल पर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि स्थानीय समयानुसार शुक्रवार रात 10 बजे से शनिवार सुबह पांच बजे के बीच रूसी वायु रक्षा इकाइयों ने क्रीमिया के ऊपर 96, क्रास्नोडार क्षेत्र में 47, रोस्तोव के ऊपर नौ, तथा मॉस्को के दक्षिण-पश्चिम में ब्रायंस्क और कुर्स्क क्षेत्रों में आठ-आठ स्थिर डैने वाले ड्रोन मार गिराए। इसने बताया कि दो मानवरहित विमान (यूएवी) को बेलगोरोद में मार गिराया गया। मंत्रालय ने दावा किया कि इनके अलावा, ब्रिटेन द्वारा आपूर्ति की गई आठ 'स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइलें और यूक्रेन द्वारा विकसित तीन नेप्च्यून-एमडी निर्देशित मिसाइलें भी काला सागर के ऊपर नष्ट कर दी गईं। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शनिवार तड़के काला सागर के ऊपर यूक्रेनी नौसेना के 14 ड्रोन नष्ट कर दिए गए। इस बीच, कुछ क्षेत्रों के गवर्नर ने यूक्रेन द्वारा किए गए ड्रोन हमलों में आम लोगों को नुकसान पहुंचने की जानकारी दी है। रोस्तोव के गवर्नर यूरी स्लीसर के हवाले से आरटी डॉट कॉम समाचार पोर्टल ने कहा, ''ड्रोन के गिरे मलबे के कारण त्सेलिना गांव में एक घर की छत पर आग लग गई, जिसके बाद दो वयस्कों और दो बच्चों को निकाला गया। एक गैर-आवासीय इमारत भी क्षतिग्रस्त हो गई।

बांग्लादेश में पत्रकारों पर हमले के 398 मामले दर्ज

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में पत्रकारों के उत्पीड़न की लगातार घटनाओं ने देश की नाजुक हालत को एक बार फिर उजागर किया है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के नेतृत्व में दक्षिण एशियाई देश कानून व्यवस्था समेत कई गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। विश्व 3 मई को प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2025 मना रहा है, जिसका विषय है, नई दुनिया में रिपोर्टिंग-प्रेस स्वतंत्रता और मीडिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव। ढाका स्थित अधिकार समूह ऐन ओ सलिश केंद्र (एएसके) ने अपने हालिया आंकड़ों में खुलासा किया कि अगस्त 2024 से मार्च 2025 तक पत्रकारों पर हमले और उत्पीड़न की कुल 398 घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें फरवरी और मार्च में दर्ज 82 घटनाएं भी शामिल है।